फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 77 संख्याः 102 प्रभात जयपुर, शुक्रवार 13 नवम्बर, 2026 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.75 रु.

ARBiT

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com



Before White Sugar

Honey was one of the most obvious and valuable natural sweeteners. Bees had already solved the problem of concentrating floral sugars

"Bacchus"

"Don't Go Far, Boys!" The Air India Flight that became a Guardian Angel for two runaway boys

ओवैसी-आज़ाद के ''सामाजिक परिवर्तन मंच'' को ज्यादा महत्व नहीं दे रही है सपा

ऐसा माना जा रहा है कि यह मंच अधिकतम 3-7 प्रतिशत वोट ले पाएगा, यू.पी. के विधानसभा चुनाव में

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 12 नवम्बर। असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी एआईएमआईएम (ऑल इंडिया मजलिस -ए -इत्तेहादुल मुस्लिमीन) और चंद्रशेखर आजाद की पार्टी द्वारा आज ''सामाजिक परिवर्तन मोर्चा'' बनाने की घोषणा के साथ ही, उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव अब एक बहुकोणीय मुकाबले की शक्ल लेते दिख रहे हैं। भाजपा के नेतृत्व वाला एनडीए और सपा-कांग्रेस गठबंधन मुख्य दावेदार माने जा रहे हैं, लेकिन मायावती की बसपा भी चुनावी मैदान में मौजूद है।

सबसे महत्वपूर्ण सवाल यह है कि क्या सामाजिक परिवर्तन मोर्चा, सपा-कांग्रेस गठबंधन की चुनावी संभावनाओं को अधिक नुकसान पहुंचाएगा?

एक संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में ओवैसी और आजाद ने उत्तर प्रदेश विधानसभा की सभी 403 सीटों पर चुनाव लड़ने की घोषणा की। इस मोर्चे की ओर से चंद्रशेखर आजाद को मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार के रुप में प्रोजेक्ट किया गया है।

- **एक आंकलन यह भी है कि सामाजिक परिवर्तन मंच, दलित-मुस्लिम वोट, जिसे सपा ने काफी मेहनत से संगठित किया है, को मुख्य रूप से वेस्टर्न यू.पी. में नुकसान पहुँचायेगा।**
- **ओवैसी कई बार, अखिलेश को यह ऑफर भेज चुके हैं कि उन्हें (अखिलेश को) ओवैसी की पार्टी से हाथ मिलाना चाहिए, भाजपा विरोधी वोटों का विभाजन रोकने के लिए।**

संवाददाता सम्मेलन में ओवैसी ने अपने मोर्चे को एक विश्वसनीय विकल्प बताया और समाजवादी पार्टी तथा कांग्रेस को इसमें शामिल होने का न्योता दिया। उन्होंने कहा कि यदि वे भाजपा को रोकना चाहते हैं तो इस मोर्चे में शामिल हो सकते हैं।

सपा ने अपनी पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) रणनीति के जरिए दलित और मुस्लिम वोट बैंक को मजबूत किया है। अब यह नया मोर्चा उसी वोट बैंक को निशाना बना रहा है, जिससे पश्चिमी उत्तर प्रदेश और अन्य महत्वपूर्ण विधानसभा क्षेत्रों में विपक्षी वोटों के बंटने का खतरा पैदा हो गया है।

अनुमान है कि इस मोर्चे को पूरे राज्य में 3 से 7 प्रतिशत तक वोट मिल सकते हैं, जो कड़े मुकाबलों का नतीजा बदलने और परोक्ष रुप से सत्ताधारी पार्टी की मदद करने के लिए काफी हैं। सपा के नेताओं ने इस गठबंधन को खारिज किया है। उनमें से कुछ का आरोप है कि यह मोर्चा केवल विपक्षी वोटों को बांटने का काम करेगा।

ओवैसी ने इसी साल पहले भी कई बार सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव को गठबंधन का प्रस्ताव दिया था। उन्होंने उनसे बातचीत करने की अपील की थी, ताकि भाजपा विरोधी वोटों का बंटवारा रोका जा सके। उन्होंने यह चेतावनी भी दी थी कि चुनाव के बाद उन्हें अपने फैसले पर पछताना पड़ सकता है। लेकिन अखिलेश ने इस प्रस्ताव को ठुकरा दिया। उन्होंने कहा कि सपा कांग्रेस के साथ अपने मौजूदा इंडिया गठबंधन को जारी रखेगी, जिसने 2024 के लोकसभा चुनाव में उत्तर प्रदेश में अच्छा प्रदर्शन किया था। सपा नेताओं ने ओवैसी की अलग राजनीतिक सोच और उनके साथ तालमेल बैठाने में आने वाली कठिनाइयों को इसकी वजह बताया था और कहा था कि पार्टी मौजूदा गठबंधन के दायरे से बाहर नहीं जाना चाहती।

इस बीच, अखिलेश यादव और उनकी पत्नी डिंपल यादव 12 दिसंबर को अयोध्या में राम मंदिर जाने वाले हैं। मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के बाद, यह उनकी पहली यात्रा होगी। इस प्रस्तावित यात्रा में हनुमानगढ़ी में पूजा-अर्चना भी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

अमिताभ बच्चन के घर को उड़ाने की तीसरी धमकी मिली

मुंबई, 12 नवंबर। मुंबई में बम की धमकी वाले एक नए ईमेल में कई प्रमुख जगहों के साथ-साथ, अभिनेता अमिताभ बच्चन के जुहू स्थित आवास ''जलसा'' का भी जिक्र है। जी हां, अमिताभ बच्चन के बंगले को बम से उड़ाने की ये धमकी तीसरी बार मिली है। इस मेल के बाद मुंबई पुलिस और सुरक्षा एजेंसियों ने सतर्कता बढ़ा दी है

- **सुरक्षा एजेन्सियों व बम निरोधक दस्तों ने धमकी वाले सभी स्थानों पर सघन चैकिंग की।**

और ईमेल में बताई गई जगहों की जांच-पड़ताल शुरू कर दी है।

ईमेल में मुंबई की कई जगहों का जिक्र था, जिनमें मेयर का ऑफिस, एक बैंक, एक अदालत,अमिताभ बच्चन का बंगला, महालक्ष्मी रेसकोर्स और छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा शामिल हैं। मेल में नगर निगम का भी जिक्र था, जिसके बाद पुलिस और अन्य सुरक्षा एजेंसियों को अलर्ट कर दिया गया। इसके बाद, बम निरोधक दस्ते और सुरक्षा टीमों ने ईमेल में बताई गई जगहों की जांच की। लेकिन, तलाशी के दौरान कोई भी संदिग्ध चीज नहीं मिली। अधिकारी जांच के हिस्से के तौर पर धमकी भरे ईमेल की भी पड़ताल कर रहे हैं, ताकि इसकी असलियत का पता लगाया जा सके और इसे भेजने वाले की पहचान की जा सके।

'बेटा जन्म से ही पिता को दादा से मिली सम्पत्ति में भागीदार नहीं बन जाता'

सुप्रीम कोर्ट के इस निर्णय ने खानदानी सम्पत्ति के बंटवारे के मामलों में भारी हलचल मचा दी

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 12 नवम्बर। सुप्रीम कोर्ट ने एक अपील को खारिज करते हुए कहा है कि कोई बेटा अपने पिता की उस संपत्ति में जन्मसिद्ध अधिकार का दावा नहीं कर सकता, जिसका पहले ही बंटवारा हो चुका है और जो अब पूरी तरह से पिता की निजी संपत्ति बन चुकी है। इस अपील में संपत्ति में आधा हिस्सा मांगा गया था।

- **जिस मुकदमे में सुप्रीम कोर्ट ने यह निर्णय सुनाया था, उसमें दादा की सम्पत्ति का विभाजन 1993 में हो गया था तथा पौत्र का जन्म 1994 में हुआ।**

अदालत इस बात की जांच कर रही थी कि क्या कोई बेटा अपने पिता के जीवित रहते, उनकी संपत्ति के बँटवारे की मांग कर सकता है, इस आधार पर कि वह संपत्ति पुश्तैनी या संयुक्त परिवार की संपत्ति है।

यह मामला 1997 में दायर बंटवारे के एक मुकदमे से जुड़ा था। यह मुकदमा एक नाबालिग बेटे की ओर से उसकी मां ने दायर किया था। इसमें 1,811 वर्ग फुट की संपत्ति में आधा हिस्सा मांगा गया था। बेटे का कहना था कि यह संपत्ति मूल रूप से उसके दादा की थी और जन्म से ही उसका इस संपत्ति पर अधिकार बन गया था।

लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि दादा की मृत्यु और उत्तराधिकार की प्रक्रिया, अपीलकर्ता (बेटे) के जन्म से पहले ही शुरू हो गई थी। दादा की संपत्ति के बंटवारे की कार्यवाही 1993 में शुरू हुई थी। अपील करने वाले बेटे का जन्म 6 जनवरी 1994 को हुआ था, जबकि 3 फरवरी 1994 को संपत्ति के बंटवारे को लेकर समझौता हुआ था।

अदालत ने कहा कि हिंदू उत्तराधिकार अधिनियम, 1956 के तहत, दादा की संपत्ति उनके प्रथम श्रेणी के कानूनी वारिसों को मिली थी। बंटवारे के बाद, सभी हिस्सेदारों को जो हिस्सा मिला, वह उनकी अपनी निजी संपत्ति बन गया।

इस तरह, अपीलकर्ता के पिता को जो हिस्सा मिला, वह उनकी निजी संपत्ति बन गया। इसे संयुक्त पैतृक संपत्ति नहीं माना जा सकता था और न ही बेटे को इसमें जन्म से कोई अधिकार मिल सकता है। अदालत ने यह भी कहा कि पिता ने बाद में अपने हिस्से की सम्पत्ति बिक्री के दस्तावेजों के जरिए बेच दी थी और इन बिक्री दस्तावेजों को कभी चुनौती नहीं दी गई।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि बेटा उस संपत्ति में जन्मसिद्ध अधिकार का दावा नहीं जता सकता, जो पहले ही उसके पिता की निजी संपत्ति बन चुकी हो। अदालत को उस फैसले में कोई गलती नहीं मिली, जिसे चुनौती दी गई थी।

इससे पहले दिए गए फैसले में यह माना गया था कि जब किसी बेटे या बेटी को अपने पिता की संपत्ति के बंटवारे में हिस्सा मिल जाता है, तो वह संपत्ति चाहे पिता की पुश्तैनी हो या उनकी खुद की कमाई से खरीदी गई हो, उस बेटे या बेटी के हिस्से की पूरी तरह निजी संपत्ति बन जाती है। वे अपने हिस्से की संपत्ति के पूर्ण मालिक होते हैं और, अपने बेटों को उसमें अधिकार दिए बिना, उसके बारे में अपनी इच्छा के अनुसार फैसला कर सकते हैं।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'सोनिया गांधी की आत्मकथा में नरसिम्हा राव को स्थान न देना अनुचित'

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 12 नवम्बर। पूर्व प्रधानमंत्री पीवी नरसिम्हा राव के पोते एनवी सुभाष ने कांग्रेस नेता सोनिया गांधी के संस्मरणों को ''झूठ का पुलिंदा'' बताया है। उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री राव के योगदान को जानबूझकर नज़रअंदाज़ करने के लिए सोनिया गांधी की आलोचना की।

सुभाष, जो भाजपा की तेलंगाना इकाई के मुख्य प्रवक्ता भी हैं, ने सोनिया गांधी पर आरोप लगाया कि

- **राव के पौत्र ने कुपित होकर आरोप लगाया कि नेहरू-गांधी परिवार, सदा से गैर नेहरू-गांधी राजनीतिज्ञ को ''महत्वहीन'' ठहराता आया है।**

उन्होंने कांग्रेस पार्टी और देश के लिए नरसिम्हा राव के योगदान को जानबूझकर नज़रअंदाज़ किया है। उन्होंने कहा कि उन्हें इस बात से ''कोई हैरानी नहीं'' हुई है।

उन्होंने कहा, ''स्वर्गीय पीवी नरसिम्हा राव के परिवार के सदस्य के रूप में हमारे लिए यह कोई बड़ी हैरानी की बात नहीं है कि किताब में उनका उल्लेख नहीं किया गया। सोनिया गांधी निश्चित रूप से कांग्रेस पार्टी और देश के लिए उनके योगदान को जानबूझकर नज़रअंदाज़ करना चाहेंगी।''

सुभाष ने कहा कि गांधी परिवार की यह पुरानी आदत रही है कि वह अपने ही नेताओं की अनदेखी करता है और उन्हें ''कम महत्व देता है'', ताकि गांधी परिवार के सदस्यों को ज्यादा अहमियत मिल सके।

उन्होंने कहा, ''नरसिम्हा राव भारत में आर्थिक सुधारों के जनक और दक्षिण भारत से आने वाले देश के पहले प्रधानमंत्री थे। वे सम्मान के हकदार हैं। उनके बिना क्या भारत आर्थिक सुधारों को हासिल कर पाता? मैं डॉ. मनमोहन सिंह का सम्मान करता हूं, लेकिन वो नरसिम्हा राव ही थे, जिन्होंने मनमोहन सिंह को वित्त मंत्री चुना और कांग्रेस के भीतर हुईं आलोचनाओं के बावजूद, आर्थिक सुधारों का समर्थन किया।''

प्रधानमंत्री मोदी फिलीपींस जायेंगे

नई दिल्ली, 12 नवंबर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 23वें आसियान-भारत शिखर सम्मेलन और 21वें पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए 16 से 18 नवंबर तक फिलीपींस की राजधानी मनीला की तीन दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर जाएंगे।

विदेश मंत्रालय के सचिव

- **पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन में भाग लंगे।**

(पूर्व) रुद्रेन्द्र टंडन ने प्रधानमंत्री की यात्रा से पहले यहां एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों के संगठन (आसियान) के साथ भारत की सहभागिता हमारी एक्ट ईस्ट नीति की एक महत्वपूर्ण आधारशिला है। मनीला प्रवास के दौरान प्रधानमंत्री मोदी फिलीपींस के राष्ट्रपति फर्डिनेंड मार्कस जूनियर द्वारा आमंत्रित गणमान्य व्यक्तियों के सम्मान में आयोजित रात्रिभोज में शामिल होंगे। इसके अगले दिन वे आसियान-भारत शिखर सम्मेलन और पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन की प्रक्रिया में भाग लेंगे तथा इस दौरान अन्य वैश्विक नेताओं के साथ द्विपक्षीय बैठकें भी करेंगे। उन्होंने बताया कि भारतीय समुदाय की भारी मांग को देखते हुए, प्रधानमंत्री के कार्यक्रम में प्रवासी भारतीयों के साथ संवाद को शामिल करने के भी प्रयास किए जा रहे हैं।

'साठ दिन में 17 माह से लंबित आवेदन पर जेडीए फैसला करे'

जयपुर, 12 नवंबर। राजस्थान हाईकोर्ट ने जेडीए के सक्षम अधिकारी को कहा है कि वे भूखंड के नियमितीकरण के लिए 17 माह से लंबित आवेदन पर साठ दिन में फैसला

- **हाई कोर्ट ने भूखंड के नियमितीकरण के मामले में निर्देश दिए।**

करें। जस्टिस आनंद शर्मा ने यह आदेश हरीश कुमार की याचिका पर दिए।

याचिका में अधिवक्ता डीडी खंडेलवाल ने अदालत को बताया कि याचिकाकर्ता ने टोंक रोड पर स्थित स्कीम संख्या विष्णु गार्डन के भूखंड संख्या 1 के नियमितीकरण के लिए 9 जून 2025 को जेडीए में आवेदन किया था। एक वर्ष से अधिक समय बीत जाने के बाद भी जेडीए के अधिकारियों ने भूखंड नियमित करने को लेकर अंतिम

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'रोज कॉफी पीने से आंतों का इकोसिस्टम प्रभावित होता है'

कोपनहेगन युनिवर्सिटी के न्यूट्रिशन, कसरत व स्पोर्ट्स डिपार्टमैंट की रिसर्च के अनुसार, नियमित रूप से पाँच या इससे अधिक कप कॉफी पीने से आंतों के ''बैक्टीरियल एनवायरमैंट'' पर विपरीत असर पड़ता है

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 12 नवम्बर। यदि आप नियमित रूप से कॉफी पीते हैं, तो ऐसा लगता है कि यह न केवल आपकी आंतों में मौजूद बैक्टीरिया को बदलती है, बल्कि आंतों की कार्यप्रणाली (फिज़ियोलॉजी) पर भी असर डालती है।

- **दूसरे शब्दों में नियमित प्रतिदिन पाँच कप से अधिक कॉफी पीने से आंतों के काम काज पर अच्छा प्रभाव नहीं पड़ता, क्योंकि आंतों के बैक्टीरिया की फिज़ियोलॉजी परिवर्तित होती है।**
- **नियमित कॉफी पीने वालों की छोटी आंतों में पी.एच. का स्तर कम हो जाता है।**

यह निष्कर्ष कोपनहेगन विश्वविद्यालय के एक अध्ययन में सामने आया है। यह अध्ययन कब्ज के बेहतर इलाज के तरीके खोजने में मदद कर सकता है।

यह विषय थोड़ा असहज लग सकता है, लेकिन हममें से बहुत से लोग इस अनुभव से परिचित हैं कि कॉफी का एक कप पेट साफ करने में मदद करता है।

नए शोध से पता चलता है कि नियमित रूप से कॉफी पीने से हमारे पाचन तंत्र के काम करने के तरीके पर असर पड़ता है।

शोधकर्ताओं ने डेनमार्क के कुछ लोगों को एक छोटा इलेक्ट्रॉनिक कैप्सूल निगलने के लिए कहा। जब यह कैप्सूल उनके पाचन तंत्र से होकर गुज़रा, तो इसने कई चीजों को मापा, जैसे कि गैस्ट्रोइन्टैस्टाइनल सिस्टम से गुज़रने में लगा समय, तापमान, पीएच स्तर और आंतों में होने वाले संकुचन (कॉन्ट्रैक्शन्स) शामिल थे।

प्रतिभागियों को दो समूहों में बांटा गया। एक वो जो अक्सर कॉफी पीते थे (यानी अध्ययन के आठ दिनों में से 3 से ज्यादा दिन, रोजाना 1 से 5 कप कॉफी पीने वाले)। दूसरे समूह में वे लोग थे, जो कम बार कॉफी पीते थे।

अध्ययन के नतीजों से सबसे पहले तो इस बात की पुष्टि हुई कि कॉफी आंतों में मौजूद बैक्टीरिया की संरचना को प्रभावित करती है। पिछले अध्ययनों में भी यह बताया गया था। नियमित रूप से कॉफी पीने वालों की आंतों में सूक्ष्मजीवों (माइक्रोऑर्गैनिज़्म्स) की विविधता, कम कॉफी पीने वालों की तुलना में अधिक थी।

कोपनहेगन विश्वविद्यालय के पोषण, व्यायाम और खेल विभाग में पीएचडी की छात्रा और इस अध्ययन की मुख्य लेखिका फ्रांसेस्का बुची कहती हैं, ''लेकिन शायद इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि नियमित रूप से कॉफी पीने से आंतों की अपनी कार्यप्रणाली (फिज़ियोलॉजी) भी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

चार ट्रिलियन डॉलर की कंपनी एनवीडिया के सी.ई.ओ. ने इस्तीफा दिया

सी.ई.ओ. के त्याग पत्र का कारण है, सिंगापुर स्थित छोटी सी कंपनी, ''मैगास्पीड'' की सी.ई.ओ. से उनका प्रेम संबंध

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 12 नवम्बर। एक टैक स्टार का शर्मनाक पतन, वित्तीय बाजारों में इसके व्यापक असर देखने को मिल रहे हैं।

टैक्नॉलजी की दुनिया में एक शानदार करियर का अचानक अंत हो गया है।

सन् 1991 में एक छोटी-सी टैक कंपनी शुरू करने वाले और उसे दुनिया की सबसे मूल्यवान कंपनी बनाने वाले सी.ई.ओ. ने, चीन की एक जासूस के जाल में फंसने के संदेह के बीच, इस्तीफा दे दिया है।

चार ट्रिलियन डॉलर की कंपनी एनवीडिया के सीईओ जेनसन हुआंग ने आज शाम इस्तीफा दे दिया। चीनी जासूस से जुड़े खुलासों के बाद, एनवीडिया के बोर्ड ऑफ डायरैक्टर्स की एक आपात बैठक हुई, जिसमें इस विवादित सी.ई.ओ. के भविष्य पर फैसला लिया गया। इसके तुरंत बाद जेनसन का इस्तीफा सामने आया।

यह कोई सामान्य इस्तीफा नहीं है। जेनसन हुआंग के विवाहेतर संबंधों (एक्ट्रा मैरिटल) की अफवाहों के कारण, कुछ ही दिनों में कंपनी की मार्केट वैल्यू 400 बिलियन डॉलर तक गिर गई। अमेरिका में चल रहे ए.आई., (आर्टिफिशल इंटैलिजैंस) बूम में इस कंपनी की बहुत बड़ी भूमिका रही है।

इसके और भी व्यापक परिणाम सामने आ सकते हैं। अमेरिकी शेयर बाजार के निवेशकों ने इस कंपनी में बड़ी मात्रा में पैसा लगा रखा है और इसके

- **यह प्रेम संबंध खबरों के समुन्दर में एक लहर बनकर कुछ ही दिनों में अपने आप महत्व खो देता।**
- **पर, इस खबर ने अंतर्राष्ट्रीय कॉरपोरेट जगत में भारी हंगामा मचा दिया, जब यह सार्वजनिक हुआ कि ''मैगास्पीड'' की सी.ई.ओ. चीन की गुप्तचर थीं।**
- **प्रेम संबंध की चर्चाओं से ही एनवीडिया कंपनी के शेयर्स की कीमत चार सौ बिलियन डॉलर गिर गई थी।**
- **जैसा कि विदित है, एनवीडिया के निवर्तमान सी.ई.ओ. ने एनवीडिया, जो 1991 में एक छोटी सी ''टैक कंपनी'' थी, को अपनी मेहनत, लग्न व हुनर से चार ट्रिलियन डॉलर की कंपनी बनाया था।**

वेल्यूएशन में भारी गिरावट से वित्तीय बाजारों में बड़ी हलचल मच सकती है। जेनसन से जुड़े खुलासों के बाद कंपनी के शेयर पहले ही 13 प्रतिशत गिर चुके हैं।

यह इस्तीफा उन खुलासों के बाद आया है, जिनसे पता चला कि जेनसन हुआंग का सिंगापुर स्थित एक छोटी कंपनी मेगास्पीड की प्रमुख एलिस हुआंग के साथ प्रेम संबंध था। पिछले दो वर्षों में एलिस हुआंग को कई कारोबारी बैठकों और अन्य कार्यक्रमों में जेनसन के साथ देखा गया था।

बाद में जेनसन ने स्वीकार किया कि एलिस हुआंग के साथ उनके विवाहेतर संबंध थे। सामान्य तौर पर अगर यह मामला सिर्फ दो लोगों के बीच का निजी मामला होता तो शायद इतनी बड़ी हलचल नहीं मचती। लेकिन मामला इसलिए गंभीर हो गया, क्योंकि एलिस हुआंग पर चीनी जासूस होने का शक है, जो एक टैक कंपनी की आड़ में चीनी सुरक्षा एजेंसियों के लिए काम कर रही थी।

एलिस हुआंग की कंपनी मेगास्पीड का इस्तेमाल उन बेहद महत्वपूर्ण सेमीकंडक्टर मटीरियल को भेजने के लिए किया जाता था, जिनका उपयोग आर्टिफिशल इंटैलिजैंस मॉडल को ट्रेन करने व अन्य जटिल कार्यों में होता है। अमेरिकी सरकार ने इन हाई-एंड चिप्स को चीन या चीन से जुड़ी संस्थाओं को निर्यात करने पर प्रतिबंध लगा रखा है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

आप पार्टी ने पंजाब चुनाव की दूसरी लिस्ट जारी की

चंडीगढ़, 12 नवंबर। पंजाब विधानसभा चुनाव 2027 के लिए आम आदमी पार्टी (आप) उम्मीदवारों की दूसरी सूची को जारी कर दी गई है। पार्टी की राजनीतिक मामलों की समिति (पीएसी) की एक अहम बैठक के बाद

- **पार्टी ने 31 नाम घोषित किये हैं, 8 विधायकों के नाम कटे।**

इस सूची जारी किया गया। बैठक में हिस्सा लेने के लिए राज्य के मुख्यमंत्री भगवंत मान खुद दिल्ली पहुंचे। पार्टी की ओर से जारी सूची में 31 उम्मीदवारों के नामों की घोषणा की गई है।

सीएम भगवंत मान ने मीडिया से बातचीत करते हुए बताया कि नई लिस्ट में नाम देख सभी हैरान होंगे। उन्होंने साफ किया कि ये टिकटें सर्वे के आधार पर दी गई हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार, 8 विधायकों की टिकट इस सूची में

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

संसार में सबसे बड़ा अधिकार सेवा और त्याग से प्राप्त होता है। –प्रेमचंद

स्टार्टअप्स से संवरेगा राजस्थान

राजस्थान अब केवल किलों, मेलों, रेगिस्तान और परंपराओं का प्रदेश नहीं रह गया है। यह प्रदेश नए विचारों, तकनीक, उद्यिमता और रोजगार सृजन के एक उभरते केंद्र के रूप में भी पहचान बना रहा है। देश के अन्य राज्यों की तुलना में राजस्थान के पास युवा जनसंख्या, विविध उद्योगों की संभावना, सस्ती भूमि, सांस्कृतिक विरासत, पर्यटन, खनिज, कृषि, हस्तशिल्प और नवीकरणीय ऊर्जा जैसे क्षेत्रों की प्रचुर संभावनाएँ हैं। यदि इन संसाधनों को आधुनिक तकनीक, नवाचार और स्टार्टअप संस्कृति से जोड़ा जाए, तो राजस्थान की अर्थव्यवस्था को नई गति मिल सकती है। स्टार्टअप्स केवल छोटे कारोबार नहीं होते; ये समस्याओं के समाधान, रोजगार के अवसर, निवेश के आकर्षण और सामाजिक परिवर्तन के वाहक बन सकते हैं। इसीलिए कहा जा सकता है कि स्टार्टअप्स से राजस्थान का भविष्य संवरेगा।

स्टार्टअप का अर्थ केवल बडे शहरों में तकनीकी कंपनियाँ खोलना नहीं है। स्टार्टअप वह उद्यम है, जो किसी समस्या का नया, किफायती और प्रभावी समाधान खोजता है। यह एक छोटे विचार से शुरू होकर नए उत्पाद, सेवा या व्यवसाय मॉडल के रूप में विकसित हो सकता है। राजस्थान में स्टार्टअप की संभावनाएँ केवल जयपुर, उदयपुर या जोधपुर जैसे शहरों तक सीमित नहीं हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में कृषि आधारित समाधान, डेयरी प्रबंधन, जल संरक्षण, सौर ऊर्जा, हस्तशिल्प की ऑनलाइन बिक्री, पर्यटन से जुडी डिजिटल सेवाएँ, स्वास्थ्य सेवा और शिक्षा तकनीक जैसे क्षेत्रों में अपार अवसर मौजूद हैं। यदि स्थानीय समस्याओं को समझकर उनके समाधान विकसित किए जाएँ, तो स्टार्टअप गाँव से लेकर शहर तक आर्थिक परिवर्तन ला सकते हैं।

राजस्थान की सबसे बड़ी ताकत इसकी युवा आबादी है। राज्य के कॉलेजों, विश्वविद्यालयों और तकनीकी संस्थानों से हर वर्ष हजारों युवा शिक्षा पूरी करते हैं। लेकिन रोजगार के अवसरों की सीमित उपलब्धता के कारण कई युवा प्रदेश छोड़कर मुंबई, बेंगलुरु, गुरुग्राम या दिल्ली जाने को विवश होते हैं। यह प्रवास राज्य के लिए प्रतिभा की हानि है। यदि राजस्थान में स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र मजबूत हो, तो युवाओं को अपने ही प्रदेश में रोजगार और उद्यम के अवसर मिलेंगे। एक सफल स्टार्टअप न केवल संस्थापक के लिए आजीविका का साधन बनता है, बल्कि डेवलपर, डिजाइनर, मार्केटिंग प्रोफेशनल, लेखाकार, लॉजिस्टिक्स कर्मी, ग्राहक सेवा कर्मी और कई अन्य क्षेत्रों में रोजगार पैदा करता है। इस प्रकार स्टार्टअप्स बेरोजगारी की समस्या को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

राजस्थान सरकार ने भी स्टार्टअप संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए कई कदम उठाए हैं। राज्य की प्रमुख पहल 'आईस्टार्ट राजस्थान' है, जो 2017 में शुरू की गई थी। यह प्लेटफॉर्म स्टार्टअप्स को विचार से लेकर विस्तार तक विभिन्न चरणों में सहायता प्रदान करता है। इसके अंतर्गत पूर्व-बीज स्तर के स्टार्टअप्स को विचार अनुदान के रूप में दो लाख चालीस हजार रुपये तक की सहायता दी जा सकती है। महिला संस्थापकों के नेतृत्व वाले स्टार्टअप्स, जिनमें पचास प्रतिशत से अधिक हिस्सेदारी महिलाओं के पास हो, को अतिरिक्त साठ हजार रुपये की सहायता भी दी जाती है। यह प्रावधान महिला उद्यिमता को प्रोत्साहित करने की दिशा में सराहनीय है।

स्टार्टअप के लिए सबसे बड़ी चुनौती प्रारंभिक पूँजी होती है। अच्छा विचार होने के बावजूद कई युवा उद्यमी धन की कमी से पीछे हट जाते हैं। राजस्थान में इस समस्या के समाधान हेतु विभिन्न वित्तीय सहायता योजनाएँ चलाई जा रही हैं। व्यवहार्यता अनुदान, बीज निधि, विस्तार निधि और इक्विटी सहायता जैसे प्रावधान स्टार्टअप्स को विकास के विभिन्न चरणों में सहयोग देते हैं। वृद्धि चरण के स्टार्टअप्स को स्केल-अप फंड के माध्यम से उनके द्वारा जुटाई गई राशि के पचास प्रतिशत तक की सहायता देने का प्रावधान है। इसके अतिरिक्त राज्य सरकार ने वैकल्पिक निवेश कोष के माध्यम से इक्विटी सहायता भी उपलब्ध कराई है, जिसमें पात्र स्टार्टअप के लिए पाँच करोड़ रुपये तक की मिलान निवेश सहायता की बात कही गई है।

राजस्थान की अर्थव्यवस्था में कृषि का विशेष महत्व है। बाजरा, गेहूँ, दालें, तिलहन, मसाले, दूध उत्पाद, ऊन और बागवानी जैसे क्षेत्र राज्य की ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं। लेकिन किसानों को अभी भी उचित मूल्य, बाजार, भंडारण, बीज, सिंचाई, मौसम पूर्वानुमान और तकनीक की कमी से जूझना पडता है। यहीं पर कृषि स्टार्टअप्स बड़ी भूमिका निभा सकते हैं। ड्रोन से फसल निरीक्षण, मिट्टी परीक्षण, सटीक सिंचाई, डिजिटल मंडी, किसानों के लिए ऋण और बीमा सेवाएँ, खाद्य प्रसंस्करण तथा सीधे उपभोक्ता तक उत्पाद पहुँचाने वाले मॉडल ग्रामीण आय बढ़ा सकते हैं। यदि राजस्थान के किसानों को तकनीक से जोड़ा जाए, तो कृषि क्षेत्र में क्रांति संभव है।

राजस्थान सौर ऊर्जा के क्षेत्र में देश के अग्रणी राज्यों में से एक है। यहाँ की धूप, रेगिस्तानी भूमि और बड़े पैमाने की भूमि उपलब्धता नवीकरणीय ऊर्जा के लिए अनुकूल है। सौर ऊर्जा, बैटरी भंडारण, ग्रीन हाइड्रोजन, ऊर्जा दक्षता, स्मार्ट ग्रिड और ग्रामीण विद्युतीकरण से जुड़े स्टार्टअप्स राज्य को ऊर्जा क्षेत्र में और आगे ले जा सकते हैं। साथ ही ये स्टार्टअप्स पर्यावरण संरक्षण और रोजगार सृजन का संतुलित मॉडल प्रस्तुत कर सकते हैं। जल संकट से निपटने के लिए वर्षा जल संचयन, बूंद-बूंद सिंचाई, जल गुणवत्ता निगरानी और पुनर्चक्रित जल प्रबंधन से जुड़े उद्यम भी राजस्थान के लिए अत्यंत आवश्यक हैं।

पर्यटन राजस्थान की अर्थव्यवस्था का एक प्रमुख स्तंभ है। जयपुर, उदयपुर, जोधपुर, जैसलमेर, बीकानेर, पुष्कर, अजमेर, माउंट आबू और रणथंभौर जैसे स्थान देश-विदेश के पर्यटकों को आकर्षित करते हैं। लेकिन पर्यटन क्षेत्र को अभी भी आधुनिक तकनीक, बेहतर अनुभव और डिजिटल सुविधाओं की आवश्यकता है। स्थानीय हस्तशिल्प, खान-पान, सांस्कृतिक अनुभव और ग्रामीण पर्यटन को ऑनलाइन प्लेटफॉर्म से जोड़ने वाले स्टार्टअप्स स्थानीय लोगों की आय बढ़ा सकते हैं। होम स्टे, वर्चुअल टूर, डिजिटल गाइड, आगंतुक प्रबंधन, स्थानीय कारीगरों के उत्पादों की ई-कॉमर्स बिक्री और धार्मिक पर्यटन से जुड़ी सेवाएँ राजस्थान की पर्यटन अर्थव्यवस्था को नया आयाम दे सकती हैं।

राजस्थान की हस्तशिल्प परंपरा विश्व प्रसिद्ध है। ब्लू पॉटरी, ब्लॉक प्रिंटिंग, बंधेज, जयपुरी कालीन, आभूषण, लाख की चूड़ियाँ, लोहारकला, लकड़ी की नक्काशी और चमड़े के उत्पाद राज्य की सांस्कृतिक पहचान हैं। लेकिन कई कारीगर अपने उत्पादों का उचित मूल्य नहीं पा पाते और बिचौलियों पर निर्भर रहते हैं। स्टार्टअप्स इन कारीगरों को डिजिटल प्लेटफॉर्म, ब्रांडिंग, डिजाइन सुधार, गुणवत्ता प्रमाणन, अंतरराष्ट्रीय बाजार और सीधी बिक्री से जोड़ सकते हैं। इससे पारंपरिक कला केवल बची नहीं रहेगी, बल्कि आधुनिक बाजार में नई पहचान भी पाएगी। यह ग्रामीण महिलाओं और सीमांत वर्गों के सशक्तिकरण का भी मार्ग है।

राजस्थान सौर ऊर्जा के क्षेत्र में देश के अग्रणी राज्यों में से एक है। यहाँ की धूप, रेगिस्तानी भूमि और बड़े पैमाने की भूमि उपलब्धता नवीकरणीय ऊर्जा के लिए अनुकूल है। सौर ऊर्जा, बैटरी भंडारण, ग्रीन हाइड्रोजन, ऊर्जा दक्षता, स्मार्ट ग्रिड और ग्रामीण विद्युतीकरण से जुड़े स्टार्टअप्स राज्य को ऊर्जा क्षेत्र में और आगे ले जा सकते हैं। साथ ही ये स्टार्टअप्स पर्यावरण संरक्षण और रोजगार सृजन का संतुलित मॉडल प्रस्तुत कर सकते हैं।

शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में भी स्टार्टअप्स राजस्थान को सशक्त बना सकते हैं। ग्रामीण इलाकों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और विशेषज्ञ चिकित्सा सेवा तक पहुँच अभी भी चुनौती है। ऑनलाइन शिक्षा, कौशल प्रशिक्षण, स्थानीय भाषा में डिजिटल पाठ्यसामग्री, टेलीमेडिसिन, मोबाइल स्वास्थ्य इकाइयाँ, डायग्नोस्टिक सेवाएँ और मातृ-शिशु स्वास्थ्य से जुड़े समाधान ग्रामीण जीवन की गुणवत्ता सुधार सकते हैं। ऐसे स्टार्टअप्स न केवल व्यापारिक सफलता पा सकते हैं, बल्कि सामाजिक न्याय और समान अवसर की दिशा में भी योगदान देते हैं।

स्टार्टअप संस्कृति को बढ़ाने के लिए केवल सरकारी योजनाएँ पर्याप्त नहीं हैं। इसके लिए संस्थागत परिवर्तन भी आवश्यक है। स्कूलों और कॉलेजों में उद्यमिता शिक्षा को व्यावहारिक बनाया जाना चाहिए। छात्रों को केवल नौकरी पाने के लिए तैयार नहीं, बल्कि रोजगार सृजन के लिए भी प्रेरित किया जाना चाहिए। विश्वविद्यालयों में इनक्यूबेशन सेंटर, प्रोटोटाइप लैब, मेंटरशिप और उद्यम प्रतियोगिताओं को मजबूत किया जाना चाहिए। शिक्षकों और प्राध्यापकों को भी नवाचार एवं उद्यमिता के प्रति संवेदनशील बनाया जाना चाहिए। राजस्थान सरकार का व्यावसायिक नवाचार कार्यक्रम भी शिक्षकों और छात्रों के उद्यमशीलता कौशल, इनक्यूबेशन अवसंरचना, डिजिटल एकीकरण और जन-जागरूकता पर केंद्रित है, जो सही दिशा में एक कदम है।

स्टार्टअप्स को प्रोत्साहन देने के साथ-साथ उनके लिए नियामक सरलता भी आवश्यक है। पंजीकरण, लाइसेंस, जीएसटी, श्रम कानून, भूमि आवंटन और अनुमोदन प्रक्रियाओं को सरल बनाया जाना चाहिए। एक-विंडो सिस्टम, ऑनलाइन अनुमोदन, पारदर्शी समय-सीमा और स्टार्टअप मित्र नीतियाँ उद्यमियों का विश्वास बढ़ाएँगी। यदि कागजी कार्यवाही में महीनों बीत जाएँ, तो छोटे स्टार्टअप की गति रुक सकती है। इसलिए सरकार को नीतिगत घोषणाओं के साथ उनके व्यावहारिक क्रियान्वयन पर भी ध्यान देना होगा।

राजस्थान में स्टार्टअप संस्कृति को ग्रामीण स्तर तक ले जाना सबसे बड़ी आवश्यकता है। जिला स्तर पर इनोवेशन हब, ब्लॉक स्तर पर उद्यमिता केंद्र और पंचायत स्तर पर डिजिटल सहायता केंद्र स्थापित किए जा सकते हैं। ग्रामीण युवाओं को इंटरनेट, डिजिटल कौशल, बैंकिंग सेवाएँ और मार्केट लिंकेज उपलब्ध कराना होगा। स्थानीय समस्याओं को समझने वाले युवा ही सबसे प्रभावी समाधान विकसित कर सकते हैं। गाँव का युवा यदि कृषि, पशुपालन, हस्तशिल्प, ऊर्जा या सेवा क्षेत्र में उद्यम शुरू करे, तो पलायन रुकेगा और ग्रामीण अर्थव्यवस्था मजबूत होगी।

महिला उद्यिमता राजस्थान के विकास का एक अछूता आयाम है। राज्य की महिलाएँ सिलाई, बुनाई, खाद्य प्रसंस्करण, डेयरी, सौंदर्य सेवाएँ, हस्तशिल्प और घरेलू उद्यम में पहले से सक्रिय हैं। इन्हें डिजिटल प्रशिक्षण, ऋण, बाजार और तकनीकी सहायता देकर बड़े उद्यमों में बदला जा सकता है। महिला संस्थापकों को अतिरिक्त वित्तीय सहायता देने की राज्य की नीति इस दिशा में सकारात्मक संकेत है। यदि महिलाएँ आर्थिक रूप से सशक्त होंगी, तो परिवार, समाज और राज्य तीनों का विकास होगा।

स्टार्टअप्स की सफलता के लिए विफलता को भी स्वीकार करने वाला वातावरण चाहिए। हर स्टार्टअप सफल नहीं होता, लेकिन विफलता भी अनुभव और सीख है। समाज में यह धारणा बदलनी होगी कि सरकारी नौकरी ही सुरक्षित भविष्य है। परिवारों, शिक्षकों और समाज को युवाओं को जोखिम लेने, प्रयोग करने और नए विचार आजमाने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए। विफल उद्यमियों को फिर से शुरुआत करने के अवसर देने वाली नीतियाँ भी उपयोगी हो सकती हैं। राजस्थान के 'लर्न, अर्न एंड प्रोग्रेस' कार्यक्रम का उद्देश्य भी उन स्टार्टअप्स की सहायता करना है, जो विभिन्न कारणों से कठिनाई या बंद होने का सामना कर रहे हैं।

राजस्थान को स्टार्टअप हब बनाने के लिए जयपुर को राज्य का प्रमुख नवाचार केंद्र बनाया जा सकता है, साथ ही उदयपुर, जोधपुर, कोटा, अजमेर, बीकानेर और श्रीगंगानगर जैसे शहरों में क्षेत्रीय केंद्र विकसित किए जाने चाहिए। जयपुर में सॉफ्टवेयर, डिजिटल सेवाएँ और डिजाइन; उदयपुर में पर्यटन एवं कला; जोधपुर में हस्तशिल्प एवं सौर ऊर्जा; कोटा में शिक्षा तकनीक; बीकानेर में खनिज एवं कृषि प्रसंस्करण; तथा श्रीगंगानगर में कृषि एवं खाद्य प्रसंस्करण से जुड़े स्टार्टअप क्लस्टर विकसित किए जा सकते हैं। क्षेत्रीय विशेषज्ञता से राज्य की अर्थव्यवस्था अधिक संतुलित और समावेशी बनेगी।

स्टार्टअप्स राजस्थान के लिए केवल आर्थिक अवसर नहीं, बल्कि आत्मनिर्भरता का मार्ग हैं। जब स्थानीय समस्याओं का समाधान स्थानीय युवा करेंगे, तो विकास अधिक स्थायी होगा। जब किसान तकनीक से जुड़ेंगे, कारीगर वैश्विक बाजार तक पहुँचेंगे, महिलाएँ उद्यमी बनेंगी और युवा प्रदेश छोड़ने के बजाय नए अवसर बनाएँगे, तब राजस्थान वास्तव में नए युग में प्रवेश करेगा। सरकार, उद्योग, शिक्षण संस्थान, निवेशक और समाज को मिलकर एक ऐसा पारिस्थितिकी तंत्र बनाना होगा, जहाँ हर विचार को परखने, विफल होने, सीखने और फिर उठने का अवसर मिले।

अंतत: यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी कि स्टार्टअप्स से राजस्थान का भविष्य संवरेगा। रेगिस्तान की कठोर परिस्थितियों में भी जीवन को संभालने वाले राजस्थान के लोगों में संघर्ष, धैर्य और नवाचार की क्षमता पहले से मौजूद है। आज आवश्यकता है इस क्षमता को आधुनिक अवसरों से जोड़ने की। यदि राजस्थान अपने युवाओं को नौकरी माँगने वाले नहीं, बल्कि रोजगार देने वाले उद्यमी बनाने की दिशा में आगे बढ़ाता है, तो आने वाले दशकों में यह प्रदेश देश के प्रमुख स्टार्टअप राज्यों में गिना जाएगा। तब राजस्थान की पहचान केवल वीरता, किलों और रंगों से नहीं, बल्कि नवाचार, तकनीक और उद्यिमता से भी होगी।

–अतिथि संपादक,
अविनाश जोशी,
वरिष्ठ पत्रकार एवं कॉरपोरेट सलाहकार

पर्यावरण का निष्कासन: प्रकृति विहीन कक्षा 10 के पाठ्यक्रम



प्रोफेसर अशोक कुमार

केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा कक्षा 10 के पाठ्यक्रम से 'पर्यावरण अध्ययन' को हटाने का निर्णय केवल एक प्रशासनिक फेरबदल नहीं है, बल्कि यह एक ऐसा नीतिगत कदम है जो भविष्य को अंधकार में धकेलने जैसा है। जिस दौर में दुनिया जलवायु संकट, बेकाबू ग्लोबल वार्मिंग, विषैली होती हवा और सूखती नदियों के अस्तित्वगत संकट से जूझ रही हो, उस दौर में भविष्य की पीढ़ी के हाथों से पर्यावरण बोध की किताब छीन लेना उचित है।

यह निर्णय यह गंभीर संदेह पैदा करता है कि क्या यह कदम अनियंत्रित औद्योगिक पूंजीवाद और बड़े कॉरपोरेट घरानों को उपकृत करने के उद्देश्य से उठाया गया है? क्या नीति-नियंताओं की मंशा यह है कि हमारे किशोर और युवा मन उस औद्योगिक तबाही, प्राकृतिक संसाधनों की खुली लूट और विनाशकारी प्रदूषण से पूरी तरह अनजान रहें, जिसकी कीमत आज समूची मानव सभ्यता चुका रही है? नीति-निर्माताओं को बिना किसी विलंब के पुनर्विचार करना चाहिए, क्योंकि यह सवाल केवल परीक्षा के अंकों का नहीं, बल्कि हमारी भावी पीढ़ियों के अस्तित्व का है।

कक्षा 10 किसी भी विद्यार्थी के अकादमिक और बौद्धिक जीवन का वह निर्णायक मोड़ होता है, जहां से वह सामान्य अध्ययन से निकलकर विशिष्ट अनुशासनों (विज्ञान, वाणिज्य अथवा मानविकी) की ओर कदम बढ़ाता है। यही वह उम्र होती है जब किशोरों में सामाजिक दायित्व, तार्किक चिंतन और वैश्विक समस्याओं के प्रति एक स्वतंत्र दृष्टिकोण विकसित होता है।

यदि इसी महत्वपूर्ण पड़ाव पर विद्यार्थियों को पर्यावरण, पारिस्थितिकी संतुलन, जैव-विविधता और कार्बन फुटप्रिंट के बुनियादी सिद्धांतों से वंचित कर दिया जाए, तो हम समाज में केवल ऐसे रोबोट तैयार करेंगे जो उत्पादन और उपभोग की अंतहीन अंधी दौड़ में दौड़ने के लिए तो प्रशिक्षित होंगे, लेकिन जिनमें उस धरती के प्रति कोई संवेदनशीलता नहीं होगी जिस पर वे सांस लेते हैं। पर्यावरण अध्ययन कोई सजावटी या अतिरिक्त विषय नहीं है; यह जीवन जीने का बुनियादी विज्ञान है। इसे मुख्य पाठ्यक्रम से बाहर फेंकना शिक्षा की मूल आत्मा पर ही गहरा प्रहार है।

यह सवाल उठाना सर्वथा स्वाभाविक और प्रासंगिक है कि आख़िर इस निर्णय के पीछे अदृश्य दबाव किसका है? आज का बेलगाम औद्योगिक पूंजीवाद प्राकृतिक संसाधनों-जल, जंगल और ज़मीन-को केवल कच्चे माल और मुनाफ़े के साधन के रूप में देखता है। फैक्ट्रियों से निकलता रासायनिक कचरा, नदियों में बहता ज़हर, जंगलों का अंधाधुंध कटान और पहाड़ों का सीना चीरकर किया जा रहा अनियंत्रित खनन-यह सब 'विकास' के उस मॉडल की देन है जो विनाश की नींव पर खड़ा है।

जब बच्चे विद्यालयों में यह पढ़ते हैं कि औद्योगिक उत्सर्जन से ओजोन परत कैसे क्षीण होती है, प्लास्टिक कचरा महासागरों को कैसे निगल रहा है, और कॉरपोरेट लालच किस तरह उपजाऊ भूमि को बंजर बना रहा है, तो उनके भीतर सवाल पूछने की चेतना जागती है। वे यह समझना शुरू करते हैं कि विकास और विनाश के बीच की सीमा रेखा कहां है।

यदि पाठ्यक्रम से इन कड़वे सत्यों को ही हटा दिया जाए, तो उद्योगपतियों के लिए पर्यावरणीय नियमों की अवहलेना करना और भी आसान हो जाएगा। एक ऐसी पीढ़ी जो पारिस्थितिकीय अपराधों के प्रति पूरी तरह निरक्षर और संवेदनहीन होगी, वह कभी कॉरपोरेट प्रदूषण पर जवाबदेही तय नहीं करेगी। क्या हमारा शिक्षा तंत्र अब स्वतंत्र नागरिक तैयार करने के बजाय कॉरपोरेट घरानों के लिए आज्ञाकारी, सवाल न पूछने वाले उपभोक्ता और श्रमिक तैयार करने की प्रयोगशाला बन चुका है? यह 'शिक्षा प्रदूषण' का सबसे बुरा रूप है, जहां पाठ्यक्रम को बाज़ार की सुविधा के अनुसार छांटा और काटा जा रहा है।

एक जीवविज्ञानी और पर्यावरण चेतना के प्रति संवेदनशील नागरिक के नाते यह देखकर स्तब्ध रह जाना पड़ता है कि जब विज्ञान हमें प्रकृति के विनाश के ख़िलाफ़ चेतावनी दे रहा है, तब हमारा शिक्षा बोर्ड आंखें मूंद रहा है। आज वैज्ञानिक शोध चीख-चीख कर कह रहे हैं कि:- वायु और जल प्रदूषण की भयावहता: भारत के अधिकांश महानगर और औद्योगिक शहर दुनिया के सबसे प्रदूषित क्षेत्रों में शुमार हैं। हमारे बच्चों के फेफड़े बचपन में ही धुएं और विषैले रसायनों से छलनी हो रहे हैं।

पारिस्थितिकी तंत्र का पतन: अनियंत्रित रासायनिक खादों और कीटनाशकों के प्रयोग से मिट्टी की उर्वरता और खाद्य श्रृंखला पूरी तरह दूषित हो चुकी है, जिसके परिणामस्वरूप कैंसर और असाध्य रोगों की महामारी फैल रही है।

जलवायु परिवर्तन की मार: असमय बाढ़, भीषण सूखा और असहनीय लू की लहरें अब कोई मौसमी विचलन नहीं, बल्कि नियमित आपदाएं बन चुकी हैं। इन जमीनी हकीकतों के बावजूद, यह सोचना कि 15-16 वर्ष के विद्यार्थियों को पर्यावरण का गहन अध्ययन कराने की आवश्यकता नहीं है, एक ऐसा शुतुरमुर्गी रवैया है जो देश को तबाही की ओर ले जाएगा। जब यूरोप और अन्य विकसित देश अपने प्राथमिक स्तर से लेकर उच्च शिक्षा तक क्लाइमेट लिटरेसी (जलवायु साक्षरता) को अनिवार्य बना रहे हैं, तब भारत का सबसे बड़ा परीक्षा बोर्ड पर्यावरण अध्ययन को ही विलोपित कर रहा है। यह आधुनिकता की नहीं, बल्कि बौद्धिक दिवालियापन की निशानी है।

शिक्षा प्रदूषण का बढ़ता दायरा

अक्सर सम्मेलनों और सेमिनारों में राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत समठा, अंत:विषय और मूल्य-आधारित शिक्षा की बड़ी-बड़ी बातें की जाती हैं। परंतु नीति के धरातल पर जो फैसले लिए जा रहे हैं, वे इन दावों की पोल खोलते हैं।

यदि शिक्षा में से प्रकृति, समाज और मानवीय अस्तित्व से जुड़े विषयों को बाहर कर केवल परीक्षा-केंद्रित और बाज़ार-उन्मुख सामठी ही रखी जाएगी, तो यह शिक्षा व्यवस्था केवल उपाधियां बांटने का यंत्र बनकर रह जाएगी। शिक्षा का काम छात्र को केवल नौकरी पाने लायक बनाना नहीं है; उसका प्राथमिक दायित्व एक जिम्मेदार, संवेदनशील और जागरूक नागरिक गढ़ना है। जब छात्र यह नहीं जानेगा कि उसके आसपास का पर्यावरण कैसे काम करता है, तो वह एक जिम्मेदार वैज्ञानिक, इंजीनियर, अर्थशास्त्री या प्रशासक कैसे बन सकता है? पर्यावरण अध्ययन को हटाने का निर्णय शिक्षा के इसी नैतिक और सामाजिक उद्देश्य पर कुठाराघात करता है। यह समय चुप बैठने या औपचारिक बयानों से पल्ला झाड़ने का नहीं है। शिक्षा मंत्रालय, सीबीएसई के नीति-निर्धारकों और प्रबुद्ध समाज को इस गंभीर भूल का तुरंत संज्ञान लेना चाहिए:**-निर्णय की तत्काल वापसी:** केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड को अपनी इस नीति को तत्काल प्रभाव से वापस लेना चाहिए और कक्षा 10 के पाठ्यक्रम में पर्यावरण अध्ययन को एक अनिवार्य, स्वतंत्र और व्यावहारिक विषय के रूप में पुनर्स्थापित करना चाहिए।

व्यावहारिक और शोध-आधारित पाठ्यक्रम: पर्यावरण अध्ययन को केवल किताबों में लिखी रटंत विद्या तक सीमित न रखकर इसे स्थानीय पारिस्थितिकी, वृक्षारोपण, जल संरक्षण, अपशिष्ट प्रबंधन और जैविक जीवनशैली के व्यावहारिक प्रोजेक्ट्स से जोड़ा जाए।

कॉरपोरेट हितों से शिक्षा की मुक्ति: शिक्षा नीतियों और पाठ्यक्रम निर्माण से बाज़ार और औद्योगिक दबाव समूहों के अप्रत्यक्ष हस्तक्षेप को पूरी तरह समाप्त किया जाए। पाठ्यक्रम का निर्धारण शिक्षाविदों, पर्यावरण वैज्ञानिकों और समाजशास्त्रियों की स्वायत्तता से होना चाहिए, न कि किसी औद्योगिक लॉबी के इशारे पर।

सख्त मूल्यांकन प्रणाली: पर्यावरण विषय को किसी औपचारिक औपचारिकता की तरह नहीं, बल्कि छात्रों की समग्र ग्रेडिंग का एक महत्वपूर्ण और अनिवार्य हिस्सा बनाया जाए, ताकि वे इसके प्रति गंभीर रहें।

धरती हमें विरासत में अपने पूर्वजों से नहीं मिली है, बल्कि यह हमने अपने बच्चों से उधार ली है। यदि हम अपने बच्चों को उस उधार की हिफाज़त करने का बुनियादी ज्ञान ही नहीं देंगे, तो आने वाला इतिहास हमारी शिक्षा नीतियों को कभी माफ नहीं करेगा। औद्योगिक पूंजीवाद के मुनाफे की हवस में यदि हमने अपनी नई पीढ़ी की पर्यावरणीय चेतना की बलि चढ़ा दी, तो यह समूची सभ्यता के आत्मदाह का मार्ग प्रशस्त करेगा। शिक्षा मंत्रालय को समय रहते जागना होगा- हमारे अस्तित्व, हमारी भावी पीढ़ियों और इस धरा के जीवन की रक्षा के लिए।

–प्रोफेसर अशोक कुमार,
पूर्व कुलपति, कानपुर एवं
गोरखपुर विश्वविद्यालय

बालिका शिक्षा में गोयदानी (मेहता) माहेश्वरी परिवार के योगदान ने इतिहास बनाया



अचलदास डांगरा

स्वर्णनगरी जैसलमेर का इतिहास केवल शौर्य, पराक्रम और स्थापत्य कला तक ही सीमित नहीं है, बल्कि यहां के भामाशाहों द्वारा समाजहित में किए गए त्याग, दान और जनकल्याण के कार्य भी इसकी गौरवशाली पहचान हैं। इन्हीं प्रेरणादायी प्रसंगों में गोयदानी (मेहता) माहेश्वरी परिवार का बालिका शिक्षा के क्षेत्र में योगदान एक ऐसा स्वर्णिम अध्याय है, जिसने मरुभूमि में बेटियों की शिक्षा को नई दिशा प्रदान की।

जिस दौर में सीमावर्ती जैसलमेर और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में बालिका शिक्षा को लेकर जागरूकता सीमित थी, उस समय बेटियों के लिए शिक्षा की मजबूत नींव रखने का प्रयास अपने आप में क्रांतिकारी कदम था। राजकीय माध्यमिक बालिका विद्यालय, सुथार पाड़ा (जैसलमेर) से शुरू हुआ यह सफर आज श्रीमती किशनी देवी मगनीराम मोहता राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय के रूप में सैकड़ों बालिकाओं के सपनों को पंख दे रहा है।

जैसलमेर के सुथार पाड़ा की तंग गलियों में संचालित होने वाला राजकीय माध्यमिक बालिका विद्यालय उस समय बालिका शिक्षा का महत्वपूर्ण केंद्र था। स्थानीय नागरिक आज भी इसे आत्मीयता से सुथार पाड़ा स्कूल के नाम से याद करते हैं। इस विद्यालय का इतिहास जैसलमेर में महिला शिक्षा के विकास की कहानी से जुड़ा हुआ है। सीमित संसाधनों और सामाजिक परिस्थितियों के बीच बालिकाओं को शिक्षा उपलब्ध कराने का यह प्रयास आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा बना।

बाद में मोहता परिवार के सहयोग से विद्यालय के लिए नए और भव्य भवन का निर्माण हुआ। पुराने सुथार पाड़ा स्थित विद्यालय को नए भवन में स्थानांतरित किया गया तथा विद्यालय का शैक्षणिक स्तर बढ़ाकर उच्च माध्यमिक किया गया। इसके साथ ही इसका नामकरण श्रीमती किशनी देवी मगनीराम मोहता राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय के रूप में हुआ। इस प्रकार सुथार पाड़ा की गलियों से शुरू हुई बालिका शिक्षा की यात्रा एक नए और विस्तृत शैक्षिणक परिसर तक पहुंची। यह परिवर्तन केवल भवन का स्थानांतरण नहीं था, बल्कि जैसलमेर की बेटियों के लिए बेहतर शैक्षिणक सुविधाओं और उज्ज्वल भविष्य की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम था।

जैसलमेर के इतिहास में 1980 के दशक का मध्यकाल भीषण अकाल और विपरीत परिस्थितियों का दौर रहा। मरुभूमि के लोगों को उस समय राहत और सहयोग की आवश्यकता थी। तत्कालीन राज्यपाल वसंतदादा पाटिल, जिन्हें वसंतराव पाटिल के नाम से भी जाना जाता है, अपने राजस्थान कार्यकाल के दौरान जैसलमेर के आधिकारिक दौरे पर आए थे। इसी ऐतिहासिक संदर्भ में भामाशाह मगनीराम जी मोहता (गोयदानी माहेश्वरी) द्वारा राज्यपाल को सहयोग राशि की थैली भेंट किए जाने का प्रसंग जैसलमेर की जनकल्याणकारी परंपरा का महत्वपूर्ण हिस्सा है।

■ सुथारपाड़ा के पुराने विद्यालय से मोहता परिवार के सहयोग से बने भव्य भवन तक की गौरवगाथा, मरुभूमि में बेटियों की शिक्षा को मिली नई दिशा



यह प्रसंग उस समय के सामाजिक दायित्व, अकाल पीड़ितों के प्रति संवेदनशीलता और समाज के विकास में भामाशाहों की भूमिका को दर्शाता है। भामाशाह मगनीराम जी मोहता का नाम जैसलमेर में जनहित और शिक्षा के क्षेत्र में योगदान देने वाले प्रतिष्ठित परिवारों की परंपरा के साथ सम्मानपूर्वक लिया जाता है।

मोहता परिवार के सहयोग से बालिका विद्यालय के लिए नए भवन का निर्माण इस बात का उदाहरण है कि समाज की वास्तविक उन्नित शिक्षा के माध्यम से ही संभव है। विशेष रूप से उस समय बालिकाओं के लिए बेहतर शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराना दूरदर्शी और सामाजिक परिवर्तनकारी सोच का परिचायक था। गोयदानी माहेश्वरी परिवार की यह पहल अन्य भामाशाहों और प्रवासी नागरिकों के लिए भी प्रेरणा है कि अपनी मातृभूमि के विकास में योगदान देकर समाज की आने वाली पीढ़ियों का भविष्य संवारा जा सकता है। विद्यालय से जुड़ी एक और प्रेरणादायी परंपरा एक ग्राम सोने के मेडल के पुरस्कार की है। यह पुरस्कार केवल आर्थिक सहायता नहीं, बल्कि प्रतिभाशाली छात्राओं के सम्मान, प्रोत्साहन और सामाजिक प्रतिष्ठा का प्रतीक बन चुका है। विद्यालय के वार्षिक उत्सव में जब किसी मेधावी छात्रा को शहर के गणमान्य नागरिकों, प्रशासनिक अधिकारियों और साथी छात्राओं की उपस्थिति में यह स्वर्ण पदक प्रदान किया जाता है, तो वह क्षण छात्रा और उसके परिवार के लिए गर्व और सम्मान का अवसर बन जाता है।

यह पुरस्कार बेटियों को यह विश्वास दिलाता है कि उनकी मेहनत, प्रतिभा और उपलब्धियों को समाज सम्मान देता है। दिल्ली जैसे महानगर में निवास करने के बावजूद अपनी जन्मभूमि जैसलमेर से जुड़ाव बनाए रखना और यहां की बेटियों की शिक्षा के लिए सहयोग करना भंवरलाल जी मेहता की सामाजिक प्रतिबद्धता को दर्शाता है। विद्यालय के स्वर्ण पदक की परंपरा को बनाए रखने में उनका योगदान विशेष उल्लेखनीय है। महंगाई के कारण पुरस्कार की निर्धारित राशि कम पड़ने पर स्वयं अतिरिक्त राशि उपलब्ध करवाकर उसकी गरिमा बनाए रखने का उनका संकल्प इस बात का उदाहरण है कि सच्चा दान केवल राशि देने तक सीमित नहीं, बल्कि किसी अच्छी परंपरा को निरंतर बनाए रखने में भी निहित है। यह भावना उन सभी प्रवासी नागरिकों और भामाशाहों के लिए प्रेरणादायी है, जो अप

राजस्थान में बीते 34 महीनों में बिजली उत्पादन और आपूर्ति व्यवस्था में सुधार हुआ : मुख्यमंत्री

इसी का नतीजा है कि राजस्थान ने दूसरे राज्यों को 2 हजार करोड़ रु. की बिजली बेची : भजनलाल शर्मा

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार के 34 माह से अधिक के कार्यकाल में राजस्थान की बिजली उत्पादन एवं आपूर्ति व्यवस्था में सुधार हुआ है। प्रदेश ने अन्य राज्यों को लगभग 2 हजार करोड रुपए की बिजली बेची है। उन्होंने अधिकारियों को घरेलू उपभोक्ताओं, किसानों और उद्योगों को निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए मिशन मोड पर काम करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री गुरुवार को ऊर्जा विभाग की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे।

बैठक में ऊर्जा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) हीरालाल नागर वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से जुड़े, जबकि मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास, अतिरिक्त मुख्य सचिव (मुख्यमंत्री कार्यालय) अखिल अरोड़ा, शासन सचिव ऊर्जा विभाग आरती डोगरा सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री ने रबी सीजन में किसानों को दिन में बिजली उपलब्ध कराने की व्यवस्था मजबूत करने के निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि खैरथल-तिजारा में भी किसानों को दिन में बिजली मिलने लगी है। इसके साथ ही प्रदेश के 28 जिलों में 13 लाख 56 हजार से अधिक किसान इस सुविधा का लाभ उठा रहे हैं। उन्होंने बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली के कार्यों में भी तेजी लाने को कहा।



मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने गुरुवार को ऊर्जा विभाग की समीक्षा बैठक ली। इस मौके पर ऊर्जा राज्य मंत्री हीरालाल नागर वीडियो कॉन्फ्रेंस से जुड़े, जबकि मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास, अतिरिक्त मुख्य सचिव अखिल अरोड़ा व ऊर्जा शासन सचिव आरती डोगरा बैठक में शामिल हुए।

- मुख्यमंत्री ने कहा कि "प्रदेश के 28 जिलों में किसानों को दिन के समय बिजली मिल रही है, बीते 34 माह में 29 गीगावाट अक्षय ऊर्जा क्षमता स्थापित हुए"
- पीएम कुसुम योजना के घटक "ए" और "सी" में राजस्थान देशभर में प्रथम; बिजली छीजत घटकर 12.84 प्रतिशत हुई

बिजली घाटा 89907 करोड़ रु. पर आया

बैठक में बताया गया कि 31 मार्च 2023 को बिजली क्षेत्र का कुल घाटा 92069 करोड़ रुपए था, जो 31 दिसंबर 2023 तक बढ़कर 98634 करोड़ रुपए हो गया था। इस दौरान नौ माह में 6565 करोड़ रुपए की वृद्धि हुई। अनुमानित वार्षिक वृद्धि दर के आधार पर वित्त वर्ष 2025-26 में यह घाटा 1 लाख 21 हजार 73 करोड़ रुपए तक पहुंचने की आशंका थी, लेकिन ऊर्जा विभाग के प्रयासों से यह 89,907.77 करोडड़ पए रहा।

मुख्यमंत्री ने बिजली छीजत कम करने के निर्देश दिए। बैठक में बताया गया कि तीनों विद्युत वितरण निगमों में छीजत वित्त वर्ष 2019-20 के 19.43 प्रतिशत से घटकर 2025-26 में 12.84 प्रतिशत रह गई है। जोधपुर डिस्कॉम में भी छीजत लगभग 38 प्रतिशत से घटकर 18.64 प्रतिशत हुई है।

पीएम कुसुम योजना में राजस्थान देश में प्रथम

मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री कुसुम योजना के घटक ए और सी के प्रभावी क्रियान्वयन पर जोर दिया। दिसंबर 2023 से अक्टूबर 2026 तक योजना के घटक ए में 1,779 मेगावाट से अधिक और घटक सी में 3,758 मेगावाट से अधिक क्षमता स्थापित की गई।

जबकि पूर्ववर्ती सरकार के समान अवधि के कार्यकाल में घटक ए में केवल 9.5 मेगावाट क्षमता स्थापित हुई थी और घटक सी में कोई क्षमता स्थापित नहीं हुई थी। राजस्थान दोनों घटकों में स्थापित क्षमता के आधार पर देश में प्रथम है। योजना से 3 लाख 89 हजार से अधिक किसान लाभान्वित हुए हैं।

34 माह में 29 गीगावाट अक्षय ऊर्जा क्षमता

मुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्थान में पिछले 34 माह में 29 गीगावाट अक्षय ऊर्जा क्षमता स्थापित की गई है, जबकि पूर्ववर्ती सरकार की समान अवधि में यह क्षमता 5.9 गीगावाट थी। राजस्थान सौर ऊर्जा स्थापना एवं अक्षय ऊर्जा उत्पादन में देश में प्रथम तथा कुल स्थापित अक्षय ऊर्जा क्षमता में दूसरे स्थान पर है। उन्होंने प्रधानमंत्री सूर्यघर योजना के निर्धारित लक्ष्यों को समय पर पूरा करने के निर्देश भी दिए।

जयपुर और अजमेर डिस्कॉम लाभ में

मुख्यमंत्री ने बताया कि अजमेर डिस्कॉम ने वित्त वर्ष 2023-24 में 825 करोड़ और 2024-25 में 1,875 करोड़ रुपए का लाभ अर्जित किया। वहीं जयपुर डिस्कॉम वित्त वर्ष 2025-26 में 931 करोड़ रुपए के लाभ में रहा।

राज्य में पिछले 34 माह में 400, 220 और 132 केवी के 64 नए ग्रिड सब-स्टेशन स्थापित किए गए, जबकि पूर्ववर्ती सरकार की समान अवधि में 27 ग्रिड सब-स्टेशन बने थे। मुख्यमंत्री ने दिसंबर तक 16 नए ग्रिड सब-स्टेशनों का निर्माण गुणवत्ता के साथ पूरा करने के निर्देश दिए।

कर्ज चुकाने के लिए 37 लाख रु. के गहने लूटने वाला दिल्ली से गिरफ्तार

आरोपी ने जयपुर के वैशाली नगर स्थित शोरूम में दिनदहाड़े चाकू की नोंक पर वारदात की थी

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। वैशाली नगर इलाके में दिनदहाड़े ज्वैलरी शोरूम में चाकू की नोक पर करीब 37 लाख रुपए के गहने लूटने के मामले में पुलिस ने वारदात के आरोपी दिग्विजय सिंह (32) निवासी देवी नगर कालवाड रोड को दिल्ली से गिरफ्तार किया है। आरोपी ने कर्ज चुकाने के लिए लूट की साजिश रचकर वारदात को अंजाम दिया था। पुलिस के अनुसार आरोपी पर करीब 30 लाख रुपए का एजुकेशन लोन और 15 लाख रुपए का पर्सनल लोन बकाया था। इसके अलावा उसने दोस्तों से भी उधार ले रखा था। फिलहाल लूटे गए गहनों की बरामदगी नहीं हुई है। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है।

डीसीपी पश्चिम प्रशांत किरण ने बताया कि 10 नवंबर 2026 को वैशाली नगर स्थित सीरियस ज्वेलर्स शोरूम में लूट की वारदात हुई थी। शोरूम में ज्वेलरी कंसल्टेंट के पद पर कार्यरत अंजलि कायस्थ ने इस संबंध में वैशाली नगर थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाई थी कि सुबह शोरूम खोला था। उस समय सिक्योरिटी गार्ड महावीर प्रसाद गुप्ता भी वहां मौजूद थे। सुबह करीब 10:30 बजे वह मैनेजर रोहित जांगिड़ से फोन पर स्टॉक रिपोर्ट कार्ड को लेकर बात कर रही थीं। इसी दौरान मुंह पर मास्क और सिर पर पीली टोपी लगाए एक युवक काले रंग का बैग लेकर शोरूम में दाखिल हुआ। युवक ने अचानक बैग से चाकू निकालकर महिला कर्मचारी को धमकाया और गहने बैग में रखने के लिए कहा।

महिला कर्मचारी ने सिक्योरिटी गार्ड को आवाज लगाई तो बदमाश ने उसे पकड़ लिया। इसके बाद चाकू दिखाकर महिला कर्मचारी को जान से मारने की धमकी दी और शोरूम में रखे सोने व हीरे के आभूषण जबरन अपने बैग में भर लिए। वारदात के दौरान भय के कारण महिला कर्मचारी और गार्ड विरोध नहीं कर सके। इसके बाद आरोपी मौके से फरार हो गया।



वैशाली नगर इलाके के ज्वैलरी शोरूम में 37 लाख रुपए के गहने लूटने वाले बदमाश को जयपुर पुलिस ने दिल्ली से गिरफ्तार किया।

- 300 से अधिक सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालकर पुलिस ने आरोपी को दबोचा
- बीएससी नर्सिंग कर चुका है आरोपी; 30 लाख का एजुकेशन लोन और 15 लाख का पर्सनल लोन था बकाया
- हालांकि पुलिस को लूटे गए गहने बरामद नहीं हुए हैं, जिनके संबंध में पूछताछ की जा रही है

सात हार और 31 अंगूठियां लूटी थीं

वारदात के बाद शोरूम स्टाफ और मालिक ने स्टॉक की जांच की तो 7 गले के हार और 31 अंगूठियां गायब मिलीं। इनकी कीमत करीब 37 लाख रुपए बताई गई। पूरी वारदात शोरूम में लगे सीसीटीवी कैमरों में रिकॉर्ड हो गई थी। फुटेज में सामने आया कि आरोपी स्कूटी से शोरूम के आसपास पहुंचा था और पहले रेकी करने के बाद वारदात को अंजाम दिया। पहचान छिपाने के लिए उसने चेहरे पर मास्क और सिर पर कैप लगा रखी थी।

डीसीपी पश्चिम ने बताया कि वारदात के खुलासे के लिए विशेष पुलिस टीम का गठन किया गया। टीम ने घटनास्थल और आसपास के इलाकों में लगे 300 से अधिक सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। तकनीकी विश्लेषण, आसूचना तंत्र और मुखबिरों से मिली जानकारी के आधार पर आरोपी की पहचान दिग्विजय सिंह के रूप में हुई। पुलिस को सूचना मिली कि आरोपी लूटे गए गहनों को बेचने के लिए दिल्ली गया हुआ है। इसके बाद पुलिस टीम ने तकनीकी आधार पर उसका पीछा किया और दिल्ली पहुंचकर उसे हिरासत में ले लिया। जयपुर लाकर पूछताछ के बाद उसे गिरफ्तार कर लिया गया।

पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपी दिग्विजय सिंह बीएससी नर्सिंग कर चुका है। वह आगे की पढ़ाई के लिए विदेश भी गया था और वहां नौकरी करने का अनुभव भी रखता है। इसके लिए उसने करीब 30 लाख रुपए का एजुकेशन लोन लिया था। इसके अलावा करीब 15 लाख रुपए का पर्सनल लोन और दोस्तों से भी उधार ले रखा था। नौकरी छूटने के बाद वह पिछले करीब छह महीने से बेरोजगार था। वह ओयो कंपनी के लिए अनुबंध आधार पर संपत्तियों की तलाश का काम कर रहा था। कर्ज चुकाने का दबाव बढ़ने पर उसने बड़ी लूट की वारदात को अंजाम देने की योजना बनाई और ज्वैलरी शोरूम को निशाना बनाया।

पुलिस के अनुसार आरोपी शादीशुदा है और उसका चार साल का बेटा है। उसका इससे पहले कोई आपराधिक रिकॉर्ड सामने नहीं आया है। नौकरी छूटने और आर्थिक तंगी के चलते वह कर्ज में डूब गया था। इसी कर्ज को चुकाने के लिए उसने शोरूम की रैकी की और चाकू की नोंक पर गहने लूट लिए।

वारदात के बाद वह पुलिस से बचने के लिए लगातार अपनी लोकेशन बदलता रहा, लेकिन पुलिस ने तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर उसे दिल्ली से पकड़ लिया। फिलहाल पुलिस आरोपी से लूटे गए सात हार और 31 अंगूठियों की बरामदगी के संबंध में पूछताछ कर रही है। साथ ही यह भी पता लगाया जा रहा है कि वारदात के बाद उसने गहने कहां छिपाए या किसी को बेचे हैं।

इस मामले के खुलासे के लिए प्रोबेशनर आईपीएस अदिति उपाध्याय के सुपरविजन में वैशाली नगर थानाधिकारी अरविंद सिंह शेखावत, डीएसटी प्रभारी गणेश सैनी, चित्रकूट थानाधिकारी विक्रम सिंह और करणी विहार थानाधिकारी सतपाल सिंह के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की गई थी। टीम में एसआई मोहित सिंह, हेड कांस्टेबल सुरेंद्र कुमार, दिनेश कुमार, कांस्टेबल दीपचंद, विपिन कुमार, हेड कांस्टेबल पवन कुमार, सुशील कुमार, भरत सिंह, राजेंद्र कुमार, रामेश्वरलाल, राकेश कुमार, सांवरमल, मुकुट और महेश कुमार सहित अन्य पुलिसकर्मी शामिल थे।

मतदाता सूची में बदलाव को लेकर राज्य निर्वाचन आयोग की अपील खारिज

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने पंचायत चुनाव से जुड़े मामले में एकलपीठ के उस आदेश में दखल से इनकार कर दिया है, जिसमें एकलपीठ ने कहा था कि चुनाव कार्यक्रम घोषित होने के बाद अपीलीय अधिकारी मतदाता सूची में नाम जोडने, हटाने या बदलने का आदेश नहीं दे सकता है। इसके साथ ही एकलपीठ ने याचिकाकर्ताओं के नाम मतदाता सूची से हटाने के संबंध में बूंदी जिला निर्वाचन अधिकारी के गत 18 अक्टूबर के आदेश को भी रद्द कर दिया था। जस्टिस इन्द्रजीत सिंह और जस्टिस संदीप तनेजा की खंडपीठ ने यह आदेश राज्य निर्वाचन आयोग की अपील को खारिज करते हुए दिए।

- राजस्थान हाईकोर्ट ने पंचायत चुनाव से जुड़े मामले में एकलपीठ के उस आदेश में दखल से इनकार कर दिया है, जिसमें एकलपीठ ने कहा था कि "चुनाव कार्यक्रम घोषित होने के बाद अपीलीय अधिकारी मतदाता सूची में नाम जोड़ने, हटाने या बदलने का आदेश नहीं दे सकता है।"

अपील में कहा गया कि गत 3 अक्टूबर को केवल चुनाव कार्यक्रम जारी किया गया था और चुनाव अधिसूचना जारी नहीं हुई थी। ऐसे में संविधान के अनुच्छेद 243-ओ के प्रावधान इस पर लागू नहीं होते। एकलपीठ में याचिकाकर्ता रहे सुनीता देवी व अन्य के अधिवक्ता राजेश महर्षि ने बताया कि याचिकाकर्ता पहले सुखपुरा में रहते थे। इसके बाद में वे मेंडी गांव आ गए। उन्होंने जनवरी 2026 में अपना नाम नई जगह की मतदाता सूची में जोडने का आवेदन दिया।

इस पर नियमों के मुताबिक आपत्तियां मांगी गईं, लेकिन कोई आपत्ति नहीं आई। फरवरी 2026 में उनके नाम वार्ड नंबर 4 की सूची में शामिल कर दिया गया। वहीं सरपंच का पद अनुसूचित जनजाति के लिए रिजर्व होने के बाद बहादुर सिंह नाम के व्यक्ति ने आपत्ति की।

जिसे दो अक्टूबर को खारिज कर दिया गया। इसके बाद तीन अक्टूबर को राज्य चुनाव आयोग ने चुनाव कार्यक्रम घोषित कर दिया। इसके बाद बहादुर सिंह ने 13 अक्टूबर को अपील की। याचिकाकर्ताओं को 17 अक्टूबर को नोटिस मिला और 18 अक्टूबर को ही अपील मंजूर कर उनके नाम सूची से हटा दिए गए। एकलपीठ ने पूर्व में आदेश जारी कर 18 अक्टूबर के आदेश को रद्द कर दिया था। इस आदेश को राज्य निर्वाचन आयोग ने खंडपीठ में चुनौती दी थी।

ताड़केश्वर मंदिर में अन्नकूट महोत्सव

जयपुर। गुलाबी नगरी के लगभग 300 वर्ष प्राचीन ऐतिहासिक ताड़केश्वरजी मंदिर में गोवर्धन पूजा के अवसर पर भव्य अन्नकूट महोत्सव एवं छप्पन भोग का आयोजन श्रद्धा और उल्लास के साथ हुआ। इस अवसर पर जयपुर सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से 25 हजार से अधिक श्रद्धालुओं ने मंदिर पहुंचकर भगवान के दर्शन किए और अन्नकूट प्रसादी ग्रहण की।

महोत्सव में भगवान जगन्नाथजी की ताजे फलों, रंग-बिरंगे पुष्पों एवं हरी सब्जियों से सजी भव्य झांकी विशेष आकर्षण रही। मंदिर परिसर दिनभर भजन, दर्शन और धार्मिक उत्साह से भक्तिमय बना रहा।

आयोजन महंत परिवार के चंद्रेश व्यास, प्रशांत व्यास, विशाल व्यास, गौरव व्यास एवं सौरभ व्यास के सानिध्य और मार्गदर्शन में संपन्न हुआ।इस अवसर पर जयपुर की उपमहापौर सरोज कुंवर, रणजीत सिंह सोडाला, एसपीजी इंडिया के अध्यक्ष प्रो. बी.डी. रावत, सचिव डॉ. गोविंद रावत तथा पूर्व पार्षद अमर सिंह गुर्जर सहित अनेक गणमान्य लोगों ने दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया।

कार्यक्रम में उपमहापौर सरोज कुंवर ने राज्य सरकार की ओर से मंदिरों के संरक्षण एवं जीर्णोद्धार के लिए चलाए जा रहे अभियान की जानकारी दी। उन्होंने ताडकेश्वर मंदिर के जगमोहन क्षेत्र में स्थित प्राचीन एवं बहुमूल्य धरोहर चित्रों के संरक्षण, सुधार और जीर्णोद्धार के लिए सकारात्मक आश्वासन दिया। इसे मंदिर की ऐतिहासिक, स्थापत्य एवं सांस्कृतिक विरासत को सुरक्षित रखने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है।

सीआईडी क्राइम ब्रांच ने 41 किलो गांजे के साथ तस्कर को दबोचा

जयपुर। राजस्थान पुलिस की सीआईडी क्राइम ब्रांच की स्पेशल टीम ने मादक पदार्थ तस्करी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए सीकर जिले के बलारा थाना क्षेत्र में एक स्विफ्ट कार से 41 किलो 510 ग्राम गांजा जब्त किया है। पुलिस ने इस मामले में झुंझुनूं जिले के खिरोड़ निवासी राकेश कुमार को गिरफ्तार किया है। जब्त गांजे की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत 21 लाख रुपए है।

अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस (अपराध) बिपिन कुमार पाण्डेय ने बताया कि सीआईडी क्राइम ब्रांच की टीम सीकर और फतेहपुर क्षेत्र में आसूचना संकलन कर रही थी। इसी दौरान हेड कांस्टेबल को सूचना मिली कि स्विफ्ट कार में संदिग्ध सामान लेकर सीकर से लक्ष्मणगढ़ होते हुए झुंझुनूं की ओर जाया जा रहा है। इस सूचना पर सीकर पुलिस अधीक्षक संजीव नैन से समन्वय किया गया। उनके निर्देश पर सीआईडी क्राइम ब्रांच की टीम ने बलारा थाना पुलिस के साथ घेराबंदी की।

पुलिस ने लक्ष्मणगढ़ की ओर से आ रही संदिग्ध कार को रुकवाने का प्रयास किया तो चालक ने कार को लहराते हुए भगाने की कोशिश की। काफी मशक्कत के बाद पुलिस ने कार रुकवा ली। चालक ने कार लॉक कर दरवाजे नहीं खोले और दोबारा भागने का प्रयास किया, लेकिन पुलिस टीम ने उसे पकड़ लिया। जहां लक्ष्मणगढ़ सीओ जाकिर अख्तर की मौजूदगी में कार की तलाशी ली गई। पिछली सीट के पास रखे पीले कट्टे से 16 किलो 370 ग्राम और डिग्गी में रखे सफेद कट्टे से 25 किलो 140 ग्राम गांजा बरामद हुआ। दोनों कट्टों में कुल 20 पैकेट रखे थे।

पुलिस ने 41 किलो 510 ग्राम गांजा जब्त कर एनडीपीएस एक्ट के तहत बलारा थाने में मामला दर्ज किया है। गिरफ्तार आरोपी राकेश कुमार से पूछताछ की जा रही है। मामले की जांच दादिया थानाधिकारी संजय पूनिया कर रहे हैं। प्रारंभिक पूछताछ में राकेश कुमार ने गांजा और कार अपने साथी विकास कुमार धींवा निवासी सेवापुरा, खिरोड़ की होना बताया है। आरोपी के अनुसार विकास कुछ दूरी पहले कार से उतर गया था और आगे पहुंचकर फोन करने पर वापस आने की बात कही थी। पुलिस को विकास के बड़े स्तर पर मादक पदार्थों के कारोबार में शामिल होने की जानकारी मिली है।



उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े से गुरूवार को लोकभवन शिष्टाचार भेंट कर दीपावली की शुभकामनाएं प्रेषित कीं। मुलाकात के दौरान उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने विभिन्न जनकल्याणकारी विषयों पर राज्यपाल के साथ सार्थक चर्चा की। उन्होंने राज्यपाल से आशीर्वाद प्राप्त किया और उनके प्रेरणादायी मार्गदर्शन से लाभान्वित हुईं।

राजस्थान में कानून व्यवस्था ध्वस्त, जंगलराज का बोलबाला : जूली

जयपुर। राजस्थान विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने प्रदेश में कानून व्यवस्था ध्वस्त होने और राज्य में जंगलराज व अफराधियों के डर का माहौल बताते हुए राज्य सरकार को घेरा। जूली ने कहा कि, प्रदेश में "रूल ऑफ लॉ" की जगह "जंगलराज" चल रहा है, आमजन भयभीत है और अपराधियों के हौसले इतने बुलंद हो चुके हैं कि उन्हें कानून और पुलिस का कोई डर नहीं रह गया है। राजधानी जयपुर में हिस्ट्रीशीटर की सरेआम हत्या इसका ताजा उदाहरण है। बीच सड़क पर कुल्हाड़ी से हमला करके हत्या कर दी जाती है और पूरा इलाका दहशत में आ जाता है। प्रदेश की राजधानी में इस तरह की जघन्य वारदात होना अपने आप में राज्य सरकार की कानून व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े करता है।

जूली ने कहा कि प्रदेश में अपराध की स्थिति कितनी गंभीर है, इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि वर्ष 2026 के पहले 9 महीनों में ही हत्या के 1006, दुष्कर्म के 4146 और पॉक्सो एक्ट के 2012 मामले दर्ज हुए हैं।

"दीवाली खुशियों वाली" प्रतियोगिता में आवेदन 19 नवंबर तक

जयपुर। जयपुर नगर निगम की ओर से आयोजित 'दीवाली खुशियों वाली' प्रतियोगिता में आवेदन की अंतिम तिथि बढ़ाकर 19 नवंबर कर दी गई है। पार्षदों, नागरिकों और आवेदकों की मांग पर निगम ने यह निर्णय लिया है। अब सभी सात श्रेणियों में दीपावली के दौरान की गई सजावट की मोबाइल गैलरी में पहले से सुरक्षित तस्वीरें अपलोड कर भी प्रतियोगिता में भाग लिया जा सकेगा। इसके लिए दोबारा सजावट करने या नई तस्वीरें लेने की आवश्यकता नहीं होगी।

नगर निगम की ओर से प्रतियोगिता सात श्रेणियों में आयोजित की जा रही है। इनमें वार्ड स्तरीय प्रतियोगिता, आवासीय क्षेत्रों की पारंपरिक एवं आधुनिक सजावट, व्यावसायिक और संस्थागत प्रतिष्ठान तथा परकोटा (हेरिटेज) एवं ग्रेटर क्षेत्र के बाजार शामिल हैं।वार्ड स्तरीय प्रतियोगिता में पार्षदों को अपने वार्ड की स्वच्छता, नवाचार एवं विशेष पहलों से जुड़ी 50 सर्वश्रेष्ठ तस्वीरें प्रस्तुत करनी होंगी। इसमें प्रथम विजेता वार्ड को 51 लाख, द्वितीय को 31 लाख और तृतीय को 21 लाख रुपए के अतिरिक्त विकास कार्यों का पुरस्कार दिया जाएगा।

वहीं चौथे से दसवें स्थान तक आने वाले प्रत्येक वार्ड को 11 लाख रुपए के अतिरिक्त विकास कार्य मिलेंगे। आवासीय क्षेत्रों की पारंपरिक एवं आधुनिक सजावट, दोनों श्रेणियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वालों को इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहन, एलईडी टीवी और स्मार्टफोन जैसे आकर्षक पुरस्कार दिए जाएंगे। वहीं व्यावसायिक एवं संस्थागत प्रतिष्ठानों तथा परकोटा और ग्रेटर क्षेत्र के बाजारों को उत्कृष्ट सजावट एवं सहभागिता के लिए प्रशस्ति-स्मृति-चिह्न और प्रमाण-पत्र देकर सम्मानित किया जाएगा।

सरकार के 3 साल पूरे होने पर 8 से 25 दिसंबर तक प्रदेश में कई आयोजन होंगे

ग्लोबल राजस्थान एग्रीटेक मीट, रोजगार उत्सव और नारी शक्ति सम्मेलन रहेगा प्रमुख आकर्षण; 25 दिसंबर को सुशासन दिवस मनाया जायेगा

जयपुर (कासं)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार के तीन वर्ष पूरे होने पर 8 से 25 दिसंबर तक प्रदेशभर में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने गुरुवार को सचिवों की समिति की बैठक में तैयारियों की समीक्षा की।

तीन दिवसीय ग्लोबल राजस्थान एग्रीटेक मीट जयपुर के सीतापुरा स्थित जेईसीसी में प्रस्तावित है। इसमें कृषि निवेश, निर्यात, बागवानी, मोटे अनाज, नई कृषि तकनीक और जल संरक्षण पर चर्चा होगी। युवाओं के लिए नवाचार सम्मेलन, खेलो राजस्थान और प्रतिभा खोज प्रतियोगिताएं भी होंगी। राज्य स्तरीय रोजगार उत्सव, कौशल मेला, नारी शक्ति सम्मेलन और राष्ट्रीय सरस मेला भी आयोजित किए जाएंगे।

इसके अलावा सभी जिलों में ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में जनसमस्या समाधान शिविर, शेखावाटी हेरिटेज मीट, प्रवासी राजस्थानी दिवस तथा जैसलमेर में पर्यटन सम्मेलन और लोक कला उत्सव प्रस्तावित हैं। 25 दिसंबर को सुशासन दिवस मनाया जाएगा।

बैठक में विभागीय कार्यों की समीक्षा के दौरान बताया गया कि केंद्र प्रायोजित योजनाओं में अक्टूबर 2026 तक 17,227.22 करोड़ रुपए खर्च हुए, जो पिछले वर्ष की समान अवधि से 40.19 प्रतिशत अधिक हैं। गत 10 नवंबर तक 16वीं विधानसभा के 278 प्रश्नों का निस्तारण किया गया। अक्टूबर में राजकाज प्रणाली पर 92,200 से अधिक नई ई-फाइलें बनीं और कुल संख्या 55.90 लाख पार हो गई। कार्मिक विभाग ने वर्ष 2026-27 तक के 242 पदों के लिए विभागीय पदोन्नित समितियों की कार्यवाही पूरी कर ली है।



राजस्थान सरकार की तीसरी वर्षगांठ पर आयोजित होने वाले कार्यक्रमों की तैयारियों पर चर्चा के लिए गुरूवार को मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने बैठक ली।

नकली सोना असली बताकर 7 लाख की ठगी करने वाली अंतरराज्यीय गैंग का पर्दाफाश

जयपुर। नकली सोने को असली बताकर लोगों से लाखों रुपए की ठगी करने वाली अंतरराज्यीय वागरी गैंग का नागौर कोतवाली पुलिस ने पर्दाफाश किया है। पुलिस ने गैंग के दो सदस्यों रवि कुमार (29) निवासी बागरा और मूलाराम (43) निवासी भीनमाल, जिला जालौर को बीकानेर जिले के लूणकरणसर से गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने नागौर के एक व्यक्ति से 7 लाख रुपए की ठगी करने के साथ राजस्थान, मध्यप्रदेश, गुजरात सहित अन्य राज्यों में भी इसी तरीके से वारदात करना स्वीकार किया है। पुलिस ने आरोपियों तक पहुंचने के लिए संदिग्ध रास्तों पर लगे 400 से अधिक सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली।

जिला पुलिस अधीक्षक आशाराम चौधरी के अनुसार परिवादी पृथ्वीसिंह निवासी भाकरोद, खींवसर ने रिपोर्ट दी कि 23 सितंबर 2026 को वह किसी काम से गांधी चौक, नागौर आया था। वहां दो व्यक्ति उससे मिले और परिवार में डिलीवरी होने का हवाला देकर देशी गाय का घी खरीदने की बात कही। इसके बाद 26 सितंबर को परिवादी ने लक्ष्मी तारा सिनेमा हॉल के सामने उन्हें घी दिया। बाद में दोनों व्यक्ति परिवादी की मोटरसाइकिल पर बैठकर उसे मूण्डवा चौराहे से मानासर की ओर सुनसान जगह ले गए। वहां उन्होंने खुद को जमीन की खुदाई और कमठे का काम करने वाला बताया तथा जमीन से सोना मिलने की कहानी सुनाई। आरोपियों ने परिवादी को सोने का छोटा नमूना दिया, जिसकी जांच करवाने पर वह असली निकला। इससे परिवादी को उन पर भरोसा हो गया। आरोपियों ने 29 सितंबर को दोपहर 1:50 बजे परिवादी को 7 लाख रुपए और घी लेकर बुलाया। परिवादी से 7 लाख रुपए लेने के बाद आरोपियों ने उसे सोने के सामान की थैली थमा दी और फरार हो गए। बाद में पता चला कि थैली में सोना नकली था। यह गिरोह सीधे-सादे लोगों से संपर्क कर विश्वास जीतता हैं, फिर जमीन की खुदाई में सोना मिलने की कहानी सुनाकर नकली सोना सस्ते दामो में देने का लालच देते है।

मकराना के खेत में बने पानी के टैंक में डूबने से तीन मासूम बच्चियों की मौत

तीनों बच्चियां बकरियां लेने के लिए खेत में गई थीं, लेकिन वापस घर नहीं लौटीं

मकराना, (निसं)। क्षेत्र के नाका बस्ती मंगलाना में गुरुवार को एक हृदयविदारक हादसा सामने आया है। खेत में बने पानी के टैंक में डूबने से पांच और छह साल की तीन मासूम बच्चियों की मौत हो गई। तीनों बच्चियां बकरियां लेने के लिए खेत में गई थीं, लेकिन वापस घर नहीं लौटीं। काफी देर तक बच्चियों का इंतजार करने के बाद दादी उनकी तलाश में निकली तो खेत में बने पानी के टैंक में तीनों बच्चियां मिलीं। हादसे की खबर मिलते ही परिवार में चीख-पुकार मच गई और पूरे गांव में शोक की लहर फैल गई।

प्राप्त जानकारी के अनुसार चहक (6) पुत्री सतीश गुर्जर, महक (6) पुत्री देवेंद्र गुर्जर और मानवी (5) पुत्री दीपक गुर्जर गुरुवार को बकरियां लेने के लिए खेत की ओर गई थीं। इसी दौरान खेत में बने पानी के टैंक में तीनों बच्चियां गिर गईं और डूबने से उनकी मौत हो गई। काफी समय बीतने के बाद भी जब बच्चियां घर नहीं लौटीं तो उनकी दादी ने तलाश शुरू की। आसपास खोजबीन करने के बाद जब वह खेत में बने पानी के टैंक के पास पहुंचीं तो तीनों बच्चियां पानी में नजर आईं। उन्होंने शोर मचाया तो परिजन और ग्रामीण मौके पर पहुंचे।



मृतक बच्चियों की फाइल फोटो।

- काफी देर तक बच्चियों का इंतजार करने के बाद दादी उनकी तलाश में निकली तो खेत में बने पानी के टैंक में तीनों बच्चियां मिलीं
- चहक और महक के पिता सतीश गुर्जर और देवेंद्र गुर्जर सगे भाई हैं, जबकि मानवी के पिता दीपक गुर्जर उनके चचेरे भाई हैं

ग्रामीणों और परिजनों ने तत्काल तीनों बच्चियों को टैंक से बाहर निकाला और मकराना के उप जिला अस्पताल लेकर पहुंचे। वहां चिकित्सकों ने परीक्षण के बाद तीनों को मृत घोषित कर दिया। एक साथ तीन मासूम बच्चियों की मौत की खबर से अस्पताल में परिजनों और रिश्तेदारों की भीड़ जमा हो गई। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। खुशियों से भरे परिवार में अचानक मातम छा गया। हादसे की सबसे दुखद बात यह रही कि तीनों बच्चियां एक ही परिवार से थीं। चहक और महक के पिता सतीश गुर्जर और देवेंद्र गुर्जर सगे भाई हैं, जबकि मानवी के पिता दीपक गुर्जर उनके चचेरे भाई हैं। इस तरह एक ही परिवार की तीन मासूम बेटियों की जिंदगी इस हादसे में खत्म हो गई।

सूचना मिलने पर परबतसर पुलिस अस्पताल पहुंची और मामले की जानकारी ली। मृतक बच्चियों के चाचा छोटूराम गुर्जर ने पुलिस को रिपोर्ट दी है। वहीं हादसे की जानकारी मिलने पर सीआई सुमन बुंदेला घटना स्थल पर पहुंची और जानकारी ली।

दो पिकअप की आमने-सामने भिड़ंत में दो जनों की मौत



हादसे में दोनों पिकअप वाहन बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गये।

पचेरी/झुंझुनूं, (निसं)। अपनों के निधन पर शोक जताने और दुख की घड़ी में परिवारों को ढांढस बंधाने घर से निकले दो परिवारों को रास्ते में ही ऐसा हादसा झेलना पड़ा, जिसने कई घरों में एक साथ मातम पसरा दिया। राजस्थान-हरियाणा सीमा के पास पचेरी कलां थाना क्षेत्र के भालोठ गांव की पो की ढाणी के नजदीक गुरूवार सुबह पचेरी-महेंद्रगढ़ सड़क पर दो पिकअप गाड़ियों की आमने-सामने भीषण भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि दोनों वाहनों के अगले हिस्से बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए। हादसे में दो लोगों की मौत हो गई, जबकि करीब 15 से 20 लोग घायल हो गए। मिली जानकारी के अनुसार, दोनों पिकअप में करीब 20-20 लोग सवार थे। दुर्घटना के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। सड़क पर घायल पड़े लोगों को देखकर ग्रामीणों ने तत्काल राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया।

पचेरी कलां थाने के एएसआई शीशराम के अनुसार, दोनों पिकअप में सवार लोग अपने रिश्तेदारों के निधन पर आयोजित शोकसभा में शामिल होने जा रहे थे। एक पिकअप में सवार लोग हरियाणा के महेंद्रगढ़ जिले के सेहलंग गांव से बुहाना क्षेत्र के घसेड़ा गांव में जगदेव के घर शोकसभा में शामिल होने जा रहे थे। वहीं, दूसरी पिकअप में सवार लोग निहालोठ गांव से महेंद्रगढ़ के दुलोठ गांव जा रहे थे। दोनों परिवारों का सफर भालोठ गांव के पास दर्दनाक हादसे में बदल गया। आमने-सामने हुई टक्कर में कई लोग घायल हो गए। हादसे में निहालोठ निवासी 65 वर्षीय सुभाष यादव की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, सेहलंग निवासी रामप्यारी पत्नी दुलीचंद ने अस्पताल ले जाते समय रास्ते में दम तोड़ दिया। एक ही हादसे में दो परिवारों के सदस्यों की मौत की खबर से परिजनों में शोक छा गया। घायलों को बुहाना के राजकीय अस्पताल और हरियाणा के महेंद्रगढ़ स्थित अस्पतालों में पहुंचाया गया। गंभीर रूप से घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद झुंझुनूं रेफर किया गया।

- शोकसभा में शामिल होने जा रहे दो परिवारों की खुशियां मातम में बदलीं
- हादसे में 15 से 20 जने घायल, दोनों वाहनों में करीब 40 लोग सवार थे

हादसे की सूचना मिलते ही आसपास के ग्रामीण घटनास्थल पर पहुंचे और घायलों को संभालने में जुट गए। राहत कार्य के दौरान उस समय परेशानी खड़ी हो गई, जब घायलों को लेकर पहुंची पहली एंबुलेंस का टायर पंचर हो गया। इसके बाद सिंघाना और सूरजगढ़ से अतिरिक्त एंबुलेंस बुलवाई गईं। तीन एंबुलेंस के साथ ग्रामीणों ने अपने निजी वाहनों से भी घायलों को अस्पताल पहुंचाने में मदद की। ग्रामीणों की तत्परता से घायलों को जल्द से जल्द उपचार के लिए रवाना किया गया। हादसे की सूचना पर पचेरी कलां थाना पुलिस और हरियाणा के महेंद्रगढ़ थाना क्षेत्र की पुलिस टीम मौके पर पहुंची। स्थानीय लोगों के अनुसार, घटनास्थल के नजदीक पुलिस चौकी होने के बावजूद पुलिस टीम को मौके पर पहुंचने में करीब एक घंटे का समय लगा। पुलिस ने क्रेन और ग्रामीणों की सहायता से दुर्घटनाग्रस्त पिकअप को सड़क से हटवाया और यातायात सुचारू करवाया।

तारागढ़ दुर्ग की 36 बीघा जमीन को राजकीय भूमि की पहचान मिली

अजमेर, (निसं)। अजमेर की ऐतिहासिक पहचान तारागढ़ दुर्ग को लेकर एक महत्वपूर्ण फैसला सामने आया है। दुर्ग से जुड़ी करीब 36 बीघा जमीन को अब राजकीय भूमि के रूप में राजस्व रिकॉर्ड में दर्ज कर लिया गया है। संभागीय आयुक्त न्यायालय के आदेश की पालना में तहसील कार्यालय ने 58,688 वर्ग मीटर भूमि को राजस्थान सरकार के नाम पर 'तारागढ़ दुर्ग क्षेत्र' के रूप में दर्ज किया है। इस निर्णय के बाद अब तारागढ़ दुर्ग की ऐतिहासिक सीमाओं के निर्धारण और वर्षों से उपेक्षित पड़े ऐतिहासिक अवशेषों के संरक्षण की उम्मीद जगी है।

इस संबंध में एडवोकेट देवेंद्र सिंह शेखावत ने पत्रकार वार्ता आयोजित कर पूरे मामले की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मामला खसरा संख्या 6262 में चिह्नित जोन ए, बी और सी की जमीन से जुड़ा हुआ है। इस भूमि को लेकर पृथ्वीराज स्मारक समिति के सदस्य एडवोकेट देवेंद्र सिंह शेखावत और पंचायत खुद्दाम सैयद जादगान, तारागढ़ की ओर से अपील दायर की गई थी।

मामले की सुनवाई के बाद संभागीय आयुक्त शक्ति सिंह राठौड़ ने 6 अक्टूबर 2026 को अपील को आंशिक रूप से स्वीकार किया। इसके तहत 25 जुलाई और 22 अगस्त 2022 को जारी आदेशों को तीनों जोन की सीमा तक निरस्त कर दिया गया। आदेश में स्पष्ट किया गया कि संबंधित जमीन राजस्व रिकॉर्ड में आबादी के रूप में दर्ज थी। वहीं, इसे वन भूमि बताने के दावे के समर्थन में भी पर्याप्त प्रमाण नहीं मिले। इसके बाद तहसीलदार को भूमि को 'तारागढ़ दुर्ग क्षेत्र' के नाम से दर्ज करने के निर्देश दिए गए।

- संभागीय आयुक्त न्यायालय के आदेश की पालना में तहसील कार्यालय ने 58,688 वर्ग मीटर भूमि को राजस्थान सरकार के नाम पर 'तारागढ़ दुर्ग क्षेत्र' के रूप में दर्ज किया है
- निर्णय के बाद अब तारागढ़ दुर्ग की ऐतिहासिक सीमाओं के निर्धारण और वर्षों से उपेक्षित पड़े ऐतिहासिक अवशेषों के संरक्षण की उम्मीद जगी है

एडवोकेट शेखावत ने बताया कि वर्ष 2022 में जारी आदेशों के बाद यह जमीन वन विभाग के अधीन चली गई थी। इसके चलते दुर्ग क्षेत्र में संरक्षण और विकास से जुड़े कार्य प्रभावित हो रहे थे। अब राजस्व रिकॉर्ड में तारागढ़ दुर्ग क्षेत्र के नाम से भूमि की पहचान दर्ज होने के बाद यहां ऐतिहासिक धरोहर के संरक्षण और विकास की संभावनाएं बढ़ गई हैं। शेखावत ने प्रशासन से मांग की कि सर्वे नक्शे के आधार पर जोन ए, बी और सी का मौके पर सीमांकन कराया जाए, ताकि दुर्ग क्षेत्र की वास्तविक सीमा स्पष्ट हो सके। इसके साथ ही तारागढ़ दुर्ग के परकोटे, बुर्ज और प्रवेश द्वारों का विस्तृत सर्वे करवाकर उनके संरक्षण की कार्ययोजना तैयार की जाए। उन्होंने दुर्ग तक पहुंचने वाले पर्यटकों के लिए सुरक्षित पैदल मार्ग विकसित करने, नियमित साफ-सफाई करवाने और ऐतिहासिक महत्व की जानकारी देने वाले सूचना-पट्ट लगाने की भी मांग उठाई। उनका कहना है कि राजस्व रिकॉर्ड में भूमि की पहचान सुनिश्चित होना ऐतिहासिक धरोहर के संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। अब प्रशासन को इस फैसले के आधार पर धरातल पर संरक्षण और विकास के कार्य शुरू करने चाहिए।

युवक का शव खेत में मिला

जोधपुर, (कासं)। शहर के बासनी औद्योगिक क्षेत्र स्थित पार्वती नगर में गुरुवार सुबह एक युवक का शव खेत में कमठा मलबे के बीच पड़ा मिला। रातभर से परिजन उसे तलाश रहे थे। सुबह शव के पास में ही स्कूटी मिलने पर पहचान की गई। मामला संदिग्ध प्रतीत होने पर एफएसएल टीम को बुलाया गया। बासनी पुलिस भी घटनास्थल पर पहुंची। शव को एम्स चिकित्सालय में पोस्टमार्टम करवा परिजन को सुपुर्द किया गया।

बासनी थानाधिकारी नितिन दवे ने बताया कि सूचना मिली कि पार्वती नगर स्थित खेत में एक युवक का शव पड़ा है। पास में स्कूटी पड़ी है। इस पर पुलिस वहां पहुंची। शव खेत के पास में कमठा मलबा में पड़ा था। बाद में उसकी पहचान फींच लूणी निवासी मनीष पुत्र जेताराम विश्नोई के रूप में की गई। थानाधिकारी दवे ने बताया कि मृतक मनीष शादीसुदा था, वह बुधवार की रात घर से निकला था। वह रात तक घर नहीं पहुंचा, तब परिजन उसे तलाश करने लगे। सुबह उसे तलाशते हुए खेत तक पहुंचे और पास में स्कूटी मिलने पर पहचान कर ली गई।

मतदान बहिष्कार की सूचना पर प्रशासन ने ग्रामीणों से समझाइश की

निवाई, (निसं)। पंचायतीराज आम चुनाव-2026 के चतुर्थ चरण में आयोजित पंचायत चुनावों को लेकर खारवाल की ढाणी (नदी की ढाणी) के ग्रामीणों द्वारा मतदान बहिष्कार करने की सूचना मिलने पर निर्वाचन अधिकारी गंभीर सिंह ने संज्ञान लेते हुए प्रशासन एवं पुलिस विभाग के अधिकारियों के साथ ढाणी में पहुंचकर ग्रामीणों से संवाद किया। इस दौरान डीवाईएसपी रविप्रकाश शर्मा, तहसीलदार सृष्टि जैन, विकास अधिकारी हंसराज गुर्जर, थानाधिकारी घासीराम मीणा, दतवास थानाधिकारी निरमा मीणा व ग्राम विकास अधिकारी विनोद परिडवाल सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

अधिकारियों ने ग्रामीणों की समस्याओं एवं मांगों को सुनकर उन्हें समझाइश करते हुए लोकतंत्र के इस महापर्व में सक्रिय भागीदारी निभाने का आव्हान किया। निर्वाचन अधिकारी सिंह ने ग्रामीणों को बताया कि मतदान प्रत्येक नागरिक का महत्वपूर्ण लोकतांत्रिक अधिकार है। सभी ग्रामवासी अपने मताधिकार का प्रयोग कर गांव की सरकार के गठन में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएं एवं पंचायतीराज व्यवस्था को सशक्त बनाने में सहयोग करें। उन्होंने ग्रामीणों को आश्वस्त किया कि उनकी जायज मांगों एवं समस्याओं से प्रशासन भलीभांति अवगत है तथा उनका नियमानुसार परीक्षण कर सकारात्मक एवं उचित कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन ग्रामीणों की समस्याओं के समाधान के लिए संवेदनशील एवं प्रतिबद्ध है।

जमीन बंटवारे को लेकर दिव्यांग किसान से मारपीट का आरोप

नसीराबाद, (निसं)। ग्राम बाधसूरी में जमीन के बंटवारे को लेकर एक दिव्यांग किसान को परेशान करने और जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है। पीड़ित किसान ने अपने ही काका और उसकी पत्नी पर खेत पर पहुंचकर सिंचाई के लिए लगी मोटर का पाइप जलाने, स्टार्टर तोड़ने, गाली-गलौच करने तथा जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है। पीड़ित ने पुलिस को शिकायत देकर आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई कर परिवार की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की है।

शिकायतकर्ता पूसा लाल पुत्र रामप्रसाद (45) निवासी ग्राम बाधसूरी, तहसील नसीराबाद ने बताया कि वह खटीक समाज से है तथा दिव्यांग और गरीब किसान है। उसकी पत्नी भी दिव्यांग है। गांव में उसकी कृषि भूमि और कुआं स्थित है, जिस पर सिंचाई के लिए मोटर लगी हुई है। इसी जमीन पर खेती-बाड़ी कर वह परिवार का भरण-पोषण करता है। पीड़ित के अनुसार उसका काका रामस्वरूप उसकी जमीन के हिस्से को हड़पना चाहता है।

तनोट माता मंदिर में श्रद्धालुओं के लिए बेहतर सुविधाएं विकसित होंगी : भजनलाल शर्मा

जयपुर, (कासं)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने गुरुवार को मुख्यमंत्री निवास पर तनोट माता मंदिर की पुनर्विकास परियोजना की विस्तृत समीक्षा करते हुए अधिकारियों को कार्यों में तेजी लाने और समय पर पूरा करने के निर्देश दिए।

- मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को कार्यों में तेजी लाकर तय समय पर काम पूरा करने के निर्देश दिए

मुख्यमंत्री ने कहा कि विश्व प्रसिद्ध तनोट माता मंदिर में बड़ी संख्या में श्रद्धालु दर्शन के लिए आते हैं। इन श्रद्धालुओं की सुविधाओं के लिए राज्य सरकार ने मंदिर के समग्र विकास की योजना बनाई है। इसके अंतर्गत यात्रियों के ठहराव, पार्किंग सहित विभिन्न बेहतर सुविधाएं विकसित होंगी। राजस्थान धरोहर प्राधिकरण के अध्यक्ष ओंकार सिंह लखावत ने बताया कि राज्य सरकार तनोट माता मंदिर की पुनर्विकास परियोजना के लिए भूमि आवंटित कर चुकी है। वहीं, परियोजना रिपोर्ट भी तैयार हो चुकी है। बैठक में अति. मुख्य सचिव मुख्यमंत्री कार्यालय अखिल अरोड़ा, अतिरिक्त मुख्य सचिव नगरीय विकास एवं आवासन आलोक गुप्ता, प्रमुख शासन सचिव वित्त वैभव गालरिया, पर्यटन शासन सचिव शुचि त्यागी सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।



मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने तनोट माता मंदिर की पुनर्विकास परियोजना की समीक्षा के लिए वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक ली।

खाते से 3.77 लाख की राशि पार

जोधपुर, (कासं)। शहर के अंदर कोरना हाउस रोड पर रहने वाले एक व्यक्ति के बैंक खाते से 3.77 लाख रूपए पार हो गए। उसने किसी को ओटीपी नंबर आदि भी शेयर नहीं किए थे। घटना 9 नवंबर की है। उसके द्वारा साइबर पोर्टल पर शिकायत दी गई। अब खांडाफलसा पुलिस ने जीरो नंबर एफआईआर पर फ्रॉड का केस दर्ज किया है।

खांडाफलसा पुलिस ने बताया कि कोरना हाउस रोड, सिवांची गेट के अंदर रहने वाले अशोक भाटी पुत्र किशनलाल भाटी ने रिपोर्ट दी। इसमें बताया कि 9 नवंबर को उसके बैंक खाते से किसी शातिर ने 3 लाख 77 हजार 309 रूपए निकाल लिए, जबकि उसके पास में किसी प्रकार का कोई कॉल या ओटीपी नंबर भी नहीं आया था। उसने साइबर पोर्टल पर इसकी शिकायत दी थी। पुलिस ने बताया कि जीरो नंबर एफआईआर मिलने पर अब फ्रॉड का केस दर्ज किया गया है।

चिकित्सक ने एक हजार की रिश्वत ली

डूंगरपुर, (निसं)। जिले में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो ने रिश्वतखोरी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए झोथरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के प्रभारी डॉ. अमित परमार को एक हजार रुपये की रिश्वत लेते रंगे हाथों ट्रैप किया है। डॉक्टर पर मरीज का मेडिकल प्रमाण पत्र बनाने की एवज में 10 हजार रुपये मांगने का आरोप है।

एसीबी के एडिशनल एसपी राजेंद्र जैन ने बताया कि, परिवादी चोट के निशान को लेकर मेडिकल प्रमाण पत्र बनवाने के लिए डॉ. अमित परमार से मिला था। डॉक्टर ने मेडिकल बनाने के बदले 10 हजार रुपये की मांग की। बाद में बातचीत के दौरान 2 हजार रुपये में सौदा तय हुआ। इसमें से 1 हजार रुपये पहले ही रिश्वत के तौर पर दिए जा चुके थे। इसके बाद परिवादी ने एसीबी में शिकायत दर्ज करवाई। शिकायत का सत्यापन करने के बाद एसीबी ने जाल बिछाया और आज मेडिकल प्रमाण पत्र लेने पहुंचे परिवादी से 1 हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए डॉक्टर को रंगे हाथों पकड़ लिया। जांच में सामने आया कि डॉक्टर ने 31 अक्टूबर को ही मेडिकल प्रमाण पत्र तैयार कर लिया था, लेकिन रिश्वत की शेष राशि लेने के लिए उसे अपने पास रोककर रखा था। आरोपी डॉ. अमित परमार कोलखंडा निवासी बताए जा रहे हैं।

राजस्थान सरकार
कार्यालय नगर परिषद धौलपुर
मचकुण्ड रोड धौलपुर Email Id- dholpur.jaipur@gmail.com, Ph- 05642-220888
क्रमांक:-न.प.धौ./2026-27/9638-40 दिनांक:- 05.11.2026

अभिरूचि की अभिव्यक्ति (EOI) आमंत्रित सूचना

नगर परिषद धौलपुर द्वारा आगामी शरद महोत्सव 2026 में सांस्कृतिक कार्यक्रमों के सफल आयोजन हेतु प्रतिष्ठित एवं अनुभवी इवेंट मैनेजमेंट फर्मो/एजेंसियों/संस्थाओं से मेला सांस्कृतिक कार्यक्रम संचालन के लिये रूचि के अभिव्यक्ति आमंत्रित की जाती है जिसकी अनुमानित लागत 49 लाख रू है।
UBN No.-
1. DLB2627SLOB24101
विवरण के लिये देखे www.sppp.rajasthan.gov.in & www.eproc.rajasthan.gov.in
राज.संवाद/सी/26/13131 आयुक्त

कार्यालय नगर निगम जोधपुर

क्रमांक :- 344 दिनांक :- 12/11/2026

Corrigendum

ई-निविदा क्रमांक 299 दिनांक 28.10.2026 को http://www.eproc.rajasthan.gov.in, http://www.sppp.rajasthan.gov.in, lsg.rajasthan.gov.in/nnjodhpur. की वेबसाईट पर निम्न सारणी संख्या 01 अनुसार अपलोड की गई थी। उक्त ई-निविदा प्रकाशन नही होने से निविदा डाउनलोड व प्रस्तुती दिनाकों में सारणी संख्या 02 के अनुसार परिवर्तन व संशोधन किया जाता हैं :-

सारणी संख्या 01

Sr.	Particulars	Estimated Cost Rs. (Lac)	Bid Security (2%) Rs.	Bid Sub-mission end Date & Time	Technical Bid Opening Date and Time
1.	Procurement Breathing Apparatus Set (BA SET) SCBA. (as per Specifications, Bid Terms & Conditions)	35.40	70,800	12/11/2026 Till 03:00 PM	12/11/2026 at 04:00 PM

सारणी संख्या 02

Sr.	Particulars	Estimated Cost Rs. (Lac)	Bid Security (2%) Rs.	Bid Sub-mission end Date & Time	Technical Bid Opening Date and Time
1.	Procurement Breathing Apparatus Set (BA SET) SCBA. (as per Specifications, Bid Terms & Conditions)	35.40	70,800	16/11/2026 Till 03:00 PM	16/11/2026 at 04:00 PM

नोट :- निविदा की शेष अन्य सभी शर्तो एवं नियम मूल निविदा सूचना के अनुसार यथावत रहेगी। विस्तृत विवरण http://www.eproc.rajasthan.gov.in, http://www.sppp.rajasthan.gov.in, lsg.rajasthan.gov.in/nnjodhpur पर देखा जा सकता हैं।

मुख्य अग्निशमन अधिकारी
नगर निगम जोधपुर
राज.संवाद/सी/26/13113

बुहाना के कलगांव में जर्जर 11 हजार वोल्ट की लाइन के पोल खेत में गिरे

बुहाना, (निसं)। बुहाना उपखंड की गड़ाखेड़ा ग्राम पंचायत के कलगांव में गुरूवार सुबह 11 हजार वोल्ट की हाईटेंशन बिजली लाइन के जर्जर पोल अचानक टूटकर विक्रम सिंह यादव के खेत में जा गिरे। पोल टूटने के साथ ही हाईटेंशन लाइन के तार नीचे से गुजर रही घरेलू एलटी लाइन के संपर्क में आ गए। इससे गांव के कई घरों में अचानक हाई वोल्टेज करंट दौड़ गया। तेज धमाकों के साथ घरों में लगे फ्रिज, पंखे, आरओ सहित कई विद्युत उपकरण जलकर खराब हो गए। सुबह का समय होने के कारण अधिकांश ग्रामीण घरों में मौजूद थे। गनीमत रही कि इस हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई, लेकिन ग्रामीणों में दहशत फैल गई।

ग्रामीण विक्रम सिंह यादव ने बताया कि 11 हजार वोल्ट की यह बिजली लाइन हिरवा की तरफ से आ रही है। गुरूवार सुबह अचानक बिजली लाइन के पोल टूटकर उनके खेत में गिर गए। पोल टूटने के साथ ही लाइन में फॉल्ट हुआ और हाईटेंशन तार घरेलू एलटी लाइन के संपर्क में आ गए। इसके चलते घरों में सप्लाई होने वाले वोल्टेज में अचानक भारी बढ़ोतरी हो गई। कई घरों में तेज धमाकों की आवाज सुनाई दी और देखते ही देखते फ्रिज, पंखे, आरओ सहित अन्य विद्युत उपकरण जल गए।

- पोल टूटने के साथ ही हाईटेंशन लाइन के तार नीचे से गुजर रही घरेलू एलटी लाइन के संपर्क में आ गए
- इससे गांव के कई घरों में अचानक हाई वोल्टेज करंट दौड़ गया तेज धमाकों के साथ घरों में लगे फ्रिज, पंखे, आरओ सहित कई विद्युत उपकरण जलकर खराब हो गए

ग्रामीणों का आरोप है कि 11 हजार वोल्ट की लाइन के पोल लंबे समय से जर्जर और क्षतिग्रस्त अवस्था में थे। पोल की खराब हालत को लेकर बिजली निगम के अधिकारियों को कई बार अवगत करवाया गया था। ग्रामीणों ने पोल बदलने और लाइन की मरम्मत करवाने की मांग भी की थी, लेकिन शिकायतों के बावजूद कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई। ग्रामीण विक्रम सिंह यादव का कहना है कि यदि समय रहते विभाग ने जर्जर पोल बदल दिए होते तो इस हादसे को रोका जा सकता था।आखिरकार गुरूवार सुबह वही कमजोर पोल टूटकर खेत में गिर गए और गांव के घरों में हाई वोल्टेज पहुंचने से लोगों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा। ग्रामीणों ने बताया कि गांव में ट्रांसफार्मर का एक पोल भी टूटा हुआ है और उसकी हालत भी खराब बनी हुई है। ऐसे में ग्रामीणों को आशंका है कि यदि समय रहते इसकी मरम्मत नहीं करवाई गई तो यहां भी कभी बड़ा हादसा हो सकता है।

अजमेर की आनासागर झील में मिला शव भीलवाड़ा की महिला का निकला

अजमेर, (निसं)। आनासागर झील में बुधवार को बारादरी के पास मिले महिला के शव की पहचान हो गई है। मृतका की पहचान भीलवाड़ा निवासी मोहिनी देवी (60) पत्नी हीरालाल कोली के रूप में हुई है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, महिला का घर में बहू से विवाद हुआ था। इसके बाद वह नाराज होकर घर से निकल गई थी। परिजनों ने उसे अजमेर स्थित पीहर जाने के लिए ट्रेन में बैठाया था, लेकिन वह पीहर नहीं पहुंची। बाद में उसका शव आनासागर झील में मिला। गुरुवार को ससुराल और पीहर पक्ष के परिजन जेएलएन अस्पताल पहुंचे। पुलिस ने पोस्टमार्टम करवाने के बाद शव परिजनों को सौंप दिया।

कृष्णगंज थाना पुलिस के अनुसार, महिला के बड़े बेटे कमल ने बताया कि 10 नवंबर की सुबह करीब 10 बजे उनकी मां घर से निकली थी। घर में बहू के साथ किसी बात को लेकर विवाद होने पर वह नाराज हो गई थी। काफी देर तक वापस नहीं लौटने पर परिजनों ने उसकी तलाश शुरू की। इसी दौरान परिवार के एक सदस्य को वह रेलवे स्टेशन पर मिली। इसके बाद परिजनों ने उसे अजमेर जाने वाली ट्रेन में बैठा दिया। महिला अजमेर में अपने पीहर जाने के लिए रवाना हुई थी।

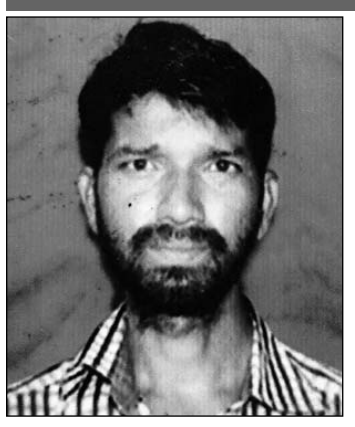
- महिला का बहू से विवाद हुआ था, इसके बाद वह नाराज होकर घर से निकल गई थी

परिजनों ने अजमेर में पीहर पक्ष के लोगों को भी महिला के रवाना होने की सूचना दे दी थी। हालांकि, 10 नवंबर को दोपहर करीब 3 बजे तक वह पीहर नहीं पहुंची। इसके बाद पीहर पक्ष के लोगों ने रेलवे स्टेशन सहित आसपास के इलाकों में उसकी तलाश की। भीलवाड़ा में भी परिजनों ने काफी प्रयास किए, लेकिन महिला का कोई सुराग नहीं मिला। आखिरकार परिजनों ने भीलवाड़ा जीआरपी थाने में उसकी गुमशुदगी दर्ज करवाई। महिला के भाई गणेशराम ने बताया कि भाईदूज के अवसर पर बहन के अजमेर स्थित पीहर आने की बात थी। इसी बात को लेकर घर में बहू के साथ कहासुनी हुई थी। विवाद के बाद बहन नाराज होकर घर से निकल गई थी। भाई ने यह भी बताया कि भांजे की बहू ने फोन कर कहा था कि उन्हें वापस भीलवाड़ा भेजने की जरूरत नहीं है। परिजनों ने पुलिस को इस बातचीत की जानकारी भी दी है।

गौरतलब है कि बुधवार को आनासागर झील में बारादरी के पास महिला का शव मिला था। सूचना पर कोतवाली थाना पुलिस मौके पर पहुंची थी। बाद में कृष्णगंज थाना पुलिस ने मामले की कार्रवाई करते हुए महिला की पहचान और पोस्टमार्टम की प्रक्रिया पूरी करवाई। महिला घर से निकलने के बाद रेलवे स्टेशन पहुंची और अजमेर आने वाली ट्रेन में सवार हुई थी। इसके बाद वह आनासागर झील तक कैसे पहुंची और किन परिस्थितियों में उसकी मौत हुई, यह अभी स्पष्ट नहीं हो पाया है।

थार गाड़ी से कुचलकर युवक की हत्या!

परिजनों का आरोप है कि कार चालक ने थार से टक्कर मारने के बाद दुबारा गाड़ी पीछे लेकर कुचला



मृतक गणेश स्वामी





थार गाड़ी की टक्कर से युवक की मौत के बाद रोते-बिलखते परिजनों ने सड़क पर धरना देकर विरोध जताया। उधर पुलिस अधिकारियों ने सड़क जाम करके बैठे परिजनों और स्थानीय लोगों से समझाइश करके देर शाम मामला शांत कराया। फोटो-राष्ट्रदूत

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। शास्त्री नगर थाना क्षेत्र के नाहरी का नाका स्थित स्वामी बस्ती में गुरुवार दोपहर तेज रफ्तार थार की टक्कर से 40 वर्षीय गणेश स्वामी की मौत हो गई। परिजनों का आरोप है कि थार चालक ने पहले पैदल जा रहे गणेश को टक्कर मारी और इसके बाद गाड़ी को पीछे लेकर उन्हें कुचल दिया। घटना का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है। इस वारदात के बाद आक्रोशित परिजनों और स्थानीय लोगों ने सड़क पर शव रखकर धरना दिया और आरोपी चालक की गिरफ्तारी की मांग की। पुलिस ने थार गाड़ी जब्त कर दो संदिग्धों को हिरासत में लिया है।

एडिशनल डीसीपी उत्तर बजरंग सिंह के अनुसार स्वामी बस्ती निवासी गणेश स्वामी गुरुवार दोपहर करीब एक बजे अपने घर के पास पैदल जा रहे थे। वह अपनी बहन ललिता के घर पानी पीने गए थे। वहां से लौटते समय पीछे से आई तेज रफ्तार थार ने उन्हें टक्कर मार दी। परिजनों का आरोप है कि टक्कर लगने के बाद चालक ने गाड़ी रोकने या घायल की मदद करने के बजाय थार को बैक किया और गणेश के ऊपर से चढा दिया। गंभीर चोटें लगने से उनकी मौके पर ही मौत हो गई।

- **शास्त्री नगर क्षेत्र स्थित नाहरी का नाका इलाके की घटना, परिजनों ने सड़क पर शव रखकर धरना दिया**
- **उधर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर थार गाड़ी जब्त करके दो संदिग्ध लोगों को हिरासत में लिया है।**

इस घटना के बाद बहन ललिता का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। उन्होंने बताया कि भाई उनके घर से पानी पीकर निकला ही था कि कुछ ही पलों में यह हादसा हो गया। वह और उनका चचेरा भाई आवाज सुनकर मौके पर पहुंचे तो गणेश के चेहरे और शरीर पर गंभीर चोटें थीं।

धरने के दौरान ललिता ने आक्रोश जताते हुए कहा, मेरे भाई के हत्यारे की लाश मेरी गोद में दे दो, जैसे मैं अपने भाई की लाश को गोद में लेकर बैठी हूं। परिजनों ने घटना को सामान्य सड़क दुर्घटना मानने से इनकार करते हुए इसे जानबूझकर की गई हत्या बताया।

वहीं गणेश के परिवार की कहानी भी बेहद मार्मिक है। उनके चाचा वेदप्रकाश सोलंकी ने बताया कि गणेश से पहले परिवार में 18 बच्चे जन्मे थे, लेकिन उनमें से कोई जीवित नहीं बचा। गणेश के जन्म पर परिवार ने खुशियां मनाई थीं।

गणेश मजदूरी कर परिवार का भरण-पोषण करते थे। उनके परिवार में पत्नी आशा (39), बेटा सन्नी (15) और बेटी मोनिका (12) हैं। परिवार के इकलौते कमाने वाले सदस्य की मौत से पत्नी और बच्चों पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है।

एडिशनल डीसीपी उत्तर ने बताया कि हादसे में गणेश स्वामी की मौत हुई है। पुलिस ने घटना में प्रयुक्त थार गाड़ी जब्त कर ली है। बंधा बस्ती निवासी शाहरुख और अरशद को डिटेन किया गया है। मामले की जांच की जा रही है और दोषियों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

वहीं हालात को देखते हुए पांच थानों का पुलिस जाब्ता तैनात किया गया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए कांवटिया अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया। पुलिस अधिकारी धरने पर बैठे परिजनों और स्थानीय लोगों को समझाइश देते रहे तथा कार्रवाई का भरोसा दिलाया। देर शाम करीब 7:15 बजे धरना समाप्त हुआ।

नशे की लत के लिए पर्स लूटने वाले बदमाश दबोचे

जयपुर.। मुरलीपुरा थाना पुलिस ने राह चलते लोगों और अकेली महिलाओं को निशाना बनाकर पर्स छीनने की वारदातों को अंजाम देने वाले शातिर बदमाश और उसके साथी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से लूटी गई ज्वेलरी, छह मोबाइल फोन और वारदात में इस्तेमाल की गई लाल रंग की मोटरसाइकिल बरामद की है। पुलिस के अनुसार मुख्य आरोपी जयपुर पुलिस कमिश्नरेट के विभिन्न थाना क्षेत्रों में पर्स और मोबाइल छीनने की 50 से अधिक वारदातों को अंजाम दे चुका है। आरोपी नशे की लत पूरी करने के लिए आपराधिक वारदातें करता था, जबकि उसका साथी लूटे गए सामान को खरीदकर आगे खपाने का काम करता था। डीसीपी जयपुर पश्चिम प्रशांत किरण ने बताया कि गिरफ्तार मुख्य आरोपी शरीफ उर्फ सोनू उर्फ जट्टुल (28) निवासी मनोहरपुर हाल खोरा बीसल है। वहीं दूसरे आरोपी की पहचान दिलीप कुमार (28) निवासी किंजर जिला अरवल (बिहार) हाल खोरा बीसल के रूप में हुई है। मुख्य आरोपी शरीफ के खिलाफ विभिन्न थानों में एक दर्जन से अधिक आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस के अनुसार 9 नवंबर 2026 को परिवादिया सोनू शर्मा पत्नी चंदन शर्मा ने मुरलीपुरा थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाई थी कि वह पथ नंबर सात, मुरलीपुरा स्थित दीपा ब्यूटी पार्लर से बाहर निकल रही थीं। इसी दौरान लाल रंग की तेज रफ्तार बाइक पर सवार होकर आए बदमाश ने उनके हाथ से भूरे रंग का लेडीज पर्स छीन लिया और मौके से फरार हो गया। पर्स में मूल दस्तावेज, सोने की दो अंगूठियां, एक सोने की चेन, 25 हजार रुपए नकद और एक मोबाइल फोन रखा हुआ था। महिला की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। डीसीपी ने बताया कि घटना की गंभीरता को देखते हुए मुरलीपुरा थानाधिकारी वीरेन्द्र कुरील के नेतृत्व में विशेष पुलिस टीम गठित की गई। टीम ने घटनास्थल और आसपास के क्षेत्रों में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। इसके साथ ही तकनीकी साक्ष्यों, मुखबिर तंत्र और आरोपियों की गतिविधियों के आधार पर जांच की गई। पुलिस ने फुटेज के जरिए मुख्य आरोपी की पहचान कर उसे दस्तयाब किया। पूछताछ में सामने आया कि शरीफ पर्स और मोबाइल छीनने की वारदातों को अंजाम देता था तथा लूटा गया सामान अपने साथी दिलीप कुमार को बेच देता था। इस पर पुलिस ने दिलीप को भी गिरफ्तार कर लिया।

जमीन-कंपनी विवाद में तीन आरोपियों की गिरफ्तारी पर रोक

जयपुर (कासं)। राजस्थान हाईकोर्ट ने जमीन की खरीद-फरोख्त और कंपनी में हिस्सेदारी व इस्तीफे पर फर्जी हस्ताक्षर से जुड़े मामले में पूजा मोरदिया, महेश मोरदिया और राजेश सैनी की गिरफ्तारी पर अनुसंधान में सहयोग करने की शर्त पर रोक लगा दी है। इसके साथ ही अदालत ने जांच अधिकारी को तथ्यात्मक रिपोर्ट पेश करने को कहा है। जस्टिस उमाशंकर व्यास की एकलपीठ ने यह आदेश पूजा मोरदिया व अन्य की याचिका पर दिए।

याचिका में अधिवक्ता सुमन शर्मा ने कहा कि महेश मोरदिया ने 11 अक्टूबर 2018 को 2.83 हेक्टेयर जमीन 99.88 लाख रुपए में व्यक्तिगत रूप से खरीदी थी। इसके बाद होटल-रिसॉर्ट विकसित करने के उद्देश्य से 21 जुलाई 2022 को कंपनी का गठन किया गया और यह जमीन कंपनी को 45.50 लाख रुपए में बेच दी गई। परियोजना विकसित नहीं होने पर परिवादी ललित शुक्ला ने कथित तौर पर 24 अप्रैल 2026 को कंपनी से इस्तीफा दे दिया था। कंपनी के सीए ने इसे आरओसी के पोर्टल पर अपलोड भी किया था। वहीं बाद में परिवादी ने इस्तीफे पर अपने हस्ताक्षर फर्जी होने का आरोप लगाते हुए आरओसी कार्यालय और एनसीएलटी में कार्रवाई की।

फर्जी दस्तावेजों से जमीन का सौदा कर 69.50 लाख रु. ठगने वाले गिरफ्तार

जयपुर। बनीपार्क थाना पुलिस ने फर्जी और कूटरचित दस्तावेज तैयार कर जमीन का सौदा करने तथा परिवादी से 69 लाख 50 हजार रुपए की ठगी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने मामले में एक महिला सहित चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने फुलेरा की जमीन की वास्तविक खातेदार महिला की पुत्रवधू बनकर फर्जी आधार कार्ड के जरिए इकरारनामा किया था।



बनीपार्क पुलिस ने फर्जी दस्तावेजों से जमीन का सौदा करके 69.50 लाख रुपए ठगने वाले गिरोह के 4 लोगों को गिरफ्तार किया।

डीसीपी जयपुर पश्चिम प्रशांत किरण ने बताया कि विद्याधर नगर निवासी माधोसिंह कविया ने इस्तगासे के जरिए मामला दर्ज कराया था। परिवादी के अनुसार ग्राम फुलेरा स्थित खसरा नंबर 199/1037, रकबा 3.4394 हेक्टेयर खातेदारी भूमि का सौदा उनके पक्ष में तय हुआ था। आरोपियों ने कूटरचित दस्तावेज और फर्जी आधार कार्ड के आधार पर नर्बदाबाई नामक महिला को जमीन की मालकिन बताकर इकरारनामा किया और अलग-अलग समय पर उनसे 69.50 लाख रुपए प्राप्त कर लिए। पुलिस जांच में सामने आया कि जिस नर्बदाबाई को जमीन की मालकिन बताया गया था, वास्तविकता में उसका उस भूमि से कोई लेना-देना नहीं था। आरोपियों ने षड्यंत्रपूर्वक फर्जी आधार कार्ड तैयार कर जमीन का सौदा किया। जांच के बाद बनीपार्क थाने में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कर अनुसंधान शुरू किया गया।

पुलिस के अनुसार मुख्य आरोपी रिंकू देवी ने खुद को फुलेरा की वास्तविक खातेदार नर्बदा देवी, पत्नी स्वर्गीय दामोदर लाल शर्मा की पुत्रवधू बताया। उसने फर्जी आधार कार्ड तैयार कर अन्य आरोपियों के साथ मिलकर 16 अप्रैल 2024 को परिवादी के साथ 81 लाख 69 हजार 596 रुपए में इकरारनामा किया। इस दौरान आरोपियों ने परिवादी से कुल 69 लाख 50 हजार रुपए ऐंठ लिए। पुलिस ने मामले में रिंकू देवी (30) पत्नी हंसराज निवासी सांभर, रामस्वरूप वर्मा (55) पुत्र छोटूराम निवासी रेनवाल, हाल किरायेदार फुलेरा, पप्पू राम वर्मा (38) निवासी मोरूदा, थाना नरैना और अरविन्द सिंह (35) निवासी फुलेरा को गिरफ्तार किया है। पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर गिरोह के अन्य लोगों और ठगी से जुड़ी जानकारियां जुटा रही है।

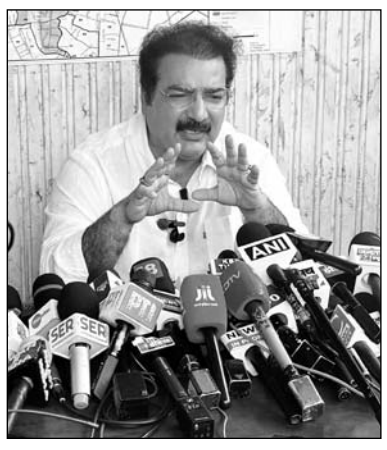
जयपुर में कब-कहां किसकी हत्या हो जाए, पता नहीं : खाचरियावास

उन्होंने दावा किया कि जयपुर में 40 से ज्यादा गैंग सक्रिय हैं और राजधानी में हत्या, लूट, चोरी, अपहरण व वसूली की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं

जयपुर। करधनी थाना इलाके में हिस्ट्रीशीटर की गैंगवार में हुई हत्या के बाद प्रदेश की कानून व्यवस्था को लेकर सियासत गरमा गई है। पूर्व कैबिनेट मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास ने अपने आवास पर प्रेस कॉन्फ्रेंस कर प्रदेश सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने दावा किया कि जयपुर में 40 से ज्यादा गैंग सक्रिय हैं और राजधानी में हत्या, लूट, चोरी, अपहरण व वसूली की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं। उन्होंने कहा कि पुलिस अपराधियों पर प्रभावी अंकुश लगाने में नाकाम साबित हो रही है। मुख्यमंत्री के पास गृह विभाग भी है, ऐसे में प्रदेश की बिगड़ती कानून व्यवस्था की जिम्मेदारी से वे कैसे बच सकते हैं।

खाचरियावास ने कहा कि मुख्यमंत्री और मंत्रियों की सुरक्षा करना सरकार के लिए अलग बात है, लेकिन सबसे बड़ा सवाल आम आदमी की सुरक्षा का है। आज जयपुर में न दुकानदार सुरक्षित है, न व्यापारी और न ही आम परिवार। कब, कहां और किसकी हत्या हो जाए, किसी को पता नहीं है। वारदात के बाद पुलिस कुछ समय सक्रिय दिखाई देती है, फिर दूसरी घटना हो जाती है। करधनी में हिस्ट्रीशीटर की हत्या कोई पहली घटना नहीं है। अपराधियों के हौसले इतने बुलंद हैं कि वे खुलेआम वारदातों को अंजाम दे रहे हैं।

पूर्व मंत्री खाचरियावास ने आरोप लगाया कि राजस्थान की जेलों में बंद अपराधी भीतर बैठकर आपराधिक घटनाओं को अंजाम दिलवा रहे हैं। प्रदेश में खुलेआम वसूली का खेल चल रहा है और माफिया बेखौफ घूम रहे हैं। सोशल मीडिया पर गैंग बनाने और गैंग के नाम से पोस्ट डालने का सिलसिला जारी है, लेकिन पुलिस की प्रभावी कार्रवाई नजर नहीं आती। उन्होंने सवाल उठाया कि आखिर पुलिस क्या कर रही है? पुलिस का इकबाल खत्म हो गया है और अपराधियों में कानून का भय नहीं रह गया है।



पूर्व मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास

थानों में जाने से डरता है आम आदमी

खाचरियावास ने पुलिस के व्यवहार पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि जयपुर के थानों में जाने से आम आदमी डरता है। शिकायत लेकर पहुंचने वाले लोगों के साथ पुलिस का व्यवहार उचित नहीं होता।

उन्होंने आरोप लगाया कि पत्रकारों के साथ भी पुलिस का रवैया ठीक नहीं है। पुलिस की जवाबदेही तय होनी चाहिए और आम आदमी को न्याय एवं सुरक्षा का भरोसा मिलना चाहिए। वर्तमान हालात में जनता खुद को असुरक्षित महसूस कर रही है।

नाइट क्लबों पर भी उठाए सवाल

एनसीआरबी के आंकड़ों का हवाला देते हुए खाचरियावास ने महिला अपराध और दुष्कर्म की घटनाओं को लेकर भी सरकार को घेरा। उन्होंने दावा किया कि गैंगवार के मामलों में राजस्थान पहले स्थान पर है और पिछले तीन वर्षों में अपराध के आंकड़ों में बढ़ोतरी हुई है। उन्होंने कहा कि एनसीआरबी के आंकड़ों के मुताबिक दुष्कर्म के मामलों में राजस्थान नंबर वन है। मुख्यमंत्री और मंत्रियों को जनता की सुरक्षा की चिंता करनी चाहिए, लेकिन सरकार का ध्यान दूसरे मुद्दों पर अधिक है। जयपुर के नाइट क्लबों के संचालन पर सवाल उठाते हुए उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार के समय क्लबों के संचालन की समय सीमा रात 11:30 बजे तक निर्धारित थी, लेकिन अब क्लब पूरी रात चल रहे हैं। वहां गलत गतिविधियां हो रही हैं और पुलिस की भूमिका भी सवालों के घेरे में है। उन्होंने आरोप लगाया कि पुलिस को बंधी देकर नियमों की अनदेखी की जा रही है। सरकार को इस मामले में सख्ती बरतनी चाहिए।

'सड़कों पर उतरकर आंदोलन करेंगे'

पूर्व मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास ने मुख्यमंत्री से कानून व्यवस्था पर जवाब मांगा। उन्होंने कहा कि सरकार बताए कि राजस्थान में आम आदमी, व्यापारियों और महिलाओं की सुरक्षा के लिए क्या कदम उठाए जा रहे हैं, यदि सरकार जवाब नहीं देती है तो वे राज्यपाल से मुलाकात करेंगे और जनता की सुरक्षा के मुद्दे पर सड़कों पर उतरकर आंदोलन करेंगे। जयपुर में गैंगों की सक्रियता, अपहरण, हत्या और वसूली की घटनाएं सरकार के लिए गंभीर चुनौती हैं।

वृद्ध महिलाओं से जेवर चुराने वाली गुजराती गैंग का भंडाफोड़

जयपुर। भांकरोटा पुलिस ने वृद्ध महिलाओं को निशाना बनाकर चोरी की वारदातें करने वाली गुजराती गैंग का पर्दाफाश करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने वारदात में प्रयुक्त ऑटो भी जब्त किया है। गिरफ्तार आरोपियों में एक ऑटो चालक और उसकी बुआ की लड़की शामिल है। गैंग की एक अन्य महिला साथी की तलाश की जा रही है। पुलिस के अनुसार आरोपियों ने जयपुर शहर में पहले भी इस तरह की कई वारदातें की हैं।



आरोपी कविता और क्रिश

डीसीपी जयपुर पश्चिम प्रशांत किरण ने बताया कि जुगल किशोर मीणा निवासी पंचवटी कॉलोनी, कमला नेहरू नगर, भांकरोटा ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उनकी वृद्ध बहन छोटा देवी भाई दूज के अवसर पर अपने ससुराल डीसीएम, अजमेर रोड से उनके घर आ रही थीं। मजार कट भांकरोटा पर उतरने के बाद वह स्लिप लाइन केशोपुरा होते हुए पैदल जा रही थीं। इसी दौरान एक ऑटो चालक ने वाहन में पहले से बैठी दो महिलाओं के साथ उन्हें रोका। आरोपियों ने वृद्ध महिला से कहा कि माताजी आप वृद्ध हैं, ऑटो में बैठ जाइए, आपको घर छोड़ देंगे। उनकी बातों में आकर महिला ऑटो की बीच वाली सीट पर बैठ गई। कमला नेहरू नगर पुलिया के पास उतरने के बाद जब उन्होंने अपना गला संभाला तो सोने की ज्वैलरी गायब मिली। तब तक आरोपी ऑटो लेकर फरार हो चुके थे। इस संबंध में भांकरोटा थाने में मामला दर्ज किया गया। इधर घटना की गंभीरता को देखते हुए भांकरोटा थानाधिकारी दीपक त्यागी के निर्देशन में विशेष टीम गठित की गई। पुलिस टीम ने तकनीकी सहायता और घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज का बारीकी से विश्लेषण किया। इसके आधार पर आरोपियों का रोडमैप तैयार कर उनकी पहचान की गई। पुलिस ने मुख्य आरोपी क्रिश और उसकी बुआ की लड़की कविता परमार को वारदात में प्रयुक्त ऑटो सहित गिरफ्तार कर लिया। पुलिस जांच में सामने आया कि गैंग के सदस्य जयपुर शहर में किराए का ऑटो लेकर घूमते थे और अकेली पैदल जा रही वृद्ध महिलाओं को निशाना बनाते थे। ऑटो में पहले से बैठी महिलाएं बुजुर्गों को घर छोड़ने का झांसा देकर वाहन में बैठा लेती थीं। इसके बाद बातचीत में उलझाकर या ध्यान भटका कर उनके गले की ज्वैलरी, पर्स में रखे रुपए और अन्य सामान चोरी कर लेते थे। वारदात के बाद आरोपी मौके से फरार हो जाते थे। भांकरोटा थानाधिकारी दीपक त्यागी ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों की पहचान क्रिश (19) निवासी कांगली जिला भावनगर, गुजरात हाल निवासी करणी विहार जयपुर तथा कविता परमार (25) निवासी पंजाब हाल निवासी करणी विहार जयपुर के रूप में की है। पुलिस गैंग की अन्य महिला साथी की तलाश कर रही है और आरोपियों से पूछताछ कर अन्य वारदातों का सुराग जुटा रही है।

सार-समाचार

235 मॉडिफाइड साइलेंसर जब्त करके रोड रोलर से नष्ट कराए



जयपुर (कासं)। सड़क पर तेज धमाकों जैसी आवाज कर आमजन में दहशत फैलाने वाले दुपहिया वाहन चालकों के खिलाफ राजस्थान पुलिस ने सख्त कार्रवाई की है। कोटा शहर में यातायात पुलिस ने विशेष अभियान चलाकर 235 दुपहिया वाहन चालकों के विरुद्ध मोटर वाहन अधिनियम के तहत कार्रवाई की और उनके वाहनों से 235 मॉडिफाइड साइलेंसर जब्त किए। जब्त साइलेंसरों को रोड रोलर चलाकर नष्ट कर दिया गया। एसपी तेजस्वनी गौतम ने बताया कि मॉडिफाइड साइलेंसर से अचानक तेज धमाकों जैसी आवाज निकलती है, जिससे राहगीरों और आमजन को परेशानी होती है। तेज आवाज से वाहन चालकों का ध्यान भी भटक सकता है, जिससे सड़क दुर्घटनाओं की आशंका बनी रहती है। ऐसे साइलेंसर लगाना नियम विरुद्ध है और मोटर वाहन अधिनियम के तहत दंडनीय है। एसपी गौतम ने बताया कि पुलिस अब मॉडिफाइड साइलेंसर का उपयोग करने वाले वाहन चालकों के साथ ही इन्हें लगाने वाले मिस्त्रियों और बेचने वाले दुकानदारों के खिलाफ भी कार्रवाई करेगी। इसके लिए वाहन चालकों से मिली जानकारी के आधार पर संबंधित मिस्त्रियों और विक्रेताओं को चिह्नित किया जाएगा।

एसपीजी महिला विंग का स्नेह मिलन



जयपुर। एसपीजी इंडिया महिला विंग की ओर से 'माया महल' में दीपावली स्नेह मिलन समारोह आयोजित किया गया। इसमें रॉक डांस, फैंसी ड्रेस, भजन गायन और सांस्कृतिक नृत्य सहित विभिन्न प्रतियोगिताएं हुईं। सदस्यों और उनके परिवारों ने उत्साह से भाग लिया। महिला विंग की अध्यक्ष गिर्राज देवी रावत ने कहा कि आज मोबाइल के बढ़ते उपयोग के कारण व्यक्तिगत और सामाजिक जुड़ाव कम हो रहा है। ऐसे आयोजनों का उद्देश्य एक-दूसरे को बेहतर जानना और आपसी संबंधों को मजबूत करना है। सांस्कृतिक नृत्य में एल.एल. गुप्ता एवं द्रोपती देवी विजेता तथा कृष्ण अवतार एवं माया देवी उपविजेता रहे। भजन गायन में रामावतार खंडेलवाल, ललित एवं चंदा देवी विजेता और राजेश दालवाला एवं विमला देवी उपविजेता रहे। रॉक डांस में अमित दालवाला एवं वीनू देवी ने प्रथम तथा अंकित दालवाला एवं शुभ्रा देवी ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता में देवेश एवं ज्योति प्रथम रहे, जबकि पुलकित, प्रियांशी, शुभांक, यशु, श्रेया, आध्या और किविका उपविजेता रहे। समारोह में एसपीजी इंडिया के अध्यक्ष प्रो. बी.डी. रावत सहित कार्यकारिणी सदस्य अरुण, जुगल किशोर, राजेश, गौरी शंकर, अवनीश, राहुल, रितेश और जयंत मौजूद रहे। इस दौरान स्वर्गीय राधेश्याम दालवाला और श्रीमती मनभरी देवी की शिक्षाओं को याद करते हुए उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया गया।

जबड़े के जोड़ की लाइव दूरबीन सर्जरी



जयपुर (कासं)। आरयूएचएस कॉलेज ऑफ डेंटल साइंसेज के ओरल एंड मैक्सिलोफेशियल सर्जरी विभाग एवं एओएमएसआई राजस्थान स्टेट चैप्टर के संयुक्त तत्वावधान में 12 और 13 नवंबर को 'टीएमजे आर्थ्रोस्कोपी' (जबड़े के जोड़ की दूरबीन सर्जरी) पर दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला आयोजित की जा रही है। उद्घाटन समारोह में एओएमएसआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. आशीष गुप्ता मुख्य अतिथि तथा आरयूएचएस प्राचार्य डॉ. मनोज अग्रवाल और राजस्थान स्टेट डेंटल काउंसिल के अध्यक्ष डॉ. होती लाल गुप्ता विशिष्ट अतिथि रहे। आयोजन सचिव डॉ. संकल्प मित्तल ने बताया कि कनाडा के वरिष्ठ सर्जन एवं कोर्स मेंटर डॉ. विक्रम प्रभाकर चिकित्सकों को बिना बड़े चीरे वाली आधुनिक दूरबीन तकनीक का प्रशिक्षण दे रहे हैं। कार्यशाला में दो लाइव सर्जरी की गईं। पहले मामले में जबड़े के जोड़ की गद्दी खिसकने से चबाते समय आवाज और दर्द की समस्या का दूरबीन तकनीक से उपचार किया गया। दूसरे मामले में गद्दी फंसने से मरीज का मुंह दो उंगलियों से भी कम खुल रहा था। दूरबीन तकनीक से जोड़ की जकड़न खोलकर मुंह का सामान्य खुलना संभव बनाया गया। ज्ञात रहे कि 12 नवंबर को आरयूएचएस में लाइव सर्जरी के साथ बनीपार्क स्थित होटल ज़ोन बाय पार्क में सीधा प्रसारण और व्याख्यान आयोजित किए गए। इसके बाद 13 नवंबर को इसी होटल में ऑपरेशन के बाद मरीजों की स्थिति का विश्लेषण किया जाएगा।

संग्रहालयों के पुनर्विकास पर चर्चा

जयपुर। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने आज पर्यटन भवन में पुरातत्व एवं संग्रहालय विभाग तथा के अधिकारियों के साथ बैठक कर प्रदेश के राजकीय संग्रहालयों में चल रहे पुनर्विकास कार्यों की विस्तृत समीक्षा की। बैठक के दौरान उपमुख्यमंत्री ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि संग्रहालयों के पुनर्विकास से जुड़े सभी कार्यों की गुणवत्ता विश्वस्तरीय मानकों के अनुरूप सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि निर्माण एवं विकास कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही या निर्धारित मानकों की अनदेखी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। दिया कुमारी ने निर्देश दिए कि कार्यों में लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों और गुणवत्ता मानकों का पालन नहीं करने वाली संबंधित एजेंसियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि प्रदेश के राजकीय संग्रहालय हमारी अमूल्य ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक धरोहर हैं। इनका संरक्षण, संवर्धन और बेहतर विकास करना हमारी जिम्मेदारी है, ताकि आने वाली पीढ़ियां भी राजस्थान की समृद्ध विरासत और गौरवशाली इतिहास से परिचित हो सकें।

"सांस" अभियान 28 फरवरी तक चलेगा

जयपुर। प्रदेश में 5 वर्ष तक के बच्चों में निमोनिया की रोकथाम, प्रभावी उपचार और जागरूकता के लिए 12 नवंबर से 28 फरवरी तक सांस अभियान संचालित किया जाएगा। साथ ही 15 से 21 नवंबर तक राष्ट्रीय नवजात सप्ताह मनाया जाएगा। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर ने बताया कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में प्रदेश सरकार बाल मृत्यु दर कम करने और बच्चों के बेहतर स्वास्थ्य के लिए प्रयासरत है। प्रमुख शासन सचिव चिकित्सा एवं स्वास्थ्य गायत्री राठौड़ के मार्गदर्शन में अभियान की तैयारियां की गई हैं। मिशन निदेशक एनएचएम डॉ. जोगाराम ने अभियान के क्रियान्वयन के लिए दिशा-निर्देश जारी किए हैं। निदेशक आरसीएच डॉ. रोमेल सिंह ने बताया कि 'निमोनिया नहीं तो बचपन सही' थीम पर जिला, ब्लॉक और सेक्टर स्तर पर जागरूकता गतिविधियां होंगी। अस्पतालों में उपचार प्रोटोकॉल, जांच उपकरण और एंटीबायोटिक दवाओं की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित की जाएगी। आशा सहयोगिनियां घर-घर जाकर बच्चों में निमोनिया के लक्षणों की पहचान, प्रारंभिक उपचार, गंभीर मामलों को अस्पताल रेफर करने और उपचार के बाद फॉलोअप का कार्य करेंगी। परियोजना निदेशक बाल स्वास्थ्य डॉ. प्रदीप चौधरी ने बताया कि तेज सांस चलना, खांसी, बुखार, दूध या तरल पदार्थ नहीं पी पाना, उल्टी, दौरे पड़ना और अत्यधिक सुस्ती गंभीर निमोनिया के लक्षण हैं। ऐसे बच्चे को तत्काल नजदीकी राजकीय अस्पताल या चिकित्सक के पास ले जाएं।

ARBiT
it happens here...



Spreading Smiles on World Kindness Day

World Kindness Day, observed on November 13, invites everyone to celebrate the simple yet profound power of being kind. It's a day to pause, reflect, and extend compassion to friends, strangers, and even ourselves. Acts of kindness, whether a compliment, a helping hand, or a thoughtful gesture, can create a ripple effect, inspiring others to pay it forward. Beyond individual actions, this day highlights the importance of empathy in building stronger, more connected communities. Celebrating kindness reminds us that small, intentional acts can brighten lives, foster understanding, and make the world a gentler, more harmonious place.

राष्ट्रदूत
FRIDAY
13 November 2026
A-B

#ADVENTURE

"Don't Go Far, Boys!"

The Air India Flight that became a Guardian Angel for two runaway boys





In 1985, two young brothers from Dublin, Keith, 10, and Noel, 13, heard their mother's voice before they left: "Don't go far, boys." But the two brothers did exactly the opposite.

They secretly set out on an extraordinary adventure. They took a train to the coast, boarded a ferry to Wales, and then continued by train towards London, avoiding conductors along the way. By the time the sun rose, the two boys had almost no money left, only a few coins in their pockets.

Eventually, they found themselves at Heathrow Airport, surrounded by the deafening roar of aircraft. For two children who had never imagined travelling so far, the airport seemed like another world.

One of the boys reportedly asked a stranger, "Where is the plane going?"

"New York," came the answer.

That was all they needed to hear.

The brothers followed the stranger and somehow managed to get through security. They told officials that their parents were right behind them and eventually found themselves aboard an Air India flight bound for New York. What began as a runaway adventure soon became an international journey.

After landing in New York, the two boys were discovered wandering around JFK Airport. When authorities approached them, the brothers explained what they had done. Instead of simply treating them as troublesome children, the airline staff stepped in to help. Air India effectively became their unexpected guardian. The boys were taken to a five-star hotel, where they were given food and a safe place to stay. Their extraordinary adventure reportedly included burgers and chips, visits to attractions, films and sightseeing. Security guards were assigned to keep watch over them while arrangements were made for their return home. For the two young travellers, New York became a world of unforgettable experiences. They saw sights they had previously only imagined and even had the chance to encounter the excitement of American popular culture.

But eventually, the adventure had to end.

After their unexpected holiday, Air India arranged for the brothers to fly back to Dublin. Instead of ending their journey stranded thousands of kilometres from home, the airline helped make sure that they returned safely to their family. What makes the story remarkable is not simply that two children managed to travel from Dublin to New York. It is the unexpected kindness that followed.

A journey that began with two boys ignoring their mother's warning and chasing an adventure across countries could have ended very differently. Instead, strangers, and an airline, stepped forward to protect them.

For Keith and Noel, Air India was no longer simply the airline that carried them across the Atlantic. For a brief and unforgettable chapter in their childhood, it became their guardian angel in the sky. And eventually, the two runaway boys were back home, hopefully ready to listen a little more carefully the next time their mother said, "Don't go far, boys."







Before White Sugar

There was *gur*, or jaggery. There were less-refined forms of crystalline sugar, including khand, and later, khandsari traditions. These forms retained more of the colour and non-sugar components naturally present in cane juice than modern highly refined white sugar. Traditional sugar-making was therefore not simply about extracting pure sucrose. It produced a family of sweeteners with different textures, colours, flavours and uses.



● Kshema Jatuhkarna

Long before refined white sugar became a kitchen staple, Indians were sweetening food with honey, flowers, fruits, jaggery and eventually crystallised sugar. The story of Indian sweetness is also a story of forests, agriculture, technology, trade and colonial change.

What did Indians use to sweeten their food before white sugar?

The answer takes us far beyond the modern sugar bowl.

Today, sugar is so deeply embedded in Indian food culture that it is easy to imagine it as an ancient, unchanging ingredient. Tea is sweetened with it, sweets are made with it, and sugar appears in everything from biscuits to packaged drinks. But the white crystalline sugar found in a modern kitchen is only the latest chapter in a much older story.

For centuries, and in some cases for millennia, people across the Indian subcontinent found sweetness in the natural world. They collected honey from forests, used sweet fruits and plant products, gathered flowers such as mahua, boiled down sugarcane juice into jaggery and eventually developed sophisticated methods for producing crystallised sugar. India's relationship with sweetness evolved. And that evolution tells us something remarkable about the history of Indian food.

Before Sugar, There Was Madhu

The earliest sweetness available to human communities did not come from a factory or even necessarily from agriculture.

It came from nature.

Honey was one of the most obvious and valuable natural sweeteners. Bees had already solved the problem of concentrating floral sugars long before humans learned to do it themselves.

Ancient Indian texts contain a rich vocabulary surrounding sweetness. The Sanskrit word *madhu* is associated with honey and sweetness and appears repeatedly in early Indian literature.

Honey could be consumed directly and used to sweeten foods and drinks. It was also valued for its medicinal and ritual associations.

But honey was not the only source of sweetness.

India's enormous ecological diversity meant that communities living in different landscapes had access to different naturally sweet resources. And among the most

#MADHU



fascinating was a tree that still grows across large parts of the subcontinent.

The Sweetness of the Mahua Flower

The *mahua* tree (Madhuca longifolia) has a special place in the food traditions of central and eastern India.

Its small flowers contain substantial amounts of natural sugars. When they fall from the tree, they can be collected, dried and stored.

For many forest-dwelling communities, mahua was not simply a flavouring.

It was food.

The flowers could be eaten or incorporated into different preparations, while their fermentable sugars also made them valuable for traditional beverages. Mahua became deeply integrated into the seasonal economy and food culture of numerous communities.

This is important because the history of Indian sweetness cannot be reduced to the history of sugarcane.

For much of India's history, sweetness was local.

It could come from whatever the landscape provided: honey from the forest, fruit from a tree, flowers gathered during a particular season or sap and juices processed by hand.

In such a food system, the forest itself could function as a pantry.

Sweetness Becomes Technology

Sugarcane changed everything. Unlike honey or naturally sweet flowers, sugarcane contained a huge quantity of sweetness, but that sweetness was locked inside a plant and diluted in its juice. The challenge was technological: **how do you get the sweetness out, concentrate it and preserve it?**

Indian sugar producers developed increasingly sophisticated methods for crushing cane, extracting its juice and boiling it down.

The simplest result was a concentrated syrup.

Boil it further, and it became thicker. Continue the process, and you could produce jaggery, *gur*.

Jaggery represented a major transformation in the history of food. Fresh sugarcane juice spoils quickly. Jaggery is concentrated, portable and relatively durable. It could be stored and transported and became an important ingredient across India's culinary traditions. It could sweeten drinks, dals, sweets, breads and festive foods. But Indian experimentation with sugarcane did not stop at jaggery.

The Remarkable Invention of Crystallised Sugar

The truly revolutionary step was crystallisation.

At some point in ancient India, sugar producers learned to separate sugar crystals from the concentrated cane juice.

This may sound ordinary today because crystalline sugar is ubiquitous. It was anything but ordinary then.

To create crystals, producers had to control concentration, temperature and cooling. The result was a form of sweetness that was more stable, transportable and tradeable than liquid cane juice.

Ancient Indian sugar-making subsequently became famous beyond the subcontinent.

The history of words itself preserves a trace of this technological journey.

The term *khand* became associated with crystallised sugar. Through linguistic transmission and trade, related forms of the word travelled westward and contributed to the history of words such as candy. The precise linguistic journey is complex, but the larger historical point is clear: India became an important centre in the early history of sugar processing and crystallisation.

From Khand to Khandsari

Indian sugar did not exist in only one form. There were different degrees of processing.

There was *gur*, or jaggery. There were less-refined forms of crystalline sugar, including khand, and later, khandsari traditions.

These forms retained more of the colour and non-sugar components naturally present in cane juice than modern highly refined white sugar.

Traditional sugar-making was therefore not simply about extracting pure sucrose. It produced a family of sweeteners with different textures, colours, flavours and uses.

Indian culinary culture adapted to all of them.

The Colonial Transformation

Then came the industrialisation of sugar. The technology of refining transformed sugar from a varied family of cane products into the highly standardised white crystals that dominate modern markets. Industrial refining could remove much of the colour and impurities associated with traditional cane sugar. The result was a product that looked very different from jaggery or traditional khand.

White sugar had several advantages for an industrial economy.

It was uniform.

It was easy to measure.

It could be transported over long distances.

It could be stored.

And, as production expanded, it became increasingly accessible to ordinary households.

Sweetness was becoming industrial.

And What Happened to Mahua?

The story of mahua took a very different path. During colonial rule, forest communities increasingly found their access to forests and forest products constrained by new systems of administration and regulation.

Mahua became particularly entangled with colonial policies concerning intoxicating substances because its flowers were widely used to produce traditional alcoholic beverages.

Regulation varied by region and period, but the broader transformation was significant.

A plant that had long been part of local food systems, seasonal economies and community life was increasingly viewed through the categories of forest administration, taxation and alcohol control.

The contrast with industrial sugar is striking.

One source of sweetness was increasingly transformed into a commercially standardised commodity. Another remained associated with forests and indigenous communities and became subject to increasing regulation.

The Long Journey to the Sugar Bowl

The story of Indian sweetness therefore stretches across an extraordinary technological journey.

From honey to flowers.

From flowers to cane.

From cane juice to jaggery.

From jaggery to crystals.

From traditional sugar to industrially refined white sugar.

Each stage changed not only what Indians ate, but how sweetness was produced, stored, traded and consumed.

And that is perhaps the most fascinating part.

The spoonful of sugar in a modern Indian kitchen is not the beginning of the story.

It is the end product of a technological tradition that stretches deep into the history of the subcontinent.

rajeshsharma1049@gmail.com



#WINE

"Bacchus"

Caravaggio is not only attempting to depict Bacchus, but also a boy dressed up as Bacchus. It is a sensual scene inviting the viewer to succumb to their carnal desires



● Bulbul Joshi

There's a man trapped inside this painting. In 1597, Caravaggio painted "Bacchus," the god of wine. But he hid something no one was supposed to find. Look at the wine carafe on the left. That tiny white shape isn't a reflection. It's Caravaggio himself, age 25, holding a paintbrush, sitting at his easel. Painted inside his own wine bottle. A restorer first noticed it in 1922. But later restorations covered it up again. For decades, no one believed it was real. Then in 2008, researchers used infrared technology to peer through 400 years of varnish, and there he was. Hiding. Waiting to be found. Caravaggio also painted himself as a sick god and as the severed head of Goliath. A man who killed someone in a street fight, fled across Italy, and died at 38 under mysterious circumstances. Even his hidden portraits tell a dark story.

Caravaggio is not only attempting to depict Bacchus, but also a boy dressed up as Bacchus. It is a sensual scene inviting the viewer to succumb to their carnal desires. The boy is youthful and handsome, round yet muscular. He barely makes an attempt to keep his robes on as he coaxes the viewer to join him with a suggestive look in his eye. In the basket, there is a bursting pomegranate as well as a rotting apple. Caravaggio uses these elements together to hint at the Vanitas theme. Youth and pleasure are fleeting. Everything must succumb to death and rot. It is also possible that the rotting apple simply represents fermentation, suggesting not only that fermentation is literally rot, but also that improper methods of fermentation lead to the personification of rot.

The homoeroticism felt in the painting could be Caravaggio alluding to his own romantic feelings for the young model in the painting. Many of Caravaggio's patrons and fellow artists turned a blind eye to his behaviour and continued to support his work. Art historian, Donald Posner, felt that the homoeroticism in the painting was actually alluding to Cardinal del Monte's sexuality and his relationships with the young boys that ran in his inner circle.

Bacchus was painted shortly after Caravaggio joined the household of his first important patron, Cardinal del Monte, and reflects the humanist interests of the Cardinal's educated circle. Caravaggio moved into the Palazzo Madama in 1596 and remained a guest of Cardinal for five years. Del Monte held a passion for the arts and requested multiple paintings from Caravaggio including Medusa. The Cardinal was a fan of classical Greek mythology and used allegorical images to emphasize his knowledge of art, music, and theater. Both Bacchus and Medusa were donated by the Cardinal to the Medici family and have remained in Florence ever since. Del Monte's early support and guidance brought wealth and recognition to Caravaggio, making him one of his most important patrons.



The model for Bacchus might have actually been Caravaggio's pupil, Mario Minniti, whom he had used as a model in The Musicians, Boy with a Basket of Fruit, The Fortune Teller, Lute Player, and The Calling of Saint Matthew. There was speculation that Caravaggio and Minniti's relationship was that of a sexual nature. Paintings that he modeled for could be seen as having a homoerotic quality. Especially in Bacchus, the lounging model is inviting the viewer into the scene with a glass of wine and a basket of ripe fruits while his robe slips off. Caravaggio was known for staging scenes, including the models and painting them in costume, doing away with the need to sketch the scene from his mind before applying paint to canvas.

Some critics, such as Giovanni Baglione, believed that Caravaggio used himself as the model. During 1595, he would have been twenty-four and could have played up his youthful features for this work. Bacchus is offering of the wine with his left hand, despite the obvious effort this is causing the model. This has led to speculation that Caravaggio used a mirror to assist himself while working from life, doing away with the need for drawing. It is believed that Caravaggio was unable to paint the human figure without a model in front of him.

Who was Caravaggio?

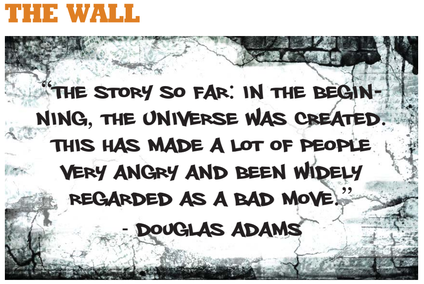
Caravaggio, also known as Michelangelo Merisi, was an Italian Baroque artist who lived from 1571 to 1610. He was known for his revolutionary use of light and shadow in his paintings, a technique called chiaroscuro.

Caravaggio's paintings often depicted religious scenes with a sense of realism and naturalism that was groundbreaking for his time. He used everyday people as models for his figures, and his work was often characterized by dramatic and intense emotions.

Despite his artistic success, Caravaggio had a tumultuous personal life and was known for his violent behaviour. He was involved in several brawls and even killed a man in a fight, which forced him to flee Rome and seek refuge in other cities.

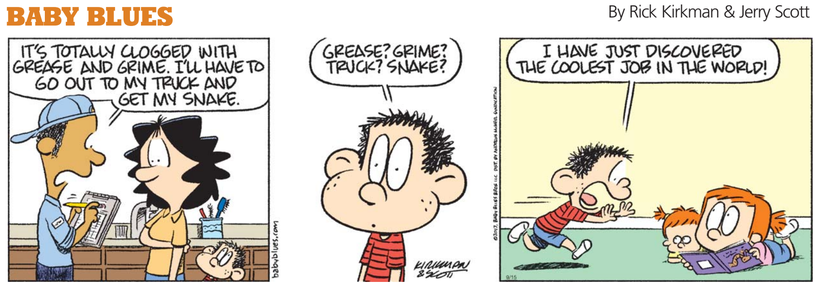
Caravaggio's legacy has endured through the centuries, with many art historians considering him one of the most influential artists in the Baroque period. His use of light and shadow has inspired many artists throughout history, and his works continue to be studied and admired today.

THE WALL



BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott



ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman



जोधपुर में कारोबारी के घर से संदिग्ध हालात में 60 लाख के जेवर चोरी

घर के ताले नहीं टूटे, अलमारी से 35 तोला सोना, 5 किलो चांदी के आभूषण चोरी

जोधपुर, (कासं)। शहर के प्रतापनगर स्थित अरिहंत नगर में एक मकान में चोरी हो गई। घर का मालिक सुबह मॉर्निंग वॉक पर गया हुआ था। बाद में पत्नी ने कॉल कर घटना की जानकारी दी। पति तुरंत घर पहुंचा। घर से 35 तोला सोना और 5 किलो चांदी के आभूषण बर्तन इत्यादि चोरी हुए हैं। प्रतापनगर पुलिस घटना को लेकर गहनता से तफ्तीश में जुटी है। पुलिस की टीमों को लगाया गया है। सीसीटीवी फुटेज से भी पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है। चोरी गए जेवरात की अनुमानित कीमत 60 लाख है। प्रथम दृष्टया मामला संदिग्ध प्रतीत होने पर गहनता से जांच की जा रही है। घटना में ताले टूटे जैसे आलामात नहीं मिले हैं।

- **घर का मालिक सुबह मॉर्निंग वॉक पर गया हुआ था, बाद में पत्नी ने कॉल कर घटना की जानकारी दी**
- **प्रतापनगर पुलिस घटना को लेकर गहनता से तफ्तीश में जुटी है, सीसीटीवी फुटेज से भी घटना का पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है**

प्रतापनगर थाने के एएसआई देवकरण ने बताया कि मकान मालिक राजेन्द्र पुंगलिया ने रिपोर्ट दी। वे कारोबार करते हैं। रिपोर्ट के अनुसार परिवादी के घर की अलमारी में उनकी पत्नी और पुत्रवधू के सोने-चांदी के आभूषण रखे हुए थे। 11 नवंबर की सुबह परिवादी मॉर्निंग वॉक पर गए हुए थे। तब करीब सुबह 8.30 बजे उनकी पत्नी का फोन आया और उन्हें तुरंत घर पहुंचने को कहा। घर पहुंचने पर पत्नी ने बताया कि अलमारी में रखे आभूषण और नकदी में से सामान गायब है।

परिवादी के अनुसार अलमारी में करीब 10 तोला सोने के कंगन, 8 तोला मोती सेट, 4 तोला डायमंड सेट, 3 तोला पोलकी सेट, 13 अंगूठियां, 1.5 तोला स्टोन सेट, 8 तोला ब्रासलेट, 5 किलो चांदी और एक लाख रुपये नकद रखे थे। जांच करने पर नकदी में से 7 हजार रुपये भी गायब मिले। परिवार के सदस्यों ने घर में काफी तलाश की, लेकिन आभूषण और अन्य सामान नहीं मिला।

एएसआई देवकरण के अनुसार घर के ताले नहीं टूटे है। आस पास सीसीटीवी फुटेज में भी फिलहाल कोई ऐसा संदिग्ध नजर नहीं आया है। परिजन से बात की जा रही है।

सरकारी योजनाओं में लोन दिलाने का झांसा देकर ठगी

जोधपुर, (कासं)। सरकारी योजनाओं के तहत व्यापारियों और औद्योगिक उद्यिमयों को कम ब्याज दर पर ऋण एवं अनुदान दिलाने का झांसा देकर लाखों रुपये की धोखाधड़ी करने का मामला सामने आया है। इस संबंध में मसूरिया निवासी सलमान खान ने तीन व्यक्तियों के खिलाफ न्यायालय में इस्तगासा पेश किया। न्यायालय के आदेश पर देवनगर थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर अनुसंधान शुरू कर दिया है।

- **5.20 लाख का फ्रॉड किया, तीन व्यक्तियों के खिलाफ मामला दर्ज**

परिवादी सलमान खान निवास, सिंधी मुस्लिम बस्ती, मसूरिया ने इस्तगासे में बताया कि वर्ष 2024 में ए.सी.ओ.लाइट टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड कंपनी के अधिकृत व्यक्तियों पुष्कर शर्मा, सौरभ वर्मा और मुहम्मद रजा ने उनसे संपर्क किया था। आरोपियों ने व्यापारियों और औद्योगिक उद्यिमयों को सरकारी योजनाओं के तहत कम ब्याज दर पर ऋण एवं अनुदान दिलाने का भरोसा दिलाया। इसके लिए पूर्व में कई फर्मों को लाखों रुपये का ऋण एवं अनुदान दिलाने के उदाहरण भी दिए गए।

परिवादी के अनुसार कंपनी ने सेवाओं के बदले मिलने वाली राशि में कमीशन और अतिरिक्त प्रोत्साहन राशि देने का लालच दिया। साथ ही तय समय में काम नहीं होने पर पूरी राशि लौटाने का आश्वासन दिया। इसी भरोसे पर परिवादी ने अपने ग्राहक एन.एस. रॉयल एंटरप्राइजेज का ऋण करवाने का काम कंपनी को सौंपा और व्हाट्सऐप पर भेजे गए भुगतान लिंक के माध्यम से ऑनलाइन राशि जमा करवाई। आरोप है कि कंपनी ने न तो तय समय में काम किया और न ही रकम वापस लौटाई। इसके बाद एचएनके सन्स के लिए व्यापारी ऋण का काम दिया गया, लेकिन आरोप है कि कंपनी ने अत्यधिक ब्याज दर पर ऋण करवाया, जिससे ग्राहक को आर्थिक नुकसान हुआ। वहीं एस.एन. हाइजीन सॉल्यूशन प्राइवेट लिमिटेड को अनुदान दिलाने के नाम पर भी करीब 5 लाख 20 हजार 970 रुपये प्राप्त करने के बावजूद कोई काम नहीं किया गया।

परिवादी ने आरोप लगाया कि बार-बार संपर्क करने के बावजूद कंपनी के प्रतिनिधि केवल आश्वासन देते रहे। बाद में फोन, व्हाट्सऐप और ई-मेल के माध्यम से संपर्क करना भी बंद कर दिया। इस संबंध में 28 नवंबर 2025 को कानूनी नोटिस भेजा गया, लेकिन उसका भी कोई जवाब नहीं मिला। परिवादी ने 25 दिसंबर 2025 को देवनगर थाने में रिपोर्ट देकर कार्रवाई की मांग की थी। इसके बाद पुलिस आयुक्त को भी शिकायत दी, लेकिन कार्रवाई नहीं होने पर न्यायालय में इस्तगासा पेश किया। न्यायालय से इस्तगासा पुलिस थाना देवनगर पहुंचने के बाद पुलिस ने मामला दर्ज किया है। थानाधिकारी कमल किशोर ने प्रकरण का अनुसंधान सहायक उपनिरीक्षक जगराम को सौंपा है। पुलिस मामले में आरोपों की जांच कर रही है।

ब्यावर कलैक्टर की पहल से टीबी रोगी को पोषण का संबल मिला

जयपुर। प्रशासनिक दायित्वों के साथ मानवीय संवेदनाओं को प्राथमिकता देते हुए ब्यावर जिला कलैक्टर कमलराम मीना ने टीबी रोगियों के स्वास्थ्य एवं उपचार को लेकर संवेदनशील पहल की। पंचायत समिति रायपुर में जिला कलैक्टर ने ग्राम खिवल निवासी टीबी रोगी भंवर लाल प्रजापत को पोषण किट प्रदान की। इस दौरान उन्होंने रोगी की कुशलक्षेम पूछते हुए उपचार के दौरान पौष्टिक आहार एवं नियमित दवा सेवन के महत्व पर जोर दिया।

- **टीबी रोगी भंवर लाल प्रजापत को पोषण किट प्रदान कर नियमित उपचार एवं पौष्टिक आहार के लिए प्रेरित किया**



पंचायत समिति रायपुर में जिला कलैक्टर ने ग्राम खिवल निवासी टीबी रोगी भंवर लाल प्रजापत को पोषण किट प्रदान की।

जिला कलैक्टर कमल राम मीना ने पोषण किट प्रदान करते हुए टीबी रोगी को नियमित रूप से दवाइयों का सेवन करने, चिकित्सकीय परामर्श का पालन करने तथा उपचार की निर्धारित अवधि पूरी करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने संतुलित एवं पौष्टिक आहार को शीघ्र स्वास्थ्य लाभ के लिए महत्वपूर्ण बताते हुए स्वास्थ्य विभाग के निरंतर संपर्क में रहने की आवश्यकता भी बताई।

जिला कलैक्टर की यह पहल टीबी रोगियों के प्रति प्रशासन की संवेदनशीलता और प्रतिबद्धता को दर्शाती है। उनके निर्देशन में टीबी उन्मूलन के प्रयासों को प्रभावी बनाने के साथ रोगियों को उपचार एवं पोषण संबंधी सहयोग उपलब्ध कराने पर विशेष जोर दिया जा रहा है। पोषण किट वितरण जैसी पहल से रोगियों का मनोबल बढ़ाने और उपचार के प्रति जागरूकता विकसित करने में मदद मिल रही है।

बूंदी में डोडा-चूरा सहित एक आरोपी गिरफ्तार

पुलिस ने तस्करी में प्रयुक्त बाइक को भी जब्त किया है

बूंदी, (निसं)। पंचायतीराज चुनावों के मद्देनजर जिले में अवैध गतिविधियों एवं मादक पदार्थों की तस्करी पर अंकुश लगाने के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत बूंदी पुलिस ने कार्रवाई की है। पुलिस अधीक्षक बूंदी अवनीश कुमार शर्मा ने बताया कि पुलिस थाना सदर एवं जिला स्पेशल टीम की संयुक्त कार्रवाई में 2 किलो 690 ग्राम अवैध मादक पदार्थ डोडा-चूरा जब्त कर एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने तस्करी में प्रयुक्त मोटरसाइकिल को भी जब्त किया है।

पुलिस अधीक्षक बूंदी अवनीश कुमार शर्मा ने बताया कि 11 नवंबर को रामनगर चौकी के सामने नाकाबंदी के दौरान बूंदी की तरफ से आ रही एक मोटरसाइकिल को रुकवाकर जांच की गई। मोटरसाइकिल के बैग में रखी प्लास्टिक की थैली में भूरे रंग का चूरा दिखाई दिया। चालक से पूछताछ करने पर वह घबराने लगा। थैली की जांच करने पर उसमें डोडा चूरा पाया गया। मादक पदार्थ के परिवहन के संबंध में चालक कोई वैध लाइसेंस अथवा दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सका। इस पर पुलिस ने आरोपी देवराज पुत्र प्रभूलाल गुर्जरनिवासी चांदा का तालाब, थाना तालेड़ा को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 2 किलो 690 ग्राम डोडा चूरा जब्त किया तथा तस्करी में प्रयुक्त मोटरसाइकिल को भी जब्त कर लिया।

निजी अस्पताल में साले ने चाकू से हमला कर जीजा की हत्या की

जीजा और साला दोनों ही सर्राफा बाजार में व्यापारी बताये गये हैं

कोटा, (निसं)। दादाबाड़ी स्थित एक ट्रस्ट के अस्पताल में भर्ती सास से मिलने पहुंचे जीजा मौलिक जैन पर आपसी कलह के चलते उसके साले कपिल जैन ने चाकू से हमला कर जीजा की हत्या कर दी।

मामले में सामने आया कि मौलिक जैन अपनी पत्नी के साथ इलाके में स्थित निजी अस्पताल में भर्ती सास से मिलने पहुंचा था, अस्पताल के आईसीयू वार्ड के बाहर ही मौलिक की उसके साले कपिल से किसी बात को लेकर कहासुनी हो गई, जिस पर कपिल जैन ने अपने जीजा मौलिक पर अचानक से चाकू से हमला कर दिया। हमले मे गंभीर रूप से घायल को चिकित्सक ने जांच के बाद मृत घोषित कर दिया। जीजा और साला दोनों ही सर्राफा बाजार में व्यापारी है। सर्राफा व्यापारी मौलिक जैन पर हुए हमले की सूचना मिलने पर सर्राफा मार्केट में सनसनी फैल गई। वहीं अस्पताल में हुए हमले की सूचना पाकर पुलिस टीम मौके पर पहुंची।

- **जीजा मौलिक जैन अपनी पत्नी के साथ इलाके में स्थित निजी अस्पताल में भर्ती सास से मिलने पहुंचा था**
- **अस्पताल के आईसीयू वार्ड के बाहर ही मौलिक की साले कपिल से किसी बात को लेकर कहासुनी हो गई**

दादाबाड़ी थानाधिकारी बलदेव राम ने बताया कि तलवंडी निवासी मौलिक जैन की सास की तबीयत बीते कुछ दिनों से खराब थी। वह गुरुवार को अपनी सास से मिलने के लिए दादाबाड़ी स्थित ट्रस्ट के अस्पताल में पत्नी के साथ पहुंचे थे, जहां पर उसके साले से कहासुनी हो गई और साले कपिल जैन ने मौलिक पर चाकू से वार किये। हमले में मौलिक जैन की मौत हो गई। मौलिक जैन सर्राफा व्यापारी था जिसकी रामपुरा में ज्वैलरी की शॉप है। थानाधिकारी ने बताया कि फिलहाल हमले के पीछे आपसी कलह का मामला सामने आ रहा है। मृतक के शव का पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों को सौंप दिया है, मामला दर्ज कर आरोपी को डिटेन कर लिया है मामले की जांच की जा रही है।

कोटा के श्रीपुरा इलाके में कबाड़ी मार्केट में भीषण आग लगी

कोटा, (निसं)। शहर के श्रीपुरा इलाके में स्थित कबाड़ी मार्केट में बुधवार देर रात्रि को अचानक से भीषण आग लग गई। भीषण आग की चपेट में आने से दो बड़ी दुकानों में रखा प्लास्टिक, लोहा, रद्दी सहित अन्य सामान जलकर खाक हो गया। कबाड़ी मार्केट में लगी आग की लपटों को देखकर लोगों ने आग लगने की सूचना अग्निशमन विभाग को दी। सूचना पाकर अग्निशमन विभाग की दमकलें मौके पर पहुंची और करीब सात दमकलों की मदद से आग पर काबू पाया गया।

अग्निशमन अधिकारी राकेश व्यास ने बताया कि बुधवार देर रात्रि को करीब डेढ़ बजे श्रीपुरा स्थित कबाड़ी मार्केट मे आग लगने की सूचना मिली थी, सूचना मिलते ही दमकल की गाड़ियों को मौके पर रवाना किया गया, भीषण आग को देखते हुए अलग-अलग फॉयर स्टेशनों से करीब सात दमकलों को मौके पर भेजा गया और दो घंटे की काफी मशक्कत के बाद भीषण आग पर काबू पाया गया।

अग्निशमन अधिकारी ने बताया कि मार्केट मे कबाड़ की बड़ी-बड़ी दुकानें है, दीपावली के कारण दुकानों मे काफी मात्रा मे कबाड़ एकत्र हो गया था, जिससे आग तेजी से फैली और एक दुकान से दुसरी दुकान तक पहुंच गई, लेकिन जब तक आग पर काबू पाया गया तब तक दो दुकानों में रखा पूरा सामान आग की चपेट में आने से जलकर खाक हो गया, अग्निशमन अधिकारी ने बताया कि आग लगने का फिलहाल कोई कारण सामने नहीं आया है। समय पर सूचना मिलने पर सात दमकलों की मदद से भीषण आग पर काबू पा लिया गया।

अलीगढ़ के आबादी क्षैत्र में लैपर्ड का मूवमेंट

टोंक, (निसं)। अलीगढ़ कस्बे सहित आसपास के ग्रामीण इलाके में पिछले 15 दिन से लैपर्ड का मूवमेंट रहने से क्षैत्र के ग्रामीण डरे हुए हैं और घरों से निकलने में हिचक रहे हैं। ग्रामीणों ने बताया कि मंगलवार देर रात को लैपर्ड अलीगढ़ के आबादी एरिया के पास देखा गया। इसके बाद लोगों में दहशत फैल गई, लोग एक दूसरे को कॉल कर सूचना देने लगे।

अलीगढ़ निवासी जनक मीणा, रईस, शहजाद, बनवारी लाल मीणा, चिरंजीलाल वर्मा ने बताया कि 15 दिन से लैपर्ड का मूवमेंट देखा जा रहा है। मंगवार की रात करीब 11 बजे भी टोंक-सवाई माधोपुर रोड की ओर पंचायत समिति कार्यालय के पास लैपर्ड देखा गया था। वन विभाग के अधिकारियों को सूचना दी लेकिन कोई कार्यवाही नहीं की गई। उन्होंने बताया कि लैपर्ड कुत्तों का शिकार कर रहे हैं, गनीमत है कि अब तक कोई जनहानि नहीं हुई है। लोगों ने जल्द वन्य जीवों का रेस्क्यू कर सुरक्षित स्थान पर छोड़ने की मांग की है अलीगढ़ के क्षेत्रीय वन अधिकारी ने कहा कि वन विभाग के उच्च अधिकारियों को अवगत करवा दिया है। जल्द टीम गठित करवा कर रेस्क्यू किया जाएगा।

हादसे में एक जने की मौत

जोधपुर, (कासं)। शहर के निकटवर्ती बनाड़ स्थित खोखरिया गांव में एक व्यक्ति पटाखे जलाते समय जांघ में गंभीर चोट लगने पर बुरी तरह घायल हो गया। परिजन उसे पहले निजी अस्पताल लेकर गए, बाद में एमडीएम अस्पताल रैफर किया गया। मगर उसकी उपचार के बीच मौत हो गई। उसके भाई की तरफ से बनाड़ थाने में मर्ग की रिपोर्ट दी गई।

बनाड़ पुलिस ने बताया कि खारीखुर्द डांगियावास हाल खोखरिया स्थित गुजरावास फाटक के नजदीक रहने वाला 45 साल का श्रवणलाल पुत्र मुकनाराम मेघवाल 9 नवंबर को दीपावली रामाश्यामा को पटाखे जला रहा था।

तब पटाखे से उसकी जांघ बुरी तरह चोटिल हो गई। इस पर परिजन उसे एक निजी अस्पताल लेकर गए। बाद में उसे एमडीएम अस्पताल में रैफर किया गया, मगर उसकी उपचार के बीच मौत हो गई। उसके भाई शंकरलाल ने मर्ग में रिपोर्ट दी। पुलिस ने शव को कार्रवाई के उपरांत परिजन के सुपुर्द किया।

होटल में खाना खाते समय छिड़ी बहस ने हिंसक रूप लिया, दो घायल

कोटपूतली, (निसं)। क्षेत्र में देर रात एक होटल में खाना खाते समय चुनावी चर्चा ने हिंसक रूप ले लिया। इस खूनी संघर्ष में दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए, जिनका राजकीय बीडीएम जिला अस्पताल में ईलाज जारी है।

जानकारी के अनुसार कैरोड़ी (राजनौता) निवासी संजय (31) पुत्र कंवरपाल सिंह व प्रदीप (33) पुत्र नौरंग सिंह देर रात एक होटल में खाना खा रहे थे। इसी दौरान वहां मौजूद कुछ लोगों के साथ चुनावों को लेकर बहस शुरू हो गई। देखते ही देखते यह मामूली कहासुनी गाली-गलौच और फिर हिंसक झड़प में बदल गई। इस हमले में संजय सिंह व प्रदीप सिंह को गंभीर चोटें आईं। दोनों घायलों को देर रात ही राजकीय बीडीएम जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका उपचार जारी है। चुनाव संपन्न होने के बावजूद गांवों में पनप रही इस आपसी रंजिश को लेकर स्थानीय लोगों में भारी चिंता और आक्रोश है। ग्रामीणों का कहना है कि असामाजिक तत्व माहौल खराब करने की कोशिश कर रहे हैं।

डूंगरपुर शहर में निजी कॉलोनाइजर पर नगर परिषद ने सख्त रुख अपनाया

डूंगरपुर, (निसं)। शहर में निजी कॉलोनियां विकसित कर भूखंड बेचने और उसके बाद आमजन को मूलभूत सुविधाओं के लिए तरसाने वाले कॉलोनाइजरों के लिए अब मुश्किलें बढ़ने वाली हैं। नगर परिषद ने ऐसे कॉलोनाइजरों के खिलाफ सख्त रुख अपनाते हुए नियमों की अनदेखी पर बड़ी कार्रवाई शुरू कर दी है। परिषद की इस कार्रवाई ने निजी कॉलोनियों में सुविधाएं विकसित करने के नाम पर लापरवाही बरतने वालों में खलबली मचा दी है।

नगर परिषद आयुक्त ललित सिंह देथा ने बताया कि निजी कॉलोनियों में मूलभूत सुविधाएं विकसित नहीं करने वाले कॉलोनाइजरों को पहले नोटिस जारी कर एक माह के भीतर आवश्यक सुविधाएं विकसित करने के निर्देश दिए गए थे। इसके बावजूद निर्देशों की पालना नहीं होने पर नगर परिषद ने अगला कदम उठाया है।

- **नोटिस के बावजूद जवाब नहीं देने पर आवंटन निरस्त करने की कार्रवाई शुरू की**

नोटिस मिला, सात दिन का मौका मिला, फिर भी नहीं दिया जवाब :- कार्यवाही के दायरे में टाइगर हील कॉलोनी की कॉलोनाइजर अनु पत्नी शांतिलाल मेहता का मामला भी सामने आया है। नगर परिषद की ओर से जारी नोटिस के बावजूद निर्धारित सात दिनों में प्रत्युत्तर प्रस्तुत नहीं किया गया। इसके बाद परिषद ने संबंधित नियमों के तहत आवंटन निरस्त करने की कार्रवाई शुरू कर दी। इस पूरे मामले में सबसे अहम बात यह है कि नगर परिषद ने राजस्थान नगरीय क्षेत्र कृषि भूमि का गैर-कृषिक प्रयोजन के लिए उपयोग की अनुज्ञा और आवंटन नियम, 2012 के नियम 24 एवं 34 के तहत आवंटन का प्रतिसंहरण करते हुए तहसीलदार डूंगरपुर के माध्यम से आबादी भूमि को वापस कृषि भूमि में परिवर्तित करने की कार्रवाई शुरू की है। नगर परिषद ने स्पष्ट किया है कि इस कार्रवाई से संबंधित समस्त जिम्मेदारी कॉलोनाइजर अनु पत्नी शांतिलाल मेहता की रहेगी, यानी कॉलोनी में मूलभूत सुविधाएं विकसित नहीं करने और नियमों की पालना नहीं करने का मामला अब सीधे प्रशासनिक कार्यवाही तक पहुंच गया है।

दो वर्षीय बेटे की हत्या का आरोपी पिता गिरफ्तार

बांसवाड़ा, (निसं)। आनंदपुरी थाना पुलिस ने दो वर्षीय मासूम बालक की निर्मम हत्या के आरोपी पिता को गिरफ्तार कर लिया है।

थानाधिकारी कपिल पाटीदार ने बताया कि गत 9 नवंबर को प्रार्थीया सुनिता पत्नि खेमराज पारगी निवासी जुनी टिम्बी ने घटनास्थल जुनी टिम्बी पर बताया कि 8 नवंबर को रात्रि लगभग 10 बजे वह छोटे बच्चे तीन वर्षीय वसन व दो वर्षीय ईलेश के साथ घर मे बैठी थी। तभी मेरा पति खेमराज पुत्र धुलिया पारगी घर पर आया एवं मेरे साथ झगड़ा करने लगा गया और मेरे दोनों छोटे बच्चे वसन व ईलेश को मारने लग गया। इस दौरान खेमराज ने छोटे बच्चे ईलेश को उठाकर जोर से नीचे पटक दिया। जिससे ईलेश की मौत हो गई। वहीं दूसरे लड़के वसन को भी चोटें आई हैं। मामले की गंभीरता को देखते हुए जिला पुलिस अधीक्षक सुधीर जोशी के निर्देशन में थानाधिकारी आनंदपुरी कपिल पाटीदार के नेतृत्व में पुलिस टीम गठित की। निरीक्षण के दौरान मौके पर खेमराज के घर में दो वर्षीय बालक का शव मिला। प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए घटनास्थल के निरीक्षण के लिए एफएसएल टीम को मौके पर बुलाया गया। एफएसएल टीम की उपस्थिति में घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण करवाया गया तथा घटनास्थल एवं शव की फोटोग्राफी करवाई गई। आवश्यक कानूनी एवं अनुसंधान संबंधी कार्यवाही कर 10 नवंबर को मृतक बालक ईलेश के शव का पोस्टमार्टम करवाकर अंतिम संस्कार के लिए परिजनों को सुपुर्द किया गया। पुलिस टीम ने घटनास्थल के आस-पास रहने वाले लोगों से पूछताछ कर साक्ष्य संकलित कर आरोपी खेमराज की तलाश कर उसे डिटेन किया। आरोपी से पूछताछ एवं अनुसंधान के दौरान जुर्म स्वीकार करने पर उसे गिरफ्तार किया गया।

मोबाइल पर बात करते छत से गिरा युवक, मौत

जोधपुर, (कासं)। शहर के मंडोर स्थित नौ मील एरिया में एक युवक मोबाइल पर बात करते हुए छत से गिर गया। पता लगने पर लोगों ने उसे अस्पताल ले जाकर भर्ती कराया, उसे बचाया नहीं जा सका। उसकी आज मौत हो गई। मृतक के पिता ने मंडोर थाने में मर्ग में रिपोर्ट दी है।

मंडोर पुलिस ने बताया कि मूलत: उत्तरप्रदेश के हरदोई स्थित माधोगंज हाल मंडोर नौ मील एरिया में रहने वाला मुकेश पुत्र श्रवण नौ नवंबर की रात को अपने किसी परिचित से फोन पर बात कर रहा था। बात करते ही घर की छत पर टहल रहा था। तब वह छत से अचानक गिर गया। गँभीर रूप से घायल होने पर उसे अस्पताल ले जाया गया। उसकी उपचार के बीच मौत हो गई। उसके पिता श्रवण कुमार की तरफ से मंडोर थाने में मर्ग की रिपोर्ट दी गई। पुलिस ने शव को कार्रवाई के बाद परिजन के सुपुर्द किया।

भीलवाड़ा के ग्राम पंचायत महुआखुर्द में सड़क के अधूरे निर्माण कार्य से परेशानी

सड़क का काम बीच में रुकने के कारण रोजाना दुर्घटनाएं हो रही हैं

भीलवाड़ा, (निसं)। जिले की बनेड़ा पंचायत समिति के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत महुआखुर्द में सड़क का अधूरा निर्माण कार्य आमजन के लिए बड़ी परेशानी का सबब बन गया है। सड़क का काम बीच में रुकने के कारण रोजाना दुर्घटनाएं हो रही हैं। इस संबंध में महुआ खुर्द की सरपंच राधिका जाट एवं समस्त ग्रामीणों ने जिला कलैक्टर एवं अध्यक्ष, डीएमएफटी भीलवाड़ा को ज्ञापन सौंपकर निर्माण कार्य को शीघ्र पूरा कराने की मांग की है।

ज्ञापन के अनुसार, डिस्ट्रिक्ट मिनरल फाउण्डेशन ट्रस्ट योजना के तहत सार्वजनिक निर्माण विभाग खंड शाहपुरा/आसींद द्वारा कमलपुरा से आरजिया तक सड़क चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण का कार्य कराया जा रहा है। महुआखुर्द पंचायत क्षेत्र में लगभग 5 किलोमीटर लंबी इस सड़क का निर्माण कार्य लगभग पूरा हो चुका है, लेकिन आरजिया क्षेत्र में पहुँचते ही यह कार्य वन विभाग द्वारा रोके जाने के कारण रुक गया है। यह अधूरा हिस्सा राजसमंद-लाडपुरा बाईपास सड़क से मात्र 700 मीटर की दूरी पर है। ग्रामीणों ने बताया कि इस 700 मीटर के रास्ते से महुआखुर्द के अलावा अन्य 20 गाँवों के लोग भी आवागमन करते हैं। सड़क का निर्माण अधूरा होने के कारण यह मार्ग हादसों का अड्डा बन गया है और रोजाना लोग दुर्घटनाओं के शिकार हो रहे हैं। इसके अलावा, यह सड़क लगभग 40 से 45 वर्ष पुरानी है, जिस पर पूर्व में कृषि मंडी एवं द्वारा गिट्टी और डामरीकरण का कार्य किया जा चुका है।



समस्या को लेकर ग्रामीण जिला कलैक्टर एवं अध्यक्ष, डीएमएफटी भीलवाड़ा को ज्ञापन देने पहुंचे।

नेशनल हाईवे-48 (भीलवाड़ा-अजमेर) पर कोठारी नदी पर यातायात बाधित होने पर इस सड़क का उपयोग अक्सर वैकल्पिक मार्ग के रूप में किया जाता है। इस मार्ग की भूमि से टेलीफोन, बिजली विभाग और चंबल की पाइपलाइन भी गुजर रही है। वर्तमान में वन विभाग द्वारा अपनी भूमि के मध्य लगभग 25 मीटर छोड़कर कच्ची फेसवाल बना दी गई है, जिससे आवागमन और अधिक दुर्गम हो गया है। ग्रामीणों और जनप्रतिनिधियों ने जिला प्रशासन से मांग की है कि जनहित एवं सुगम यातायात को ध्यान में रखते हुए इस मामले में प्राथमिकता से संज्ञान लिया जाए और वन विभाग से जुड़ी बाधा को दूर करवाकर सड़क निर्माण के आदेश दिए जाएँ।

- **बताया जा रहा है कि आरजिया क्षेत्र में पहुँचते ही यह कार्य वन विभाग द्वारा रोके जाने के कारण रुक गया है**

गबन का आरोपी उप डाकपाल गिरफ्तार

निवाई, (निसं)। जिले में वांछित अपराधियों की धरपकड़ अभियान के तहत पुलिस ने धोखाधड़ी के मामले में फरार चल रहे पूर्व उप डाकपाल कैलाशचंद मीणा निवासी करेडा बुजुर्ग, थाना दतवास को गिरफ्तार किया है। आरोपी पर उप डाकपाल के पद पर रहते हुए सरकारी दस्तावेजों में काट-छांट एवं हेराफेरी कर सरकारी राशि का दुरुपयोग करने का आरोप है।

थानाधिकारी घासीराम मीणा ने बताया कि पुलिस अधीक्षक रोशन मीणा के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रतनलाल भार्गव एवं डीवाईएसपी रविप्रकाश शर्मा के सुपरविजन में पुलिस टीम ने कार्रवाई की है। उन्होंने बताया कि आरोपी लंबे समय से फरार चल रहा था। पुलिस टीम ने तकनीकी सहायता एवं आम सूचना संकलन के आधार पर आरोपी को डिटेन कर गिरफ्तार किया है।

सार-समाचार

मानवाधिकार आयोग अध्यक्ष ने कोतवाली थाने का निरीक्षण किया

अलवर (निसं)। राजस्थान राज्य मानवाधिकार आयोग के अध्यक्ष गंगाराम मूलचंदानी ने गुरुवार को अलवर शहर कोतवाली थाने का निर्धारित निरीक्षण किया। इस दौरान थाने में दिव्यांगजनों के आवागमन के लिए रैंप की सुविधा नहीं मिलने पर उन्होंने नाराजगी जताते हुए संबंधित अधिकारियों को तत्काल रैंप बनवाने के निर्देश दिए। आयोग अध्यक्ष ने कहा कि पुलिस थानों में आने वाले प्रत्येक व्यक्ति के लिए मूलभूत सुविधाओं के साथ सुगम आवागमन की व्यवस्था होना आवश्यक है। निरीक्षण के दौरान थाने में पेयजल के लिए आरओ, शौचालय सहित अन्य व्यवस्थाएं साफ-सुथरी एवं संतोषजनक मिलीं। निरीक्षण के समय थाने में कोई गिरफ्तार व्यक्ति भी मौजूद नहीं था। इससे पहले आयोग अध्यक्ष ने जेल का निरीक्षण किया था। वहां कुछ कैदियों को पेशी की तारीख की जानकारी नहीं होने तथा उपचार संबंधी छोटी-मोटी कमियां सामने आई थीं। इस पर उन्होंने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक सुधार करने के निर्देश दिए। उन्होंने एडिशनल एसपी और सीओ से चर्चा कर पुलिस कांस्टेबलों के रहने के स्थान, बेड और पेयजल व्यवस्था का भी जायजा लिया तथा आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। वहीं, अनुसंधान अधिकारियों के बैठने के कमरों में कोई विशेष समस्या सामने नहीं आई।

महाकाल मंदिर में अन्नकूट महोत्सव 15 नवंबर को

अलवर (निसं)। स्थानीय आर्य नगर में बाल भारती स्कूल के पीछे केशव वाटिका पार्क स्थित महाकाल मंदिर में 15 नवंबर को अन्नकूट महोत्सव का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम शाम 6 बजे से शुरू होगा। श्रद्धालु सुरेश कुमार अग्रवाल एवं गौरी शंकर ने बताया कि इस अवसर पर महाकाल शिव मंदिर में गिर्राज महाराज की आकर्षक झांकी सजाई जाएगी। कार्यक्रम में अलवर नगर निगम की महापौर सुमन लता अग्रवाल का सम्मान भी किया जाएगा। उन्होंने बताया कि महोत्सव के दौरान भोले बाबा को अन्नकूट का भोग लगाया जाएगा तथा श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया जाएगा।

विदेश से एमबीबीएस कर प्रथम प्रयास में एफएमजीई परीक्षा उत्तीर्ण की

कोटपूतली (निसं)। कठिन परिश्रम, अटूट लगन और बुलंद हौसलों के दम पर कस्बे के अमाई निवासी विनीत पुत्र जयराम कसाना ने चिकित्सा के क्षेत्र में ऐतिहासिक उपलब्धि हांसिल कर क्षेत्र का मान बढ़ाया है। विनीत ने कजाकिस्तान की प्रतिष्ठित सेमेय मेडिकल यूनिवर्सिटी से एमबीबीएस की डिग्री प्राप्त करने के बाद भारत की सबसे कठिन और प्रतिष्ठित चिकित्सा परीक्षाओं में से एक एफएमजीई (फॉरेन मेडिकल ग्रेजुएट एग्जामिनेशन) परीक्षा को उत्तीर्ण किया है। नेशनल बोर्ड ऑफ एग्जामिनेशंस इन मेडिकल साईंसेज द्वारा अक्टूबर 2026 में आयोजित इस परीक्षा में विनीत की इस सफलता ने ना केवल उनके परिवार, बल्कि पूरे क्षेत्र को गौरवान्वित किया है। अब विनीत भारत में एक पंजीकृत डॉक्टर के रूप में अपनी सेवाएं देने के लिए पूरी तरह पात्र हो गए हैं। विनीत कसाना की उपलब्धि के उपलक्ष्य में बुधवार को प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए सुप्रसिद्ध अशोका कोचिंग संस्थान में भव्य सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर संस्थान के चेयरमैन शंकर लाल कसाना, निदेशक इंजी. विक्रम कसाना, इंजी. राजेश चौधरी, इंजी. योगेश चौधरी व एसीबीईओ पूरण चंद कसाना सहित कई गणमान्य नागरिकों ने विनीत का स्वागत-अभिनंदन किया।

जीवन में कभी किसी की चुगली नहीं करें : सुन्दर सागर

निवाई(निसं)। सकल दिगम्बर जैन समाज के तत्वावधान में आचार्य सुन्दर सागर महाराज संघ का पिच्छिका परिवर्तन समारोह धूमधाम से आयोजित किया गया, जिसमें 20 जैन साधु साध्वियों का पिच्छिका परिवर्तन हुआ। चातुर्मास कमेटी के विष्णु बोहरा ने बताया कि पिच्छिका परिवर्तन समारोह का मंगलाचरण बालिकाओं द्वारा किया गया। इस दौरान आचार्य सुन्दर सागर महाराज संघ में विराजमान सभी जैन साधु साध्वियों को श्रद्धालुओं ने नवीन पिच्छिका भेंट की। आचार्य सुन्दर सागर महाराज ने धर्म सभा को संबोधित करते हुए कहा कि पिच्छिका दिगम्बर जैन सन्तों का संयम का उपकरण है। जैन धर्म के अनुसार दिगम्बर जैन साधु साधुओं के पास सिर्फ संयम का उपकरण पिच्छी कमंडलु ही रहते हैं, जो जीवों की रक्षा करते हैं। उन्होंने कहा कि दिगम्बर साधु वही बन सकता है, जो निर्मल भावों को जगाता है। उन्होंने कहा कि यदि आप वात्सल्य, प्रेम व संगठन चाहते हैं, तो जीवन में कभी किसी की चुगली नहीं करें। कार्यक्रम का संचालन लब्धि दीदी, प्राप्ति दीदी एवं वंशिका दीदी ने किया।

विधायक डॉ. सुभाष गर्ग ने उच्चस्तरीय जांच की मांग की

भरतपुर (निसं)। पूर्व मंत्री एवं विधायक डॉ सुभाष गर्ग ने नगर निगम में चल रहे फर्जी पट्टा प्रकरण की उच्चस्तरीय जांच कराने के साथ ही एसीबी से पूरे प्रकरण की जांच कराने की मांग की है। पूर्व मंत्री एवं विधायक डॉ सुभाष गर्ग ने इस मामले में एसीबी जांच कराने की मांग पर जोर दिया है। विधायक डॉ सुभाष गर्ग ने कहा है मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा संवेदनशील है एवं जीरो टॉलरेंस सरकार की नीति है जिसके तहत वे इस मामले में कार्यवाही कराएंगे एवं वे स्वयं भी सीएम से मिलकर इस मामले में चर्चा करेंगे। उन्होंने कहा है कि नगर निगम में फर्जी तरीके से पट्टों का जारी होना एक गंभीर और चिंताजनक विषय है। चाहे किसी भी समय या किसी के भी कार्यकाल में फर्जी पट्टे बने हों, उसकी उच्चस्तरीय और विशेष जांच होनी चाहिए। विधायक ने बताया कि वे पहले भी इस मामले में सरकार से जांच की मांग कर चुके हैं। इस फर्जीवाड़े में जो भी निगम के अधिकारी, राजनेता या कर्मचारी शामिल हैं, उन सभी के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए। साथ ही अब तक जितने भी पट्टे जारी किए गए हैं, उन सभी की वैधता की जांच कराई जाए ताकि सच्चाई सामने आ सके। उन्होंने फर्जी पट्टा प्रकरण की जांच का दायरा बढ़ाकर असली चेहरों को सामने लाने की बात कही गई है। उन्होंने निगम द्वारा जारी किए गए दो दर्जन से अधिक पट्टे फर्जी तरीके से जारी होने के बावजूद दोषियों पर एफआईआर दर्ज नहीं होने पर भी सवाल उठाए गए हैं।

अलवर : जिला कलक्टर ने मत्स्य उत्सव की तैयारियों के संबंध में बैठक ली

अलवर (निसं)। जिला कलक्टर डॉ. आर्तिका शुक्ला ने आज कलक्ट्रेट सभागार में मत्स्य उत्सव-2026 की तैयारयों के संबंध में बैठक लेकर आमजन की सहभागिता से मत्स्य उत्सव के कार्यक्रमों एवं गतिविधयों को सम्पादित कराने के साथ उत्सव को भव्य एवं आकर्षण का केंद्र बनाने के निर्देश दिये।



जिला कलक्टर डॉ. आर्तिका शुक्ला ने कलक्ट्रेट सभागार में मत्स्य उत्सव के संबंध में बैठक ली।

■ जन सहभागिता से मत्स्य उत्सव के कार्यक्रमों एवं गतिविधयों को भव्य एवं आकर्षण का केंद्र बनाने के दिए निर्देश

जिला कलक्टर ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि 25 से 28 नवंबर तक आयोजित होने वाले मत्स्य उत्सव-2026 को भव्यता एवं आकर्षण प्रदान करने के लिए आपसी समन्वय से विविध गतिविधियों व कार्यक्रमों का समावेश करते हुए यथासमय समुचित तैयारी सुनिश्चित करें, ताकि उत्सव में अधिकाधिक जनसहभागिता सुनिश्चित हो सके। उन्होंने पुलिस अधिकारियों को मत्स्य उत्सव के दौरान कानून व्यवस्था, ट्रैफिक प्रबंधन एवं पार्किंग के समुचित इंतजाम करने के निर्देश दिए। उन्होंने नगर निगम आयुक्त को निर्देश दिये कि मत्स्य उत्सव के दौरान शहर की साफ-सफाई पर विशेष फोकस करें।

उन्होंने बताया कि 25 नवम्बर को प्रात: 5:30 बजे से श्री जगन्नाथ जी मंदिर में महा आरती कार्यक्रम के साथ मत्स्य उत्सव का आगाज होगा। इसके पश्चात प्रात: 7 बजे से कम्पनी गार्डन में योगा फॉर ऑल का आयोजन होगा, प्रात: 9 बजे से बायोडायवर्सिटी पार्क में नेचर वॉक एवं वन विभाग से संबंधित गतिविधियों का आयोजन एवं कम्पनी बाग में सांय 6 बजे से पोल मलखंब व सांय 7 बजे से कवि सम्मेलन का आयोजन होगा। इसी प्रकार 26 नवम्बर को प्रात: 7:30 बजे से नेहरू गार्डन से प्रताप बंध नाका तक साइकिल रैली का आयोजन, प्रात: 10 बजे से आरआर कॉलेज में मेहंदी-पेंटिंग एवं रंगोली प्रतियोगिता, प्रात: 11:30 बजे से आरआर कॉलेज में मूविंग कलाकारों का प्रदर्शन एवं सांय 7 बजे से महल चौक म्यूजिकल नाइट का आयोजन होगा। वहीं 25 व 26 नवम्बर को प्रात: 10 बजे से मोती डूंगरी पर स्टार गेजिंग का आयोजन होगा।

27 नवम्बर को प्रात: 7 बजे से होप सर्कस से मूसीरानी की छतरी तक हैरिटेज वॉक का आयोजन, सांय 3 बजे से होप सर्कस से सागर जलाशय तक शोभायात्रा, सांय 6 बजे से सागर जलाशय पर दीपमाला का आयोजन एवं सांय 7 बजे से महल चौक में सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन होगा। इसी प्रकार 28 नवम्बर को प्रात: 9:30 बजे से कम्पनी बाग में फ्लावर शो का आयोजन व इसी स्थान पर प्रात: 10 बजे से (डॉग, कैट, बर्ड, एग्जोटिक एनिमल्स) पेट एनिमल शो का आयोजन एवं दोपहर 1 बजे से भानगढ में लोक कलाकारों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन होगा।

बिजयनगर में बदहाल हुई यातायात व्यवस्था

बिजयनगर,(निसं)। शहर की बदहाल यातायात व्यवस्था से त्रस्त नागरिको का सब्र टूटने लगा है। शहर के मुख्य पीपली चौराहा पर दिन में कई बार लगने वाले जाम से परेशान नागरिकों ने कई बार उच्च अधिकारियों को इस संदर्भ में शिकायत किए जाने के बावजूद कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं किए जाने से शहर के हालात दिन प्रतिदिन बिगड़ रहे हैं। शहर की नगर पालिका एव प्रशासन मैं हुए बदलाव के पश्चात नागरिकों में शहर की यातायात व्यवस्था में सुधार की उम्मीद जगी थी पालिका अध्यक्ष ममता मोदी ने भी शहर की यातायात व्यवस्था में सुधार लाने की बात कही थी लेकिनअभी तक कोई क्रियान्वित्ती नहीं होने से शहर के हालात बद से बदत्तर होते जा रहे हैं। पीपली चौराहे के समीप चारो और खडे वाहन व्यापारियों द्वारा किये जाने तय सीमा से अधिक अतिक्रमण ने शहर की यातायात व्यवस्था को पूर्णतया बदहाल स्थिति में लाकर खडा कर दिया है।

बिरसा मुंडा जयंती पर होगा कार्यक्रम

करौली (निसं)। भाजपा के जिला कार्यालय पर भगवान बिरसा मुंडा की 151वीं जयंती के उपलक्ष्य में कार्यक्रम के प्रदेश संयोजक मोतीलाल ने कहा कि 15 नवंबर 2026 को धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की 151 वीं जयंती है जिसे देश जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाता है यह कार्यक्रम भाजपा के द्वारा 11 नवंबर से लेकर 23 नवंबर तक हर जनजाति बाहुल्य क्षेत्र विधानसभा मंडल में मनाया जाएगा। उन्होंने विस्तार से जानकारी देते हुए कहां कि भगवान बिरसा मुंडा का जन्म 15 नवंबर 1875 को आधुनिक झारखंड के खूंटी जिले के उलिहातू में हुआ।

अंतिम प्रशिक्षण के बाद आज रवाना होंगे मतदान दल

टोंक (निसं)। पंचायतीराज आम चुनाव के तहत राज्य निर्वाचन आयोग के निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार चौथे चरण के लिए जिले में मतदान की तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। मतदान दल आज शुक्रवार को राजकीय महाविद्यालय टोंक से अंतिम प्रशिक्षण के उपरांत संबंधित मतदान केंद्रों के लिए रवाना होंगें। मतदान दलों को अंतिम प्रशिक्षण के दौरान मतदान प्रक्रिया, ईवीएम के संचालन तथा निर्वाचन संबंधी आवश्यक दिशा-निर्देशों की जानकारी दी जाएगी। इसके बाद दलों को निर्वाचन सामग्री एवं निर्धारित व्यवस्थाओं के साथ संबंधित मतदान केंद्रों के लिए रवाना किया जाएगा। उन्होंने बताया कि 2 हजार 641 मतदान कार्मिक, 414 मतदान केन्द्रों पर मतदान प्रक्रिया संपन्न कराएगें।

■ 'प्रशिक्षण में अनुपस्थित रहने वाले कार्मिकों के विरुद्ध होगी सख्त कार्रवाई'

जिला निर्वाचन अधिकारी (कलेक्टर) टीना डाबी ने अंतिम प्रशिक्षण में अनुपस्थित रहने वाले कार्मिकों के विरुद्ध लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 की धारा 134 के तहत सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। उन्होंने चुनाव से जुड़े अधिकारियों व कार्मिकों को पंचायती राज चुनाव के चौथे चरण की निर्वाचन प्रक्रिया को स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के लिए निर्देशित किया हैं।

नवनिर्वाचित सरपंच मनोज चौधरी का पदभार ग्रहण समारोह आज

कोटपूतली, (निसं)। निकटवर्ती ग्राम पंचायत बसई के नवनिर्वाचित सरपंच मनोज चौधरी शुक्रवार को 'सशक्त बसई-समर्थ बसई' के विजन के साथ प्रात: 09:15 बजे ग्राम पंचायत कार्यालय में विधिवत् रूप से अपना पदभार ग्रहण करेंगे। इस भव्य समारोह को लेकर पूरे गांव और आसपास के क्षेत्रों में उत्साह व उत्सव जैसा माहौल है। यह आयोजन बलराम दास महाराज एवं प्रेमनाथ महाराज के पावन संत सान्निध्य में सम्पन्न होगा। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में कोटपूतली विधायक हंसराज पटेल, विराटनगर विधायक कुलदीप धनकड़ व पूर्व राज्य मंत्री राजेंद्र सिंह यादव शिरकत करेगें।

■ मर्चेंट नेवी के वैश्विक अनुभव और उच्च शिक्षा संगम के साथः बसई की तस्वीर बदलने का संकल्प, जनसेवा के ध्येय के साथ करेगें नई शुरुआत

इस अवसर पर नवनिर्वाचित ग्राम पंचायत टीम के रूप में ग्राम सचिव दिलीप कुमार शर्मा, उपसरपंच पुष्पा देवी सहित वार्ड पंच मनीषा देवी, जयमल गोठवाल, पुष्पा, कविता बाई, मीना देवी, सुगन चन्द मीणा, महेश चन्द जाट, सुभाष चन्द व विनोद भी मौजूद रहकर गांव के विकास का संकल्प लेंगे। नवनिर्वाचित सरपंच मनोज चौधरी ने कहा कि यह जीत बसई के स्वाभिमान, अस्मिता और प्रत्येक नागरिक के अटूट विश्वास की जीत है। उन्होंने समस्त बुजुर्गों, माताओं-बहनों, युवाओं और गणमान्य नागरिकों से ग्राम पंचायत कार्यालय पहुंचकर इस ऐतिहासिक क्षण का साक्षी बनने और अपना आशीर्वाद प्रदान करने की विनम्र अपील की है।

पावटा क्षेत्र में नशे का बेखौफ कारोबार, नशे के फैले जाल से युवा पीढ़ी बर्बाद

पावटा (निसं)। कस्बा क्षेत्र में अवैध शराब, गांजा और अन्य नशीले पदार्थों का कारोबार बेखौफ तरीके से फल-फूल रहा है, जिससे ग्रामीणों में भारी नाराजगी है। स्थिति यह है कि नशे का यह जाल अब केवल गलियों तक सीमित न रहकर धार्मिक स्थलों के परिसर तक फैल चुका है। क्षेत्र में अवैध शराब, गांजा और अन्य नशीले पदार्थों की बिक्री को लेकर ग्रामीणों में नाराजगी बढ़ती जा रही है। गांव के लोगों का आरोप है कि गांव के चौक-चौराहों, गली-मोहल्लों और सार्वजनिक स्थानों पर लंबे समय से नशीले पदार्थों की बिक्री चल रही है। शाम होते ही कुछ स्थानों पर शराब बिक्री के कथित अड्डों में आसपास के गांवों से भी लोग पहुंचते हैं। आरोप है कि कुछ लोगों की मिलीभगत और संरक्षण से यह कारोबार फल फूल रहा है। नशे के कारोबार को लेकर पहले भी पुलिस कार्रवाई हो चुकी है। एसपी सतवीर सिंह के निर्देश पर थाना प्रभारी भजनाराम के कार्यकाल में कार्रवाई कर कई आरोपितों को पकड़ा गया था। कुछ समय तक स्थिति नियंत्रित रही, लेकिन ग्रामीणों का दावा है कि अब नशे की गतिविधियां फिर बढ़ गई हैं। उनका कहना है कि गांव में नशीले पदार्थों की आसान उपलब्धता का सबसे ज्यादा असर किशोरों और युवाओं पर पड़ रहा है। ग्रामीणों ने बताया कि नशे का असर केवल गलियों और सार्वजनिक स्थानों तक सीमित नहीं है। धार्मिक स्थलों के आसपास इस तरह की गतिविधियों से श्रद्धालुओं में नाराजगी है। ग्रामीणों ने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच, नशीले पदार्थों की बिक्री पर प्रभावी कार्रवाई और जिम्मेदारी तय करने की मांग की है। उनका कहना है कि कार्रवाई कुछ दिनों तक सीमित रहने के बजाय लगातार होनी चाहिए।

सीकर जिले में 21 लाख 93 हजार 228 मतदाता

सीकर, (निसं)। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार अर्हता तिथि 1 जनवरी 2027 के संदर्भ में निर्वाचक नामावलियों के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम (-2027) के तहत गुरुवार को मतदाता सूचियों का प्रारूप प्रकाशन किया गया। जिला निर्वाचन अधिकारी आशीष मोदी ने बताया कि सीकर जिले में प्रारूप मतदाता सूची के अनुसार कुल 21 लाख 93 हजार 228 मतदाता पंजीकृत हैं, जिनमें पुरुष 1153131, महिला 1040078 तथा ट्रांसजेंडर मतदाता 19 है। उन्होंने बताया कि प्रारूप मतदाता सूची के प्रकाशन के साथ ही जिले के समस्त विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों की मतदाता सूचियां संबंधित निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी कार्यालयों में उपलब्ध करवाई गई हैं। जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि प्रारूप मतदाता सूचीवेबसाइट://...पर भी ऑनलाइन उपलब्ध है। कोई भी मतदाता ऑनलाइन अपना नाम मतदाता सूची में खोज सकता है। इसके अतिरिक्त सभी बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) के पास संबंधित बूथ की प्रारूप मतदाता सूची की हार्ड कॉपी उपलब्ध रहेगी।

■ जिला निर्वाचन अधिकारी आशीष मोदी ने दी जानकारी

निवाई : तहसील कार्यालय के राजस्व रिकॉर्ड में तीसरी बार लगी आग

निवाई (निसं)। कस्बे में स्थित पुरानी तहसील कार्यालय के राजस्व रिकॉर्ड में गुरूवार को सुबह करीब 10:30 बजे तीसरी बार अचानक भीषण आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया, जिसमें राजस्व रिकॉर्ड जलकर राख हो गया। गुरूवार को सुबह जब आसपास के लोगों ने तहसील भवन की खिड़कियों से धुआं व लपटें उठती देखीं, तो उन्होंने फायर स्टेशन पर घटना की सूचना दी। सूचना पर अग्निशमन केंद्र के फायरमैन देवनारायण गुर्जर, धोलूराम मीणा, लक्ष्मीनारायण गुर्जर व प्रहलाद यादव ने तत्परता दिखाते हुए दमकल के साथ घटनास्थल पहुंचे।



पुरानी तहसील कार्यालय में आग में राख हुआ राजस्व रिकॉर्ड।

तहसील कार्यालय तक जाने वाले रास्ते संकरे व तंग होने के कारण भारी अग्निशमन वाहन को अवरोध का सामना करना पड़ा। उन्होंने तुरंत प्रभाव से हौज पाइप को फैलाया और कड़ी मशक्कत के बाद पानी की बौछारें शुरू कर आग पर नियंत्रण पाने का प्रयास किया। काफी प्रयासों के बाद आग पर काबू पाया। पटवारी विरेन्द्र गुर्जर ने बताया कि आग में तहसील कार्यालय में रखी वर्ष 1991 की पुरानी राजस्व फाइलें, जाति प्रमाण पत्र, आय प्रमाण पत्र, मूल निवास प्रमाण पत्रों के अभिलेख सहित कई आवश्यक रसीदें जलकर नष्ट हो गई हैं।

तीन माह में 3.87 करोड़ का कैशलेस भुगतान

कोटा, (निसं)। पश्चिम मध्य रेलवे के कोटा मंडल में रेल टिकट खरीदने के लिए डिजिटल भुगतान की सुविधा सुचारू रूप से उपलब्ध है, रेलवे द्वारा यात्रियों को यूपीआई, क्यूआर कोड एवं अन्य डिजिटल माध्यमों से टिकट खरीदने के लिए लगातार प्रोत्साहित किया जा रहा है। अगस्त से अक्टूबर माह के दौरान मंडल में अनारक्षित टिकट प्रणाली (यूटीएस) एवं ऑटोमेटिक टिकट वेंडिंग मशीनों (एटीवीएम) के माध्यम से कुल 3,87,04,925 का डिजिटल भुगतान हुआ। इस अवधि में डिजिटल माध्यमों से 2,76,181 टिकट जारी किए गए, जिन पर 5,39,835 यात्रियों ने यात्रा की। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक सौरभ जैन ने बताया कि अक्टूबर माह में डिजिटल भुगतान के माध्यम से 85,912 टिकट जारी किए गए, जिन पर 1,67,665 यात्रियों ने यात्रा की तथा 1,18,36,555 का भुगतान प्राप्त हुआ।

नाम परिवर्तन

मैंने अपना नाम शोभा देवी से बदलकर शोभा देवी गुप्ता कर लिया है। शोभा देवी गुप्ता पत्नी सतीश कुमार गुप्ता निवासी B-18, गिरधर कॉलोनी, खेड़ा महापुरा, सीकर रोड, मुरलीपुरा, जयपुर-302039, भविष्य में मुझे शोभा देवी गुप्ता के नाम से जाना जावे।

मैं घनश्याम दास मिश्रा निवासी 129/12 लक्ष्मी नारायण मंदिर, हाथी भाटा, राम गली, अजमेर (राज.) घोषणा करता हूं कि मेरी बेटी (ऐश्वर्या मिश्रा) के दस्तावेजों में मेरा नाम गलती से घनश्याम दास दर्ज हो गई है, मेरा सही नाम घनश्याम दास मिश्रा है। द्वारा शपथ पत्र 02.11.2026 जयपुर

मैं, झाबर मल पुत्र श्री बंशीधर बलाई, निवासी 3 बलाइयों का मोहल्ला, अखेपुरा, सीकर, राजस्थान-332402, ने अपना नाम परिवर्तित कर श्रवण सिंह (SHARVAN SINGH) रख लिया है। भविष्य में मुझे श्रवण सिंह (SHARVAN SINGH) के नाम से जाना एवं पहचाना जाए। इस संबंध में राजपत्र दिनांक 27. 08.2026 में नाम परिवर्तन प्रकाशित है।

I Sumaran Singh Father of No 15232847N Rank Nk (OpR) Name-Gurjar Pawan Singh Sumaran Singh Vill- Akabarpur, PO-Shri Mahabirji, Teh- Hindaun City, Dist-Karauli PIN- 322220, Have Change my Name is Sumaran Singh to Sumaran Singh Gurjar Vide Affidavit No-FH0021681375, And Dob is 01.04.1965 to 01.01.1965 Vide Affidavit No-FH0021681378 Dated 12.11.26 Notary Public Jaipur Raj.

I Gurjar Rajanti Devi mother of No 15232847N Rank Nk (OpR) Name-Gurjar Pawan Singh Sumaran Singh Vill- Akabarpur, PO-Shri Mahabirji, Teh- Hindaun City, Dist-Karauli PIN- 322220, Have Change my Name is Gurjar Rajanti Devi to Rajanti Devi Vide Affidavit No-FH0021681376, And Dob is 03.08.1970 to 01.01.1967 Vide Affidavit No-FH0021681374, Dated 12.11.26 Notary Public Jaipur Raj.

खोया पाया

मैं राजेश वर्मा शपथ बयां करता हूँ कि मैं मेरी पत्नी के प्लाट नं. 78 बी श्रीराम कॉलोनी बी-2 बायपास का मूल शपथ पत्र मय फोटोकॉपी को श्रीराम कॉलोनी विकास समिति के सचिव से लेकर बी-2 बायपास से होते हुए अपने घर आ रहा था। जिसके दौरान वह रास्ते मे खो गए। जिनको शुन्य समझा जाए। जो मिले तो मो. 9784000171 पर सूचित करें।

आम सूचना

मैं, पुष्पेन्द्र कुमार पुत्र स्व. श्री प्रमोद कुमार, उम्र- 42 वर्ष, जाति- स्वर्णकार, निवासी- गुदडी मोहल्ला, सुनार गली, कस्बा कुम्हेर, तहसील- कुम्हेर, जिला- डीग (राजस्थान), सर्वसाधारण को सूचित करता हूँ कि मेरी पुत्री एंजिल उर्फ कन्नु उम्र 18 वर्ष गलत लोगों की संगत में पड़ गई है। वह आये दिन गलत लोगों के साथ रहती है तथा मेरे व मेरे परिवारजनों के कहने में नहीं है और ना कहना मानती है। उसको मैं कई बार समझा चुका हूँ किन्तु वह मेरा कहना नहीं मानती है, पूर्व में भी मेरी पुत्री बिना बताए घर से कहीं चली गई थी, जिसकी बाबत मेरे द्वारा दिनांक 19.06.2026 को एफ.आई.आर. संख्या 197/2026 थाना सदर, जयपुर में दर्ज कराई जा चुकी है। इसके बावजूद उसकी गतिविधियों एवं आचरण में कोई सुधार नहीं आया है। अतः मैं इस आम सूचना के माध्यम से अपनी पुत्री एंजिल उर्फ कन्नु को अपनी समस्त चल एवं अचल सम्पत्ति से बेदखल करता हूँ। आज के बाद मेरा या मेरे परिवार के किसी भी सदस्य का मेरी पुत्री से कोई संबंध/सरोकार नहीं रहेगा। यदि मेरी पुत्री कोई गलत कार्य करती है, किसी प्रकार का लेन-देन करती है, कोई अपराध कारित करती है, अथवा किसी मुकदमेबाजी में फंसती है, तो उसकी संपूर्ण जिम्मेदारी उसकी स्वयं की होगी। उससे मेरे या मेरे परिवार का कोई लेन-देन या कानूनी दायित्व नहीं होगा।

पुष्पेन्द्र कुमार
दिनांक: 12.11.2026 मो. 9414584427

उत्तर पश्चिम रेलवे

निविदा आमन्त्रण

निविदा स.: 39, **कार्य का नाम एवं स्थान:** Parcel Handling work Jodhpur Station, **कार्य की अनुमानित लागत दो वर्ष के लिए:** Rs 1,37,18,160/-, **बयाना राशि:** Rs. 2,20,000/-, **1.** पता जहाँ से निविदा फार्म प्राप्त किया जा सकता है: जीईएम (GeM) पोर्टल, **2.** टेंडर में भाग लेने हेतु अंतिम समय व दिनांक: दिनांक 26.11.2026 को 14.00 बजे तक, **3.** निविदा खोलने की तिथि एवं समय: दिनांक 27.11.2026 को 14.00 बजे, **4.** वैबसाईट जहाँ से निविदा के संबंध में पूरी जानकारी प्राप्त की जा सकती है: http://www.gem.gov.in

1623-PS/26

हमें /NWRailways NWRailways_ पर फॉलो करें

नम्बर मिलाइए 8890333139



सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

स्मार्ट पुलिसिंग में बूंदी पुलिस प्रदेश में टॉप-10 में

बूंदी, (निसं)। राजस्थान पुलिस मुख्यालय की ओर से जारी स्मार्ट पुलिसिंग रैंकिंग में हाड़ौती संभाग ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई है। इस रैंकिंग में कोटा ग्रामीण पुलिस ने 97.36 अंकों के साथ प्रदेश में प्रथम स्थान हासिल किया है, वहीं बूंदी पुलिस ने भी उल्लेखनीय उपलब्धि दर्ज करते हुए प्रदेश की टॉप-10 सूची में सातवां स्थान प्राप्त किया है। बूंदी पुलिस की इस सफलता को जिले में तकनीक आधारित पुलिसिंग, प्रशासनिक सुधार और जांच प्रक्रिया को अधिक प्रभावी एवं समयबद्ध बनाने की दिशा में किए जा रहे प्रयासों का परिणाम माना जा रहा है। पुलिस अधीक्षक अवनीश शर्मा के निर्देशन में जिले की पुलिस व्यवस्था को आधुनिक तकनीक से जोड़ने, प्रकरणों के समयबद्ध निस्तारण तथा न्यायिक प्रक्रिया में डिजिटल माध्यमों के प्रभावी उपयोग पर विशेष जोर दिया जा रहा है। पुलिस की कार्यप्रणाली में तकनीकी संसाधनों के समावेश से न केवल विभागीय कार्यों में गति आई है, बल्कि पारदर्शिता और कार्यक्षमता बढ़ाने की दिशा में भी प्रयास किए जा रहे हैं।

डिजिटल तकनीक से बदल रहा पुलिसिंग का स्वरूप: वर्तमान दौर में पुलिसिंग का स्वरूप तेजी से बदल रहा है। अपराधों की जांच और कार्रवाई अब पारंपरिक तरीकों तक सीमित नहीं रह गई है, बल्कि डिजिटल प्लेटफॉर्म और ऑनलाइन प्रणालियां पुलिस कार्यप्रणाली का महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुकी हैं।

धार्मिक स्थल के पास बना अस्थायी डंपिंग यार्ड बना मुसीबत, खुले में डाला जा रहा कचरा

पावटा (निसं)। धार्मिक स्थलों के आसपास स्वच्छता और पवित्रता बनाए रखने के दावे उस समय खोखले नजर आने लगते हैं, जब आस्था के केंद्रों के नजदीक ही गंदगी के ढेर लगा दिए जाएं। ऐसा ही मामला धार्मिक स्थल के पास बनाए गए अस्थायी डंपिंग यार्ड का सामने आया है, जो अब स्थानीय लोगों और श्रद्धालुओं के लिए परेशानी का बड़ा कारण बनता जा रहा है। यहां कचरा डालने के लिए न तो कोई उचित सुरक्षा व्यवस्था है और न ही तारबंदी की गई है। इतना ही नहीं, कचरे के वैज्ञानिक निस्तारण की भी कोई पुख्ता व्यवस्था नजर नहीं आ रही है।

ऐसे में खुले में पड़ा कचरा आमजन के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ कर रहा है। हैरानी की बात यह है कि डंपिंग यार्ड के आसपास सुरक्षा के लिए तारबंदी तक नहीं की गई है। खुले में कचरा बिखरा रहने से दुर्गंध फैल रही है। वहीं, हवा के साथ कचरा आसपास के क्षेत्र में फैलने और आवारा पशुओं के पहुंचने की आशंका बनी रहती है। कचरे का नियमित निस्तारण नहीं होने से स्थिति लगातार चिंताजनक होती जा रही है। इससे संक्रमण, मच्छर-मक्खियों और अन्य बीमारियों का खतरा भी बढ़ सकता है। धार्मिक स्थल पर प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु दर्शन और पूजा-अर्चना के लिए पहुंचते हैं, लेकिन मंदिर के नजदीक ही कचरे के ढेर और गंदगी देखकर उन्हें असहज स्थिति का सामना करना पड़ रहा है। जिस स्थान पर स्वच्छ और शांत वातावरण होना चाहिए, वहां डंपिंग यार्ड के कारण बदबू और गंदगी का माहौल बना हुआ है। इससे श्रद्धालुओं की धार्मिक भावनाएं भी आहत हो रही हैं। एक ओर नगरपालिका प्रशासन स्वच्छता व्यवस्था को लेकर अभियान चलाने और शहर को साफ-सुथरा बनाने के दावे करता है, वहीं दूसरी ओर खुले में कचरा डालने और उसके निस्तारण की समुचित व्यवस्था नहीं होने से प्रशासनिक कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े हो रहे हैं। आखिर धार्मिक स्थल के पास बिना तारबंदी और बिना उचित निस्तारण व्यवस्था के डंपिंग यार्ड संचालित करने की अनुमति कैसे दी गई? क्या जिम्मेदार अधिकारियों को इससे होने वाली परेशानियों की जानकारी नहीं है? स्थानीय लोगों और श्रद्धालुओं ने नगर पालिका प्रशासन से मांग की है कि धार्मिक स्थल के पास बनाए गए अस्थायी डंपिंग यार्ड को तत्काल हटाया जाए।



धार्मिक स्थल के पास बनाए गए अस्थायी डंपिंग यार्ड में गौवंशों का जमावड़ा।

■ ना सुरक्षा के इंतजाम, ना कचरे के निस्तारण की व्यवस्था, दुर्गंध और गंदगी से श्रद्धालु व आमजन परेशान, लोगों के स्वास्थ्य के साथ हो रहा खिलवाड़

मतदान एवं मतगणना को लेकर कोई लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी : कलैक्टर

- जिला कलेक्टर अतुल प्रकाश ने खैरथल जिला सचिवालय पर ली अधिकारियों की अहम बैठक, सभी रिटर्निंग अधिकारियों को समय पर तैयारियां पूर्ण करने के सख्त निर्देश दिए



खैरथल सचिवालय पर बैठक में अधिकारियों को निष्पक्ष और शांतिपूर्ण मतदान संपन्न करने के लिए निर्देशित करते जिला कलेक्टर अतुल प्रकाश।

खैरथल(निसं)। खैरथल तिजारा जिले में पंचायती राज के आम चुनाव के चौथे चरण के मतदान एवं मतगणना को लेकर जिला कलेक्टर अतुल प्रकाश की अध्यक्षता में गुरुवार को जिला सचिवालय खैरथल पर साप्ताहिक समीक्षा बैठक हुई। बैठक में चुनाव तैयारियों की एक-एक बिंदु पर समीक्षा की गई और सभी रिटर्निंग अधिकारियों को समय पर तैयारियां पूर्ण करने के सख्त निर्देश दिए गए। बैठक में जिला कलेक्टर अतुल प्रकाश ने जिले के विभिन्न विभागों की ओर से संचालित कार्यशील योजनाओं की प्रगति की भी समीक्षा की । जिला कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों से योजनावार अब तक हुई प्रगति की जानकारी लेते हुए निर्देश दिए कि सभी विभाग निर्धारित लक्ष्यों के अनुरूप कार्यों में तेजी लाएं तथा सभी कार्यों का क्रियान्वयन निर्धारित समय-सीमा में सुनिश्चित करें।

उन्होंने कहा कि योजनाओं की नियमित मॉनिटरिंग करते हुए कार्यों में आ रही बाधाओं का समयबद्ध निराकरण किया जाए, ताकि आमजन को योजनाओं का लाभ मिल सके। उन्होंने ने चुनाव तैयारियों की समीक्षा के दौरान अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे सुबह से ही अपने निर्धारित क्षेत्र में पहुंचकर फील्ड में व्यवस्थाओं का निरीक्षण करें तथा किसी भी प्रकार की कमी पाए जाने पर तत्काल उसका निराकरण करवाएं।

जिला कलेक्टर ने मतगणना केंद्रों पर व्यवस्थाओं की समीक्षा करते हुए काउंटिंग रूम में पर्याप्त रोशनी की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। साथ ही मतगणना केंद्र के बाहर चारों तरफ भी समुचित लाइटिंग की व्यवस्था करने को कहा गया, ताकि रात्रि के समय किसी प्रकार की परेशानी नहीं हो। निर्वाचन प्रक्रिया को सुगम बनाने के लिए स्क्रूटनी एवं नामांकन प्रक्रिया के दौरान हेल्प डेस्क स्थापित करने के निर्देश भी दिए गए।

बैठक में कलेक्टर ने निर्देशित किया की मतदान दिवस के दिन आशा सहयोगिनी सुबह 6:30 बजे तक अनिवार्य रूप से अपने निर्धारित मतदान केंद्र पर पहुंचे। इसके अतिरिक्त मतदान केंद्रों पर दिव्यांग एवं जरूरतमंद मतदाताओं की सुविधा के लिए व्हीलचेयर तथा आवश्यक मेडिकल सुविधाओं की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाएं व्यवस्था में किसी भी प्रकार की कोताही नहीं हो।

बैठक में जिला कलेक्टर की और से सभी अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों की पूर्ण पालना सुनिश्चित करते हुए सभी तैयारियां समयबद्ध तरीके से पूर्ण हो तथा मतदान एवं मतगणना कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं बरती जाए। बैठक में अतिरिक्त जिला कलेक्टर शिवपाल जाट, विशेषाधिकारी निर्वाचन ऐश्वर्यम प्रजापति, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी अरविंद गेट, जिला शिक्षा अधिकारी रमेश मेघवाल सहित विभिन्न विभागों के अधिकारीगण उपस्थित रहे।

विराटनगर : लगातार बढ़ रही चोरी के खिलाफ थाने के सामने जताया आक्रोश

- 20 तारीख तक का अल्टीमेटम
- फव्वारा चोरी और बकरी चोरी की बढ़ती घटनाओं से किसानों में आक्रोश, थानाधिकारी ने चोरों की गिरफ्तारी और माल बरामदगी का दिया आश्वासन, कार्रवाई नहीं हुई तो अनिश्चितकालीन धरने की चेतावनी

पावटा (निसं)। विराटनगर थाना क्षेत्र में लगातार बढ़ रही चोरी की वारदातों ने ग्रामीणों और किसानों की चिंता बढ़ा दी है। विद्युत ट्रांसफार्मर, खेतों में लगे फव्वारे, पाइप और पशुधन तक चोरों के निशाने पर हैं। चोरी की घटनाओं का खुलासा नहीं होने से नाराज ग्रामीणों ने अब पुलिस प्रशासन के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। इसी को लेकर विराटनगर थाने के सामने आक्रोश जताकर पुलिस प्रशासन से चोरों को गिरफ्तार करने और चोरी हुए सामान की बरामदगी की मांग की गई।

धरना-प्रदर्शन के दौरान ग्रामीणों एवं किसानों ने पुलिस प्रशासन के समक्ष क्षेत्र में लगातार हो रही फव्वारा चोरी और बकरी चोरी की घटनाओं पर गहरी नाराजगी जताई। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि चोर बेखौफ होकर किसानों की मेहनत की कमाई और ग्रामीणों के पशुधन को निशाना बना रहे हैं। आए दिन हो रही चोरी की वारदातों से आमजन परेशान हैं, लेकिन अब तक प्रभावी कार्रवाई और चोरी की घटनाओं का खुलासा नहीं होने से लोगों में रोष बढ़ता जा रहा है। धरना-प्रदर्शन के दौरान थानाधिकारी बाबूलाल मीणा ने प्रदर्शनकारियों को 20 तारीख तक चोरों को पकड़ने तथा चोरी हुए माल की बरामदगी के प्रयास करने का आश्वासन दिया। इस पर ग्रामीणों ने स्पष्ट चेतावनी दी कि यदि 20 तारीख तक चोर गिरफ्तार नहीं होते और चोरी हुए सामान की बरामदगी नहीं होती है तो पुन: विराटनगर थाने के सामने अनिश्चितकालीन धरना-प्रदर्शन शुरू किया जाएगा।

प्रदर्शनकारियों ने कहा कि जनता की मेहनत की कमाई और पशुधन की सुरक्षा पुलिस प्रशासन की जिम्मेदारी है। बार-बार चोरी की घटनाएं होना और उनका खुलासा नहीं होना पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े करता है। अब ग्रामीण केवल आश्वासन से संतुष्ट नहीं होंगे, बल्कि उन्हें ठोस कार्रवाई चाहिए। किसानों ने अपनी प्रमुख मांगें बताई जिनमें क्षेत्र में फव्वारा चोरी एवं बकरी चोरी की घटनाओं का शीघ्र खुलासा किया जाए। चोरी की वारदातों में शामिल आरोपियों को गिरफ्तार किया जाए।

चोरी हुए फव्वारों, पाइपों एवं पशुधन की जल्द बरामदगी की जाए। क्षेत्र में रात्रि गश्त प्रभावी कर चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाया जाए। ग्रामीणों ने दो टूक कहा कि यदि निर्धारित समय सीमा में पुलिस प्रशासन ठोस कार्रवाई नहीं करता है तो आंदोलन को और व्यापक रूप दिया जाएगा। जनता की आवाज को दबने नहीं दिया जाएगा और न्याय मिलने तक संघर्ष जारी रहेगा।

सार-समाचार

विधायक जसवंत यादव को श्रद्धांजलि दी



अलवर (निसं)। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी, उप मुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा एवं वन एवं पर्यावरण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संजय शर्मा ने गुरुवार को अलवर स्थित आवास पर पहुंचकर बहरोड़ विधायक एवं पूर्व मंत्री दिवंगत डॉ. जसवंत सिंह यादव को श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने दिवंगत यादव के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया तथा शोकाकुल परिजनों से मुलाकात कर अपनी संवेदनाएं व्यक्त कीं और उन्हें ढांढस बंधाया। इस दौरान पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं सांसद डॉ. महेश शर्मा, रामगढ़ विधायक सुखवंत सिंह, किशनगढ़बास विधायक दीपचंद खैरिया, महेंद्रगढ़ विधायक कंवर सिंह यादव तथा हरियाणा विधानसभा की पूर्व उपाध्यक्ष संतोष यादव ने भी दिवंगत डॉ. जसवंत सिंह यादव के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। सभी ने शोक संतप्त परिवारजनों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की।

कोलाड़ा ग्राम पंचायत सरपंच ने पदभार संभाला

बौंली -बामनवास,(निसं)। क्षेत्र की ग्राम पंचायत कोलाड़ा के नवनिर्वाचित सरपंच दयाराम बैरवा ने गुरुवार को वैदिक मंत्रोच्चार एवं विधिवत् पूजा, अर्चना के बाद अपना पदभार संभाला। इस अवसर पर उपस्थित ग्रामीणों ने सरपंच का साफा व माला पहनाकर स्वागत किया। पदभार संभालने के बाद मतदाताओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि बिना किसी भेदभाव के गांव के हर वर्ग व हर मोहल्ले का विकास किया जाएगा। साथ ही ग्रामीणों से आपसी मतभेद भुलाकर ग्राम पंचायत के विकास में एकजुट होने की अपील की। इस दौरान उप सरपंचअनीता मीणा, पूर्व सरपंच भंवर सिंह राजावत, दशरथ मीणा एवं सभी वार्ड पंच व ग्रामवासी उपस्थित थे।

मतदान कार्मिकों का तृतीय रेंडमाइजेशन सम्पन्न



टोंक (निसं)। पंचायत आम चुनाव 2026 के चौथे चरण को लेकर जिला प्रशासन एवं निर्वाचन कार्यालय की तैयारियां सुचारु रुप से चल रही हैं। जिला निर्वाचन अधिकारी टीना डाबी ने गुरुवार को एनआईसी कक्ष में मतदान कार्मिकों का तृतीय रेंडमाइजेशन किया। रेंडमाइजेशन के दौरान पंचायत आम चुनाव-2026 के लिए नियुक्त मतदान दलों के रिटर्निंग अधिकारी, मतदान अधिकारी, एपीओ-1, एपीओ-2, एपीओ-3 एवं एपीओ-4 का रेंडमाइजेशन किया गया। रेंडमाइजेशन की प्रक्रिया निर्धारित नियमों एवं निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों के अनुसार पारदर्शी एवं निष्पक्ष तरीके से सम्पन्न कराई गई। रेंडमाइजेशन प्रक्रिया के दौरान उप जिला निर्वाचन अधिकारी विनोद कुमार मीणा, जिला सूचना विज्ञान अधिकारी सुशील कुमार अग्रवाल एवं डीएमओ नितेश कुमार जैन सहित संबंधित अधिकारी एवं कार्मिक उपस्थित रहे।

उचित मूल्य दुकानदार का प्राधिकार पत्र निलंबित

अलवर (निसं)। राशन सामग्री के साथ उपभोक्ताओं को जबरन चाय पत्ती बेचने और चाय पत्ती नहीं लेने पर राशन नहीं देने के मामले में रसद विभाग ने कार्रवाई करते हुए अलवर शहर के एक उचित मूल्य दुकानदार का प्राधिकार पत्र निलंबित कर दिया है। जिला रसद अधिकारी महेश शर्मा ने बताया कि विभागीय टीम ने अलवर शहर में दया चंद जैन उचित मूल्य दुकानदार (पोस कोड 26169) की दुकान का निरीक्षण किया था। जांच के दौरान सामने आया कि दुकानदार राशन सामग्री के साथ उपभोक्ताओं को जबरदस्ती चाय पत्ती बेच रहा था। चाय पत्ती नहीं खरीदने वाले उपभोक्ताओं को राशन सामग्री देने से भी इनकार किया जा रहा था। इसके अलावा मौके पर मिली चाय पत्ती की गुणवत्ता भी खराब पाई गई। उन्होंने बताया कि यह कृत्य राजस्थान खाद्यान्न एवं आवश्यक पदार्थ (वितरण का विनियमन) आदेश, 1976 के तहत जारी प्राधिकार पत्र की शर्तों का उल्लंघन है। इसी के चलते संबंधित उचित मूल्य दुकानदार का प्राधिकार पत्र निलंबित कर दिया गया है।

राज्य निर्वाचन आयुक्त आज भरतपुर दौरे पर

भरतपुर(निसं)। भरतपुर में राज्य निर्वाचन आयुक्त राजेश्वर सिंह पंचायती राज आम चुनावों के पर्यवेक्षण के लिए 13 नवम्बर शुक्रवार को भरतपुर के दौरे पर रहेंगे। इस दौरान वे जिला स्तरीय अधिकारियों के साथ बैठक कर निर्वाचन कार्यों की प्रगति एवं चुनाव संबंधी व्यवस्थाओं की समीक्षा करेंगे तथा विभिन्न व्यवस्थाओं का जायजा लेंगे। जिला निर्वाचन अधिकारी कमर चौधरी ने बताया कि निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार राज्य निर्वाचन आयुक्त शक्रवार को प्रात: 11 बजे जयपुर से रवाना होकर भरतपुर पहुंचेंगे।

निवाई : आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं ने मतदाताओं को जागरूक किया

मतदान का दिया संदेश, महिला मतदाताओं को दिलाई मतदान की शपथ

निवाई (निसं)। पंचायतराज चुनावों को लेकर मतदाताओं को जागरूक करने के उद्देश्य से स्वीप अभियान के तहत आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं द्वारा मतदाता जागरूकता गतिविधियां आयोजित की गईं। आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं ने गांवों एवं ढाणियों में घर-घर जाकर मतदाताओं से संपर्क किया एवं उन्हें लोकतंत्र में मतदान के महत्व की जानकारी दी।

महिला एवं बाल विकास अधिकारी संगीता दीपक व महिला पर्यवेक्षक अनुजा शर्मा ने बताया कि आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं ने विशेष रूप से महिलाओं एवं युवा मतदाताओं को मतदान प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी निभाने के लिए प्रेरित किया। साथ ही सामूहिक रूप से मतदाता जागरूकता रैली एवं शपथ कार्यक्रम आयोजित कर सभी मतदाताओं को निर्भीक, निष्पक्ष एवं अनिवार्य रूप से मतदान करने का संदेश दिया। उन्होंने महिलाओं को अपने मताधिकार के प्रति जागरूक रहने व परिवार एवं आसपास के लोगों को भी मतदान के लिए प्रेरित करने की अपील की गई। स्वीप अभियान का मुख्य उद्देश्य शत-प्रतिशत मतदान सुनिश्चित करना, महिला एवं युवा मतदाताओं की भागीदारी बढ़ाना एवं लोकतांत्रिक प्रक्रिया में आमजन की सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करना है। इस अवसर पर आंगनबाडी कार्यकर्ताओं एवं ग्रामीण महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए लोकतंत्र को मजबूत बनाने में अपनी भागीदारी निभाने का संकल्प लिया।



महिला मतदाताओं को शपथ दिलाते हुए आंगनबाड़ी कार्यकर्ता।

विशाल स्काई किंग शो आज से

निवाई (निसं)। सकल जैन समाज के तत्वावधान में 14 व 15 नवम्बर को आचार्य सुन्दर सागर महाराज के 50 वें स्वर्णिम अवतरण दिवस धूमधाम से मनाया जाएगा। जिसकी तैयारियां जोर शोर पर की जा रही है। आयोजक समिति के विष्णु बोहरा ने बताया कि आचार्य ससंघ एवं आर्यिका सुलक्ष्य मति माताजी के निर्देशन में आयोजित दो दिवसीय अवतरण महोत्सव को लेकर 14 व 15 नवम्बर को प्रताप स्टेडियम में विशाल स्काई किंग शो कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि महोत्सव को लेकर अग्रवाल दिगम्बर जैन मंदिर में शनिवार को सुबह 7 बजे भगवान शांतिनाथ का महामस्काभिषेक, 9 बजे प्रवचन, 1 बजे आचार्य सन्मतिसागर विधान व शाम 7 बजे से दी रत्नात्रय शो का आयोजन होगा। रविवार को सुबह 6 बजे जिन अभिषेक क्रियाए, 5 बजे नेमीचन्द सिरस परिवार द्वारा ध्वजारोहण, आदि कार्यक्रमों का आयोजन होगा।

एक ही वार्ड के मतदाता अलग-अलग जगह करेंगे मतदान

- मतदाता मतदान से पहले अपने बूथ एवं निर्वाचन क्षेत्र की जानकारी अवश्य प्राप्त कर लें, ताकि मतदान के दौरान किसी प्रकार की असुविधा नहीं हो

निवाई (निसं)। पंचायत समिति के पुनर्गठन के बाद निर्वाचन क्षेत्रों के गठन में एक अनूठी स्थिति सामने आई है। पांच ग्राम पंचायतों के कुछ वार्डों में शामिल गांवों के मतदाताओं को अलग-अलग पंचायत समिति सदस्य निर्वाचन क्षेत्र में शामिल किया गया है। इसके चलते एक ही ग्राम पंचायत वार्ड के मतदाता अलग-अलग निर्वाचन क्षेत्रों के प्रत्याशियों के पक्ष में मतदान करेंगे। निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण पदाधिकारी एवं एसडीएम गंभीर सिंह ने बताया कि ग्राम पंचायत वनस्थली के वार्ड संख्या 14, बिडोली के वार्ड संख्या 2, सजिया के वार्ड संख्या 1, 2 व 4, हनौतिया बुजुर्ग के वार्ड संख्या 3 एवं भरथला के वार्ड संख्या 6 में यह स्थिति सामने आई है। इन वार्डों में शामिल सुरतला ढाणी, त्रिलोकपुरा, दोलतपुरा, श्रीगोविंदपुरा, महासिंहपुरा उर्फ मणुकड़ा, श्रीकपालपुरा, कनेसर, श्रीविजयपुरा, सूरिया, भरथला एवं बीड़ भरथला के मतदाताओं के मतदान बूथ अलग-अलग पंचायत समिति निर्वाचन क्षेत्रों में निर्धारित किए गए हैं। इस व्यवस्था के चलते एक ही ग्राम पंचायत वार्ड में रहने वाले मतदाताओं को पंचायत समिति चुनाव में अलग-अलग निर्वाचन क्षेत्रों के प्रत्याशियों को वोट देना होगा। उन्होंने संबंधित मतदान केंद्रों एवं निर्वाचन क्षेत्र संख्या की जानकारी देते हुए मतदाताओं का आव्हान किया है कि मतदाता मतदान से पहले अपने बूथ एवं निर्वाचन क्षेत्र की जानकारी अवश्य प्राप्त कर लें, ताकि मतदान के दौरान किसी प्रकार की असुविधा नहीं हो।

चातुर्मास के बाद मुनि पहुंचे संत भवन

अलवर (निसं)। जैन भवन में चार माह तक चातुर्मास करने के बाद जैन मुनि सौम्यसागर महाराज का गुरुवार शाम विहार हुआ। महाराज जैन भवन से विहार कर सूर्य नगर स्थित संत भवन पहुंचे। यहां रात्रि विश्राम के बाद शुक्रवार सुबह 6 बजे उनका अगला विहार होगा। चातुर्मास समिति के संयोजक अभिषेक जैन ने बताया कि मुनि सौम्यसागर महाराज के सानिध्य में पिछले चार माह के दौरान जैन भवन में अनेक धार्मिक एवं आध्यात्मिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। चातुर्मास के दौरान धर्मसभा, प्रवचन और विभिन्न धार्मिक आयोजनों के माध्यम से श्रद्धालुओं को धर्म, अहिंसा, संयम, त्याग और तपस्या का संदेश दिया गया।

इन कार्यक्रमों में जैन समाज के लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। उन्होंने बताया कि चातुर्मास के दौरान महाराज के सानिध्य में हुए आयोजनों से समाज में धार्मिक वातावरण बना रहा। विभिन्न अवसरों पर आयोजित कार्यक्रमों में बडी संख्या में श्रद्धालुओं ने शामिल होकर धर्मलाभ लिया।

आगामी पंचायतीराज चुनावों के लेकर पुलिस बल की ब्रीफिंग

- पुलिस बल को सुरक्षा व्यवस्था, कानून-व्यवस्था खोलने रखने तथा राज्य निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों का बेसबॉल से पालना करने हेतु निर्देश दिए गए

टोंक(निसं)। पंचायतीराज स्तरीय चुनाव के चौथे चरण के मतदान को शांतिपूर्ण, निष्पक्ष, एवं अनियमित माहौल में समृद्ध कराने के उद्देश्य से गुरूवार को जिला मुख्यालय स्थित रिजर्व पुलिस लाइन टोंक में पुलिस बल की एक विशेष ब्रीफिंग का आयोजन किया गया। ब्रीफिंग के दौरान जिला पुलिस अधीक्षक रोशन मीणा द्वारा चुनाव ड्यूटी में नियोजित समस्त पुलिस अधिकारियों, एवं चुनाव में नियोजित पुलिस बल को सुरक्षा व्यवस्था, कानून-व्यवस्था खोलने रखने तथा राज्य निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों का बेसबॉल से पालना करने हेतु निर्देश दिए गए। पुलिस अधीक्षक ने सभी को अवगत कराया कि पंचायतीराज चुनाव जिला टोंक में चतुर्थ चरण में पंचायत समिति निवाई, टोंक, टोडारायसिंह व मालपुरा आंशिक कुल 4 पंचायत समितियों में दिनांक 13.11.2026 से 17.11.2026 तक मतदान प्रक्रिया संपन्न होगी।

इस पंचायतीराज चुनावों में सुरक्षा प्रबंध जिला पुलिस अधीक्षक रोशन मीना के निर्देशन में प्रभारी अधिकारी रतन लाल भार्गव, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक टोंक होंगे। जिनके सहायतार्थ पुलिस सुपरवाइजरी अधिकारी, मोबाइल पर्टिया, मत्तदान केंद्र में योजनाबद्ध जाप्ता व अतिरिक्त रिजर्व पुलिस बल लगाया गया है। पुलिस प्रशासन द्वारा चुनाव को सुखद, निष्पक्ष, निष्पक्ष एवं भयमुक्त से संपन्न कराने के लिए सभी आवश्यक तैयारियां पूर्णकर ली गई हैं।

ब्रिफिंग के दौरान दिये गये महत्वपूर्ण निर्देशो में चुनाव ड्यूटी के प्रति पूर्ण संयोजकता एवं जिम्मेदारी का निर्माण करना, मतदान केंद्र को प्रभावित सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करना कानूनी एवं शांति व्यवस्था रब बनाए रखने के लिए विशेष आवश्यकता रखना निष्पक्षता एवं राजनीतिक तटस्थता बनाए रखने के निर्देश। वही मतदान दल एवं निर्वाचन अधिकारियों के साथ बेहतर संबंध में मोबाइल पार्टियों एवं रिजर्व पुलिस बल की सक्रियता सामाजिक एवं उपद्रवी तत्वों पर विशेष निगरानी एवं सोशल मीडिया पर भ्रामक सूचनाओं के प्रति सतर्कता मतदान प्रारंभ होने से लेकर एवं संग्रहण तक निरंतर सुरक्षा व्यवस्था रखना मतदान केदो पर भीड़ प्रबंधन एवं मतदाताओं की सुविधा हेतु अभियान चलाना है।

दुकान से मोबाइल चोरी, 3 लाख की साइबर ठगी

अलवर (निसं)। शहर में होम डेकोरेट दुकान संचालक के साथ साइबर ठगी का मामला सामने आया है। बदमाशों ने पहले दुकान से उसका मोबाइल चोरी किया और इसके करीब डेढ़ घंटे बाद ही उसके बैंक खातों से रकम निकालनी शुरू कर दी। पीड़ित के दोनों बैंक खातों से कई बार में करीब 3 लाख रुपए निकाल लिए गए। हैरानी की बात यह है कि पुलिस में रिपोर्ट दर्ज कराने के बाद भी उसके खाते से करीब एक लाख रुपए और निकाल लिए गए। अरावली विहार थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

विवेकानंद नगर निवासी चंद्रशेखर शर्मा की मालवीय नगर में होम डेकोरेट की दुकान है। पीड़ित ने बुधवार देर शाम अरावली विहार थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई। उसने पुलिस को बताया कि 8 नवंबर को वह अपनी दुकान पर मौजूद था। दोपहर करीब 2 बजे उसका मोबाइल चोरी हो गया। उसने आसपास काफी तलाश की, लेकिन मोबाइल का कोई पता नहीं चला। इसके बाद 10 नवंबर को वह बैंक पहुंचा और अपने खातों में हुए लेनदेन की जानकारी ली। बैंक से स्टेटमेंट निकलवाने पर उसे पता चला कि उसके दोनों बैंक खातों से कई बार में करीब 3 लाख रुपए निकाले जा चुके हैं। पीड़ित के अनुसार, मोबाइल चोरी होने के करीब डेढ़ घंटे बाद ही खातों से रकम निकालने का सिलसिला शुरू हो गया था। चंद्रशेखर शर्मा ने बताया कि बैंक खातों से रकम निकलने की जानकारी मिलने पर उसने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई, लेकिन रिपोर्ट दर्ज कराने के बाद भी उसके खाते से करीब एक लाख रुपए और निकाल लिए गए। इससे उसे और आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा। पुलिस ने पीड़ित की रिपोर्ट के आधार पर मामला दर्ज कर मोबाइल चोरी और बैंक खातों से हुए संदिग्ध लेनदेन की जांच शुरू कर दी है। पुलिस यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि मोबाइल चोरी करने के बाद बदमाशों ने बैंक खातों तक पहुंच कैसे बनाई और रकम किन खातों में ट्रांसफर की गई।

दिवाकरी में अवैध प्लॉटिंग और निर्माण पर चला नगर विकास न्यास का बुलडोजर

न्यास के क्षेत्राधिकार में आने वाले ग्राम दिवाकरी के विभिन्न खसरा नंबरों पर कृषि भूमि को बिना भू-उपयोग परिवर्तन कराए सड़क डालकर विकसित किया जा रहा था

- सचिव महावर ने आमजन से अपील की कि गैर अनुमोदित एवं बिना भू-उपयोग परिवर्तन वाली कृषि भूमि पर विकसित की गई प्लॉटिंग में भूखंड नहीं खरीदें

अलवर,(निसं)। नगर विकास न्यास के अतिक्रमण निरोधक दस्ते ने गुरुवार को ग्राम दिवाकरी में अवैध प्लॉटिंग एवं निर्माण के खिलाफ कार्रवाई करते हुए कृषि भूमि पर विकसित की जा रही अवैध कॉलोनी में सड़क और अन्य निर्माणों को ध्वस्त कर दिया। संबंधित भूमि पर न्यास की स्वीकृति और भू-संपरिवर्तन कराए बिना प्लॉटिंग की जा रही थी।

नगर विकास न्यास की सचिव बीना महावर ने बताया कि न्यास के क्षेत्राधिकार में आने वाले ग्राम दिवाकरी के विभिन्न खसरा नंबरों पर कृषि भूमि को बिना भू-उपयोग परिवर्तन कराए सड़क डालकर विकसित किया जा रहा था। इनमें खसरा नंबर 30, 304 से 307, 311 व 12, 465 से 467, 470, 326 व 327, 448 से 451, 459 से 464, 468 व 469 सहित अन्य भू-भाग शामिल हैं। न्यास की टीम ने मौके पर पहुंचकर अवैध प्लॉटिंग एवं निर्माण को ध्वस्त करने की कार्रवाई की।

उन्होंने बताया कि संबंधित भूमि पर विकसित की जा रही अवैध प्लॉटिंग के खसरा नंबरों के विरुद्ध राजस्थान काश्तकारी अधिनियम की धारा 177 के तहत कार्रवाई भी प्रक्रियाधीन है।

सचिव महावर ने आमजन से अपील की कि गैर अनुमोदित एवं बिना भू-उपयोग परिवर्तन वाली कृषि भूमि पर विकसित की गई प्लॉटिंग में भूखंड नहीं खरीदें। ऐसी भूमि पर निवेश करने से भविष्य में परेशानी हो सकती है। उन्होंने स्पष्ट किया कि न्यास द्वारा इस तरह की अवैध प्लॉटिंग को चिह्नित कर उनके विरुद्ध लगातार कार्रवाई की जाएगी।



अतिक्रमण निरोधक दस्ते ने ग्राम दिवाकरी में अवैध प्लॉटिंग एवं निर्माण के खिलाफ कार्रवाई की।

ऑयल मिल में आग लगी, मशक्कत के बाद पाया काबू



मील में लगी आग को बुझाते हुए फायरमैन।

निवाई (निसं)। ललवाड़ी रोड पर स्थित अग्रसेन ऑयल मिल में बुधवार शाम को अज्ञात कारणों से मूंगफली के छिलकों के ढेर में अचानक भीषण आग लग गई, जिससे मिल में अफरा-तफरी का मच गई। मिल में काम कर रहे श्रमिकों ने जैसे ही छिलकों के ढेर से धुआं व आग की लपटें उठती देखीं, तो उन्होंने तुरंत अपने स्तर पर पानी व अन्य संसाधनों से आग बुझाने का प्रयास किया। सूखे छिलकों के कारण आग ने देखते ही देखते विकराल रूप ले लिया एवं बेकाबू हो गई। स्थिति को हाथ से निकलता देख मिल प्रशासन एवं श्रमिकों ने आग की सूचना निवाई फायर स्टेशन को दी। सूचना पर फायरमैन अजय यादव, सुरेश मीणा व चालक हरिनारायण मीणा दमकल वाहन के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। मौके पर पहुंचते ही दमकल कर्मियों को बेहद चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों का सामना करना पड़ा, क्योंकि आग एक बंद गोदाम के भीतर लगी हुई थी। गोदाम में मूंगफली के छिलकों के बड़े-बड़े ढेर लगे होने के कारण वहां से लगातार आग की तेज लपटें व दम घोंटने वाला जहरीला धुआं बाहर निकल रहा था, जिससे अंदर घुसकर आग बुझाना बेहद जोखिम भरा हो गया था। इसके बावजूद दमकल टीम ने साहस व सूझबूझ का परिचय देते हुए लगातार पानी की बौछारें डालकर आग को फैलने से रोका एवं करीब एक घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। फायरमैन अजय यादव ने बताया कि अग्रसेन मिल में मूंगफली से तेल निकालने का कार्य किया।



मौजूदा परिस्थितियों में केएल राहुल दिल्ली कैपिटल्स की कप्तानी के प्रबल दावेदार हो सकते हैं। यह बहुविकल्पीय प्रश्न जैसा है कि कप्तान कौन होगा? ऋषभ पंत कप्तानी के दावेदार रहे हैं, केएल राहुल भी एक विकल्प हैं।

- आकाश चोपड़ा

पूर्व भारतीय क्रिकेटर, दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान को लेकर।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी



केविन मैलॉय

केविन मैलॉय को न्यूजीलैंड क्रिकेट (एनजेडसी) का नया अध्यक्ष चुना गया है। डायना पुकेतापु-लिंडन के बोर्ड से हटने के बाद 132वीं वार्षिक आम बैठक के तुरंत बाद हुई बोर्ड की बैठक में मैलॉय को यह जिम्मेदारी सौंपी गई। पुकेतापु-लिंडन ने निदेशक के रूप में अधिकतम नौ वर्ष का कार्यकाल पूरा करने के बाद पद छोड़ा है। नए अध्यक्ष के रूप में नियुक्ति के बाद मैलॉय ने कहा, मैं सबसे पहले डायना को धन्यवाद देना चाहता हूं, जिन्होंने इस बोर्ड को नौ वर्ष की सेवाएं दीं और खेल के हालिया इतिहास के सबसे चुनौतीपूर्ण दौर में वास्तविक साहस के साथ नेतृत्व किया।

क्या आप जानते हैं ?... भारत ने 2 बार (1983 - कपिल देव की कप्तानी में और 2011 - एमएस धोनी की कप्तानी में) वनडे विश्व कप जीता है।

युवा ओलंपिक में अंबेकर मीतेई ने रचा इतिहास, भारत को मुक्केबाजी में पहला स्वर्ण



डकार, 12 नवंबर। भारतीय मुक्केबाज लैरेनलाकपम अंबेकर मीतेई ने गुरुवार को इतिहास रचते हुए 2026 युवा ओलंपिक में देश को मुक्केबाजी का पहला स्वर्ण पदक दिलाया। मणिपुर के इस मुक्केबाज ने पुरुषों के 50 किलोग्राम भार वर्ग के फाइनल में आयरलैंड के क्रिस्टियन जुबानी को 3-2 से हराकर यह उपलब्धि हासिल की। डकार में जारी इन खेलों में भारत का यह पहला स्वर्ण पदक भी है। फाइनल मुकाबले में मीतेई की शुरुआत अच्छी नहीं रही। पहले राउंड में पांचों जजों ने आयरिश मुक्केबाज के पक्ष में फैसला दिया, जिससे भारतीय खिलाड़ी दबाव में आ गए। हालांकि, उन्होंने दूसरे राउंड में शानदार वापसी की और तीन जजों का समर्थन हासिल किया। निर्णायक तीसरे राउंड में मीतेई ने अपना प्रदर्शन और बेहतर किया। चार जजों ने उन्हें बेहतर मुक्केबाज माना और इस तरह उन्होंने 3-2 से मुकाबला जीतकर स्वर्ण पदक अपने नाम कर लिया।

जयपुर में लगेगा हरमनप्रीत कौर का वैक्स स्टैच्यू



जयपुर, 12 नवंबर। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर की उपलब्धियों को अब जयपुर में स्थायी पहचान मिलने जा रही है। महिला क्रिकेट में देश को पहली बार वनडे विश्व कप का खिताब दिलाने वाली कप्तान हरमनप्रीत कौर का वैक्स स्टैच्यू जयपुर के राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में स्थापित किया जाएगा। नाहरगढ़ स्थित हिस्टॉरिका म्यूजियम की ओर से तैयार की गई इस प्रतिमा का अनावरण शुक्रवार को हरमनप्रीत कौर स्वयं करेंगी। गौरतलब है कि भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने 2 नवंबर 2025 को हरमनप्रीत कौर की कप्तानी में पहली बार आईसीसी महिला वनडे विश्व कप का खिताब जीतकर इतिहास रचा था। इस ऐतिहासिक उपलब्धि के बाद ही जयपुर के हिस्टॉरिका म्यूजियम की ओर से हरमनप्रीत कौर का वैक्स स्टैच्यू बनाने की घोषणा की गई थी। म्यूजियम में उन व्यक्तित्वों के वैक्स स्टैच्यू लगाए जाते हैं, जिन्होंने अपने कार्यों और उपलब्धियों से समाज को प्रेरित किया है। हरमनप्रीत कौर ने भारतीय महिला क्रिकेट टीम को विश्व विजेता बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनकी कप्तानी में मिली इस ऐतिहासिक सफलता ने देशभर की युवा लड़कियों को क्रिकेट में करियर बनाने के लिए प्रेरित किया है।

अंडर-23 टी-20 चैलेंजर ट्रॉफी में दौसा के देवकृत और सचिन का चयन





दौसा, 12 नवंबर। राजस्थान क्रिकेट संघ की ओर से 13 नवंबर से जयपुर में आयोजित होने वाली अंडर-23 पुरुष टी-20 चैलेंजर प्रतियोगिता के लिए दौसा जिले के दो खिलाड़ियों देवकृत शर्मा और सचिन शर्मा का चयन हुआ है। प्रतियोगिता में प्रदेशभर के करीब 60 खिलाड़ी हिस्सा लेंगे। जिला क्रिकेट संघ के सचिव बृज किशोर उपाध्याय ने बताया कि दोनों खिलाड़ियों ने राजस्थान स्टेट अंडर-23 चैंपियनशिप में दौसा जिले का प्रतिनिधित्व करते हुए शानदार प्रदर्शन किया था। देवकृत शर्मा ने तीन मैचों में दो शतक लगाए, जबकि सचिन शर्मा ने तीन मैचों में एक शतक बनाने के साथ गेंदबाजी में भी प्रभावशाली प्रदर्शन किया। इसी प्रदर्शन के आधार पर दोनों को चैलेंजर प्रतियोगिता में जगह मिली है। उपाध्याय ने बताया कि चैलेंजर प्रतियोगिता में बेहतर प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को बीसीसीआई की ओर से आयोजित होने वाली अंडर-23 पुरुष राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए राजस्थान टीम में चयन का अवसर मिलेगा।

अंडर-19 एशिया कप के फाइनल में भारत

सेमीफाइनल में अफगानिस्तान को आठ विकेट से हराया

खिताबी मुकाबले में पाक से होगी भिड़ंत



मस्कट, 12 नवंबर। भारतीय टीम ने गुरुवार को अंडर-19 एशिया कप के सेमीफाइनल में अफगानिस्तान को आठ विकेट से हराकर फाइनल में जगह बना ली। लक्ष्य रायचंदानी की अगुवाई वाली भारतीय टीम अब शनिवार को खिताबी मुकाबले में चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान से भिड़ेगी। भारतीय टीम ने तीनों विभागों में शानदार प्रदर्शन करते हुए अफगानिस्तान को पूरी तरह पछाड़ दिया। पहले बल्लेबाजी करते हुए अफगानिस्तान ने निर्धारित 50 ओवरों में आठ विकेट पर 227 रन बनाए। उसकी ओर से नोमान सालारजई ने 78 गेंदों पर 51 और शाह फैसल रहीमी ने 72 गेंदों पर 51 रन की पारी खेली। भारत की ओर से ईशान सूद ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 43 रन देकर तीन विकेट हासिल किए। भारतीय गेंदबाजों ने सटीक लाइन और लेंथ के साथ गेंदबाजी की और अफगानिस्तान के बल्लेबाजों को खुलकर रन बनाने का मौका नहीं दिया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम ने शुरुआत से ही मुकाबले पर पकड़ बना ली। सलामी बल्लेबाजों के बीच 100 से अधिक रन की साझेदारी ने जीत की राह आसान कर दी। पिछले दो मुकाबलों में सस्ते में आउट होने वाले कप्तान लक्ष्य रायचंदानी ने शानदार वापसी करते हुए 90 गेंदों पर 93 रन बनाए।

दूसरे छोर पर आर्यवीर सहवाग ने भी अपनी शानदार फॉर्म जारी रखी। पिछले मुकाबले में 160 रन की मैच जिताऊ पारी खेलने वाले सहवाग ने इस मैच में 57 गेंदों पर 51 रन बनाए। दोनों सलामी बल्लेबाजों के आउट होने के बाद वीके विनीत ने 62 गेंदों पर नाबाद 57 रन और यशवर्धन सिंह चौहान ने 14 गेंदों पर 16 रन बनाकर भारत को जीत दिला दी। भारतीय टीम ने 36.5 ओवर में दो विकेट के नुकसान पर 228 रन बनाकर लक्ष्य हासिल कर लिया। इस तरह भारत ने 13.1 ओवर शेष रहते मुकाबला अपने नाम किया।

न्यूजीलैंड ने अंतर्राष्ट्रीय मैत्री फुटबॉल मैच में भारत को 5-0 से हराया



ऑकलैंड, 12 नवंबर। कप्तान क्रिस वुड के एक गोल और जेसी रैंडेल के दो गोल की बदौलत न्यूजीलैंड ने गुरुवार को यहां खेले गए अपने पहले अंतरराष्ट्रीय मैत्री फुटबॉल मुकाबले में भारत को 5-0 से करारी शिकस्त दी। मेजबान टीम ने पूरे मैच में दबदबा बनाए रखा और भारतीय टीम को एक भी गोल नहीं करने दिया। न्यूजीलैंड ने पांचवें मिनट में जवाबी हमले पर गोल कर बढ़त हासिल की। परमवीर द्वारा गेंद को क्लीयर किए जाने के बाद रैंडेल ने पेनल्टी बॉक्स में कटबैक दिया, जिस पर भारतीय डिफेंडर बिजॉय वर्गीस से गेंद टकराकर गोलपोस्ट में चली गई। इसके बाद भी रैंडेल ने भारतीय रक्षापंक्ति को लगातार परेशान किया और पहले हाफ में 34वें तथा 43वें मिनट में गोल कर अपनी टीम की बढ़त 3-0 कर दी। दूसरे हाफ में न्यूजीलैंड के कप्तान क्रिस वुड ने भी गोल किया। उन्होंने 57वें मिनट में कैलन इलियट के क्रॉस पर शानदार हेडर लगाकर गेंद को गोलपोस्ट में पहुंचाया। इस सत्र में गोल के लिए जूझ रहे वुड का यह न्यूजीलैंड की राष्ट्रीय टीम के लिए सितंबर 2025 के बाद पहला गोल था। तब उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 1-3 की हार में गोल किया था। भारतीय टीम की मुश्किलें 75वें मिनट में और बढ़ गईं, जब लियाम गिलियन के क्रॉस पर लैचलन बेलिस ने बेहतरीन हाफ-वॉली शॉट लगाकर स्कोर 5-0 कर दिया। 17 महीने बाद शुरुआती एकादश में वापसी कर रहे गोलकीपर विशाल कैथ ने बिल टुइलोमा के प्रयास को शानदार तरीके से रोककर छठा गोल नहीं होने दिया। हालांकि, तब तक भारतीय टीम को काफी नुकसान हो चुका था। मुख्य कोच खालिद जमील के नेतृत्व में टीम का खराब प्रदर्शन जारी रहा। भारत ने अपने पिछले दो मुकाबलों में केवल एक गोल किया है, जबकि 11 गोल गंवाए हैं। भारत को न्यूजीलैंड के खिलाफ एक और मैत्री मुकाबला खेलना है। वहीं, यह श्रृंखला मेजबान टीम के मुख्य कोच डैरेन बेजली के कार्यकाल के अंतिम मुकाबलों की श्रृंखला है।

न्यूजीलैंड के खिलाफ चौथे वनडे में अय्यर करेंगे कप्तानी का पदार्पण, सीरीज जीत पर होंगी नजरें

गिल, राहुल और कंबोज टेस्ट की तैयारी के लिए टीम से बाहर



नई दिल्ली, 12 नवंबर। भारत और न्यूजीलैंड के बीच शुक्रवार को खेले जाने वाले चौथे वनडे मुकाबले में दोनों टीमें बड़े बदलावों के साथ उतरेंगी। श्रेयस अय्यर पहली बार भारतीय टीम की कप्तानी करेंगे। पांच मैचों की श्रृंखला में 2-0 से आगे चल रही भारतीय टीम की नजरें यह मुकाबला जीतकर श्रृंखला अपने नाम करने पर होंगी। वहीं, तीसरा वनडे बारिश के कारण रद्द होने के बाद न्यूजीलैंड के लिए श्रृंखला बचाने का एकमात्र रास्ता बाकी दोनों मुकाबले जीतना है।

अय्यर के लिए यह मुकाबला कप्तानी में पदार्पण के साथ बल्ले से खुद को साबित करने का भी मौका होगा। इस श्रृंखला में शॉर्ट गेंदों के खिलाफ उनकी कमजोरी एक बार फिर सामने आई है। वह अंतिम दो वनडे में भारतीय टीम की कप्तानी करेंगे। शुभमन गिल 19 नवंबर से शुरू होने वाली टेस्ट श्रृंखला की तैयारी के लिए टीम से बाहर हो गए हैं। केएल राहुल और अंशुल कंबोज भी लाल गेंद से अपने खेल को बेहतर करने के लिए टीम छोड़ चुके हैं।

इन बदलावों से रुतुराज गायकवाड़, ईशान किशन और अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज को मौका मिलने की उम्मीद है। टेस्ट श्रृंखला से पहले इन खिलाड़ियों के लिए मैदान पर समय बिताना उपयोगी होगा। गिल की गैर मौजूदगी में रोहित शर्मा के साथ पारी की शुरुआत कौन करेगा, यह देखना दिलचस्प होगा। इस दौड़ में ईशान किशन और रुतुराज गायकवाड़ शामिल हैं। हालांकि, गायकवाड़ ने अपने पिछले पांच वनडे मुकाबलों में मध्यक्रम में बल्लेबाजी की है।

अनुभवी रोहित शर्मा भी इस दौरे पर बड़ी पारी खेलने के इरादे से उतरेंगे। वह अब तक श्रृंखला में शून्य और 23 रन ही बना सके हैं। दूसरी ओर, चोट के कारण टी20 श्रृंखला के ज्यादातर मुकाबलों से बाहर रहे ईशान किशन भी वापसी के बाद अच्छा प्रदर्शन करना चाहेंगे।

ईशान के सलामी बल्लेबाज के रूप में उतरने की प्रबल संभावना है। उन्होंने चार साल पहले इसी क्रम पर बल्लेबाजी करते हुए दोहरा शतक लगाया था। राहुल की गैरमौजूदगी में वह विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी भी संभाल सकते हैं।

यदि गायकवाड़ मध्यक्रम में ही बल्लेबाजी करते हैं तो उनके पास खुद को साबित करने का अच्छा अवसर होगा। वह पिछले चार वनडे पारियों में एक शतक और एक अर्धशतक लगा चुके हैं। ऐसे में वह टीम के लिए उपयोगी विकल्प साबित हो सकते हैं। गेंदबाजी में मोहम्मद सिराज को शानदार फॉर्म में चल रहे अंशुल कंबोज की जगह मौका मिलने की उम्मीद है। सिराज पिछले तीन महीनों में अपने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन से दूर रहे हैं लेकिन पिछले सप्ताह भारत ए की ओर से खेलते हुए चार विकेट लेने से उनका आत्मविश्वास बढ़ा होगा। यह भी दिलचस्प है कि अपनी प्रतिष्ठा के बावजूद सिराज को अब तक इस वनडे श्रृंखला में गेंदबाजी का मौका नहीं मिला है। दूसरे वनडे में अच्छा प्रदर्शन करने वाले औकीब नबी और अर्शदीप सिंह अपनी जगह बरकरार रख सकते हैं।

न्यूजीलैंड के सामने श्रृंखला बचाने की चुनौती

दूसरी ओर, न्यूजीलैंड की टीम भी कई अहम खिलाड़ियों के बिना मैदान पर उतरेगी। टॉम लैथम, डेरिल मिचेल, ग्लेन फिलिप्स, नाथन स्मिथ और हेनरी निकोल्स टेस्ट क्रिकेट की तैयारी के लिए वनडे टीम से बाहर हो गए हैं। टीम में हुए बदलावों पर विकेटकीपर बल्लेबाज टिम सीफर्ट ने कहा, जो भी खिलाड़ी बाहर गए खिलाड़ियों की जगह लेगा, वह अपना सर्वश्रेष्ठ देने की कोशिश करेगा। हमारी टीम में भी जो खिलाड़ी उन खिलाड़ियों की जगह आएंगे, वे पूरी कोशिश करेंगे।

भारत के खिलाफ चौथे और पांचवें वनडे मुकाबले के लिए न्यूजीलैंड ने अपनी टीम में बदलाव किया है। न्यूजीलैंड क्रिकेट ने गुरुवार को 31 वर्षीय तेज गेंदबाज ब्रेट रैंडेल को पहली बार राष्ट्रीय टीम में शामिल करने की घोषणा की। इसके अलावा जोश क्लार्कसन को भी सीरीज के पांचवें और अंतिम वनडे के लिए टीम में वापस बुलाया गया है।

फीफा ने 2031 और 2035 महिला विश्व कप की मेजबानी के लिए बोली मूल्यांकन रिपोर्ट जारी की

नई दिल्ली, 12 नवंबर। फीफा ने 2031 और 2035 महिला फुटबॉल विश्व कप की मेजबानी के लिए पेश की गई संयुक्त बोलियों की मूल्यांकन रिपोर्ट जारी कर दी है। दोनों बोलियों ने मेजबानी के लिए निर्धारित न्यूनतम आवश्यकताओं को पूरा किया है। अब इस महीने के अंत में फीफा के सदस्य इन पर मतदान करेंगे। 2031 विश्व कप की मेजबानी के लिए अमेरिका, मैक्सिको, कोस्टा रिका और जमैका ने संयुक्त बोली पेश की है। वहीं, 2035 संस्करण के लिए इंग्लैंड, स्कॉटलैंड, वेल्स और उत्तरी आयरलैंड ने मिलकर दावेदारी की है। फीफा की ओर से बुधवार को जारी रिपोर्ट के अनुसार, दोनों बोलियां 23 नवंबर को होने वाली फीफा की विशेष कांग्रेस में मतदान के लिए योग्य हैं।

फीफा की रिपोर्ट में कहा गया है कि 2031 विश्व कप की बोली मजबूत आधार पर तैयार की गई है। इसके अलावा उसने 2025 में क्लब विश्व कप का भी आयोजन किया था। 2031 महिला विश्व कप में करीब 45 लाख दर्शकों के पहुंचने की उम्मीद है। चारों देशों की संयुक्त बोली में कुल 20 स्टेडियमों को प्रस्तावित मेजबान स्थल के रूप में शामिल किया गया है। इनमें 14 स्टेडियम अमेरिका, चार मैक्सिको और एक-एक जमैका तथा कोस्टा रिका में हैं।

आरसीए अंडर-23 पुरुष टी-20 चैलेंजर ट्रॉफी का कार्यक्रम जारी, आज से होंगे मुकाबले

जयपुर, 12 नवंबर। राजस्थान क्रिकेट संघ (आरसीए) की ओर से आयोजित अंडर-23 पुरुष टी-20 चैलेंजर ट्रॉफी के मुकाबलों का कार्यक्रम जारी कर दिया गया है। प्रतियोगिता के मैच 13 से 15 नवंबर तक तीन मैदानों पर खेले जाएंगे। मुकाबले प्रतिदिन सुबह 9 बजे और दोपहर 1:30 बजे से शुरू होंगे। प्रतियोगिता के मुकाबले अनंतम ग्राउंड, केएल सैनी स्टेडियम और लक्ष्य ग्राउंड पर आयोजित किए जाएंगे। तीन ग्रुप में होने वाले मुकाबलों में टीम ए से लेकर टीम जे तक की टीमें हिस्सा लेंगी।

अनंतम ग्राउंड पर मुकाबले

13 नवंबर : टीम ए बनाम टीम बी (सुबह 9 बजे), टीम सी बनाम टीम डी (दोपहर 1:30 बजे)।

14 नवंबर : टीम ए बनाम टीम ई (सुबह 9 बजे), टीम सी बनाम टीम एच (दोपहर 1:30 बजे)।

15 नवंबर : टीम बी बनाम टीम एच (सुबह 9 बजे), टीम ए बनाम टीम आई (दोपहर 1:30 बजे)।

केएल सैनी स्टेडियम पर मुकाबले

13 नवंबर : टीम एफ बनाम टीम जी (सुबह 9 बजे), टीम एच बनाम टीम आई (दोपहर 1:30 बजे)।

14 नवंबर : टीम डी बनाम टीम आई (सुबह 9 बजे), टीम बी बनाम टीम जी (दोपहर 1:30 बजे)।

15 नवंबर : टीम सी बनाम टीम एफ (सुबह 9 बजे), टीम डी बनाम टीम जे (दोपहर 1:30 बजे)।

लक्ष्य ग्राउंड पर मुकाबले

13 नवंबर : टीम ई बनाम टीम जे (सुबह 9 बजे)।

14 नवंबर : टीम एफ बनाम टीम जे (सुबह 9 बजे)।

15 नवंबर : टीम ई बनाम टीम जी (सुबह 9 बजे)।

तीन दिनों तक चलने वाली इस प्रतियोगिता में युवा खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा दिखाने और राजस्थान की अंडर-23 टीम में चयन के लिए दावेदारी मजबूत करने का अवसर मिलेगा।

जयपुर के विवान कपूर ने रचा इतिहास, शॉटगन में भारत को दिलाया पहला ओलंपिक कोटा

आईएसएसएफ वर्ल्ड चैम्पियनशिप में जीता सिल्वर मेडल, फाइनल में 30 में से 29 टारगेट किए हिट



जयपुर, 12 नवंबर। कतर की राजधानी दोहा में आयोजित आईएसएसएफ वर्ल्ड चैंपियनशिप (राइफल, पिस्टल एवं शॉटगन) में जयपुर के युवा निशानेबाज विवान कपूर ने ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है। विवान ने शानदार प्रदर्शन करते हुए शॉटगन स्पर्धा में भारत को पहला ओलंपिक कोटा दिलाने के साथ सिल्वर मेडल भी अपने नाम किया। विवान ने क्वालिफिकेशन राउंड में 120 अंक हासिल कर फाइनल में शीर्ष आठ निशानेबाजों में जगह बनाई। फाइनल में उन्होंने 30 में से 29 टारगेट पर सटीक निशाना लगाकर शानदार प्रदर्शन किया। हालांकि, टाईब्रेकर में बिब नंबर के आधार पर कुवैत के निशानेबाज को गोल्ड मेडल मिला, जबकि विवान को सिल्वर मेडल से संतोष करना पड़ा। इस उपलब्धि के साथ ही विवान ने शॉटगन में भारत के लिए पहला ओलंपिक कोटा हासिल कर देश का नाम रोशन किया। विवान जयपुर के जगतपुरा शूटिंग रेंज में नियमित अभ्यास करते हैं। वे ओएसिस शूटिंग रेंज में लंबे समय से प्रशिक्षण लेकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर रहे हैं। विवान की इस ऐतिहासिक सफलता पर राजस्थान राइफल एसोसिएशन ने उम्मीद जताई कि वे लॉस एंजिलिस ओलंपिक-2028 में देश के लिए स्वर्ण पदक जीतकर राजस्थान और भारत का गौरव बढ़ाएंगे।

त्रीसा-गायत्री और हरिहरन-अर्जुन की चुनौती समाप्त

जापान मास्टर्स : महिला और पुरुष युगल में भारतीय जोड़ियों को सीधे गेम में मिली शिकस्त

कुमामोटो, 12 नवंबर। जापान मास्टर्स-2026 बैडमिंटन टूर्नामेंट में गुरुवार को भारतीय खिलाड़ियों का सफर निराशाजनक रहा। महिला युगल में त्रीसा जॉली और गायत्री गोपीचंद तथा पुरुष युगल में हरिहरन अम्सकरुणन और एमआर अर्जुन को प्री-क्वार्टर फाइनल में हार का सामना करना पड़ा।

लक्ष्य सेन ने क्वार्टर फाइनल में बनाई जगह

भारत के स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी लक्ष्य सेन ने शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए गुरुवार को जापान मास्टर्स 2026 के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया। लक्ष्य ने चीन के डोंग तियान याओ को सीधे गेमों में 21-8, 21-14 से हराकर अंतिम आठ में जगह बनाई। जर्मनी में हाइलो ओपन का खिताब जीतकर जापान पहुंचे लक्ष्य ने इससे पहले चीनी ताइपे के ची यू जेन को 21-19, 21-18 से हराकर प्री-क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया था। तियान याओ के खिलाफ लक्ष्य ने शुरुआत से ही मुकाबले पर अपना दबदबा बनाए रखा। उन्होंने लगातार आठ अंक हासिल किए और महज 13 मिनट में पहला गेम 21-8 से अपने नाम कर लिया। दूसरे गेम में चीनी खिलाड़ी ने वापसी की कोशिश की। एक समय वह 4-6 से पीछे था लेकिन अपने प्रतिद्वंद्वी से विश्व रैंकिंग में 32 स्थान ऊपर काबिज लक्ष्य ने खेल की गति बढ़ाई। उन्होंने लगातार छह अंक जीतकर स्कोर 12-6 कर दिया और फिर बढ़त बनाए रखते हुए मुकाबला सीधे गेमों में जीत लिया।

श्रीकांत ने पांचवीं वरीयता प्राप्त नाराओका को हराकर क्वार्टर फाइनल में बनाई जगह

भारतीय खिलाड़ी किदांबी श्रीकांत ने जापान मास्टर्स बैडमिंटन टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन करते हुए गुरुवार को पांचवीं वरीयता प्राप्त जापान के कोडाई नाराओका को हराकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया। पूर्व विश्व नंबर एक श्रीकांत ने एक घंटे तक चले मुकाबले में घरेलू दर्शकों के पसंदीदा खिलाड़ी नाराओका को 21-15, 11-21, 21-18 से शिकस्त दी। पांच मुकाबलों में यह श्रीकांत की नाराओका के खिलाफ पहली जीत है।

वर्ल्ड टेनिस लीग का 5वां सत्र 17 से 20 दिसंबर तक, बेंगलुरु करेगा मेजबानी

बेंगलुरु, 12 नवंबर। वर्ल्ड टेनिस लीग का पांचवां सत्र 17 से 20 दिसंबर तक बेंगलुरु में आयोजित होगा। चार दिवसीय इस प्रतियोगिता में अंतरराष्ट्रीय टेनिस सितारों के साथ भारत के शीर्ष और उभरते खिलाड़ी भी हिस्सा लेंगे। प्रतियोगिता का आयोजन केएसएलटीए के एस.एम. कृष्णा टेनिस स्टेडियम में किया जाएगा। आइकोनिक स्पोर्ट्स एंड इवेंट्स द्वारा लाइसेंस प्राप्त और संचालित यह लीग अपने पांचवें सत्र में प्रवेश कर रही है। आयोजकों के अनुसार, पिछले पांच सत्रों में इस लीग ने अंतरराष्ट्रीय टेनिस के कई बड़े नामों को एक मंच पर लाकर भारतीय टेनिस प्रतियोगिताओं में अपनी अलग पहचान बनाई है। पिछले सत्र में हिस्सा लेने वाले कई खिलाड़ी एक बार फिर डब्ल्यूटीएल में वापसी करेंगे। इनमें पाउला बडोसा, युकी भांबरी, सुमित नागल, दक्षिणेश्वर सुरेश, माया राजेश्वरन रेवती और श्रिवल्ली भामिदिपति शामिल हैं। इनके अलावा इस सत्र में स्थापित अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों और उभरती प्रतिभाओं का मिश्रण देखने को मिलेगा।

जयपुर में विजन क्रिकेट इंडिया लीग की शुरुआत, 40, 50 और 60 आयुवर्ग के खिलाड़ी दिखाएंगे दम

पांच टीमों के बीच होंगे मुकाबले



जयपुर, 12 नवंबर। क्रिकेट के प्रति जुनून और खेल भावना उम्र की मोहताज नहीं होती। इसी संदेश के साथ जयपुर में विजन क्रिकेट इंडिया लीग (वीसीआईएल) की शुरुआत की जा रही है। इसके तहत 13 से 15 नवंबर तक राष्ट्रीय वेटरन टी-20 क्रिकेट टूर्नामेंट आयोजित होगा, जिसमें 40, 50 और 60 आयुवर्ग के अनुभवी खिलाड़ी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। गुरुवार को लालकोठी स्थित कॉन्स्टीट्यूशन क्लब में लीग की औपचारिक शुरुआत की घोषणा की गई। इस अवसर पर खिलाड़ियों की जर्सी लॉन्च की गई तथा प्रतियोगिता की रूपरेखा साझा की गई।

वीसीआईएल के संस्थापक शरत शर्मा ने बताया कि लीग का उद्देश्य 40 वर्ष से अधिक आयु के खिलाड़ियों को क्रिकेट से जोड़े रखना और उन्हें प्रतिस्पर्धात्मक क्रिकेट के लिए राष्ट्रीय मंच उपलब्ध कराना है। उन्होंने कहा कि उम्र बढ़ने के साथ खेल से दूरी बनाने के बजाय फिटनेस और सक्रिय जीवनशैली को अपनाना चाहिए। लीग के माध्यम से अनुभवी खिलाड़ियों को प्रतिवर्ष अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलेगा।

उन्होंने बताया कि टूर्नामेंट के मुकाबले रणवीर सिंह क्रिकेट स्टेडियम और सोनी स्टेडियम में खेले जाएंगे। इसमें देश की पांच टीमें हिस्सा लेंगी। इवेंट में ऑर्गेनाइजर आंचल चौधरी, युवा आइकन एवं समाजसेवक डॉ. राजीव शर्मा सहित प्रतियोगिता में भाग लेने वाली पांचों टीमों के कप्तान मौजूद रहे। आयोजकों के अनुसार, विजन क्रिकेट इंडिया लीग का उद्देश्य केवल क्रिकेट प्रतियोगिता आयोजित करना नहीं, बल्कि वरिष्ठ खिलाड़ियों में फिटनेस, स्वास्थ्य, खेल भावना और आपसी जुड़ाव को बढ़ावा देना भी है। लीग को प्रतिवर्ष आयोजित होने वाले राष्ट्रीय वेटरन क्रिकेट उत्सव के रूप में विकसित करने की योजना है।

जेम्स एंडरसन काउंटी टीम सरे से खेलेंगे

नई दिल्ली, 12 नवंबर। इंग्लैंड के पूर्व तेज गेंदबाज जेम्स एंडरसन 2027 में काउंटी चैंपियनशिप में सरे की टीम से खेलेंगे। 25 साल तक एंडरसन लंकाशायर से जुड़े रहे, लेकिन टीम ने अगले सीजन के लिए उनका कॉन्ट्रैक्ट नहीं बढ़ाया। इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास ले चुके 44 साल के एंडरसन ने 2026 के काउंटी सीजन में शानदार प्रदर्शन किया था। उन्होंने 50 विकेट लिए और लंकाशायर के प्लेयर ऑफ द ईयर चुने गए थे। एंडरसन ने लंकाशायर से विदाई के तरीके पर निराशा जताई थी। उन्होंने कहा था अगर फैसला मेरे हाथ में होता, तो यह रिश्ता इस तरह खत्म नहीं होता। इंग्लैंड के पूर्व तेज गेंदबाज स्टुअर्ट ब्रॉड ने भी लंकाशायर के इस फैसले की आलोचना की थी। उन्होंने क्लब के रवैये को अपमानजनक बताया था। अब एंडरसन सरे के साथ अपने करियर का नया अध्याय शुरू करेंगे। यहां उनकी मुलाकात इंग्लैंड के पूर्व साथी एलेक स्टीवर्ट से होगी, जो फिलहाल सरे मेंस क्रिकेट के डायरेक्टर हैं।

8वीं जूनियर राज्य स्तरीय बॉल बैडमिंटन प्रतियोगिता का शुभारंभ

जयपुर की बालिका टीम ने जीत से किया आगाज, झुंझुनूं को दी शिकस्त



श्रीगंगानगर, 12 नवंबर। राजस्थान बॉल बैडमिंटन संघ एवं श्रीगंगानगर जिला बॉल बैडमिंटन संघ के संयुक्त तत्वावधान में 8वीं जूनियर राज्य स्तरीय बॉल बैडमिंटन प्रतियोगिता 2026-27 (बालक एवं बालिका वर्ग) का गुरुवार को नरसिंहपुरा, मांझूवास स्थित सनशाइन एजुकेशन एकेडमी में भव्य शुभारंभ हुआ। प्रतियोगिता के पहले दिन जयपुर की बालिका टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए झुंझुनूं को 29-15 और 29-18 से हराकर जीत के साथ आगाज किया।

उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि राजस्थान राज्य बॉल बैडमिंटन संघ के महासचिव शौकत अली मंसूरी रहे, जबकि अध्यक्षता समाजसेवी एवं भारतीय बॉल बैडमिंटन महासंघ के संरक्षक जे.पी. व्यास ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में संघ के कोषाध्यक्ष लक्ष्मीकांत शर्मा सहित सुधीर सिहाग, कुलदीप विश्नोई, देवेंद्र कुमार, हनुमानमल चौधरी, अब्दुल वाहिद, गोपाल रोत्रवाल एवं अब्दुल वहीद मौजूद रहे। प्रतियोगिता का पहला मुकाबला बालक वर्ग में ब्यावर और करौली की टीमों के बीच खेला गया। वहीं, बालिका वर्ग में जयपुर ने झुंझुनूं को हराकर अपनी पहली जीत दर्ज की।

जयपुर की टीमें भी मैदान में

प्रतियोगिता में जयपुर की बालक एवं बालिका टीमें भी भाग ले रही हैं। बालक टीम की कमान जतिन के हाथों में है, जबकि गर्व नाथ उपकप्तान हैं। टीम में प्रिंस प्रजापत, जयेश, अश्मित, मुकुल, अंकित, फरहान, सिद्धार्थ और लक्ष्य शामिल हैं। टीम के कोच लक्ष्मीकांत शर्मा और मैनेजर नैतिक अग्रवाल हैं। बालिका टीम की कप्तान ट्विंकल जायसवाल और उपकप्तान रिया नाटा हैं। टीम में इशिका, सुप्रिया, आमना, अनुष्का, रिदा, असिन, समीक्षा और मुस्कान शामिल हैं। टीम की कोच निकिता कंवर और मैनेजर कशिश खान हैं। प्रतियोगिता में राजस्थान के विभिन्न जिलों की टीमें हिस्सा ले रही हैं। तीन दिवसीय यह प्रतियोगिता 12 से 14 नवंबर तक आयोजित होगी। इसमें प्रदेश के जूनियर खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलेगा।

जयपुर एयरपोर्ट पर नए स्टेट टर्मिनल भवन का भूमि पूजन संपन्न हुआ

इस परियोजना में एयरक्राफ्ट व हैलीकॉप्टर के लिए हैंगर व टारमेक भी बनेगा- भजनलाल

जयपुर, 12 नवम्बर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में राजस्थान में आधारभूत ढांचे को मजबूत करने के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य हो रहा है। केन्द्र और राज्य सरकार के मध्य बेहतर समन्वय ने परिवहन के क्षेत्र में विकास कार्यों को नई दिशा दी है। प्रदेश में हवाई,

- **मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राजस्थान में हवाई, रेल और सड़कों की कनेक्टिविटी के लिए तेजी से विकास कार्य हो रहा है। इससे उद्योग व व्यापार को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध हो सकेंगी।**



मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने गुरुवार को जयपुर एयरपोर्ट पर नवीन स्टेट टर्मिनल भवन का भूमि पूजन किया। इस अवसर पर उन्होंने कार्यक्रम स्थल पर आयोजित प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया।

रेल एवं सडकों के तेज विकास से आमजन को बेहतर कनेक्टिविटी मिली है।

मुख्यमंत्री गुरुवार को जयपुर एयरपोर्ट पर नवीन स्टेट टर्मिनल भवन के भूमि पूजन समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि किसी भी प्रदेश के आर्थिक और सामाजिक विकास में परिवहन का बहुत महत्वपूर्ण योगदान होता है। इसी कड़ी में नवीन स्टेट टर्मिनल भवन का भूमि पूजन हवाई सुविधाओं के विस्तार में महत्वपूर्ण पहल है।

मुख्यमंत्री ने बताया कि नवीन स्टेट टर्मिनल भवन परियोजना के लिए 52 करोड़ 35 लाख रुपये स्वीकृत किए गए हैं। परियोजना के पहले चरण में 19 करोड़ 62 लाख रुपये की लागत से स्टेट टर्मिनल भवन का निर्माण किया जा रहा है। इस भवन में कार्यालय के साथ ही, दो वीआईपी लाउंज, कॉन्फ्रेंस हॉल, मीटिंग हॉल, 10 विश्राम कक्ष, ट्रेनिंग कक्ष, कैफे और सुरक्षा जांच क्षेत्र जैसी आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध होंगी। साथ ही, इस भवन में आधुनिकता के साथ राजस्थान की सांस्कृतिक विरासत की झलक भी दिखेगी। परियोजना के दूसरे चरण में एयरक्राफ्ट और हेलीकॉप्टर की पार्किंग के लिए हैंगर तथा टारमेक का निर्माण किया जाएगा। इन परियोजना के लिए ए.ए.आई. ने राज्य सरकार को 12 हजार 778 वर्गमीटर भूमि आवंटित की है।

उन्होंने कहा कि प्रदेशवासियों को बेहतर एयर कनेक्टिविटी उपलब्ध कराने के उद्देश्य से कोटा, किशनगढ, बाड़मेर एवं बीकानेर में हवाई संपर्क विस्तार पर कार्य किया जा रहा है। झालावाड़, सीकर, झुंझुनूं एवं श्रीगंगानगर में एफटीओ की स्थापना के लिए भूमि आवंटन और उदयपुर एयरपोर्ट के विस्तार के लिए 145 एकड़ भूमि उपलब्ध करवायी जा रही है।

इससे पहले, मुख्यमंत्री ने शिला का पूजन कर उसे नींव में स्थापित किया तथा हवन में पूर्णाहुति दी। उन्होंने कार्यक्रम स्थल पर आयोजित प्रदर्शनी में नवीन स्टेट टर्मिनल भवन के प्रतीकात्मक मॉडल, संपूर्ण साइट प्लान, ग्राउंड फ्लोर व फर्स्ट फ्लोर के लेआउट प्लान का भी अवलोकन किया। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा, सांसद मदन राठौड़, मंजू शर्मा, विधायक डॉ. कैलाश वर्मा, गोपाल शर्मा, बालमुकुन्दाचार्य, महापौर सुनील कोठारी, उपमहापौर सरोज कंवर, मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास, अतिरिक्त मुख्य सचिव सार्वजनिक निर्माण प्रवीण गुप्ता, प्रमुख शासन सचिव नागरिक उड्डयन नवीन जैन सहित, जनप्रतिनिधिगण एवं अधिकारीगण उपस्थित थे।

'आधुनिक युद्ध में दुश्मन को चौंकाने की क्षमता जरूरी'

नई दिल्ली, 12 नवंबर। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने गुरुवार को सेना से आधुनिक युद्ध से उत्पन्न पारंपरिक और उभरते खतरों से निपटने के लिए आपरेशनल तैयारी बनाए रखने के लिए, 'चौंकाने वाले तत्व' के आक्रामक एवं रक्षात्मक, दोनों

- **रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने वायुसेना कमांडरों के सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा।**

पहलुओं की मजबूती और उन्हें कायम रखने का आव्हान किया।

दिल्ली में वायुसेना कमांडरों के सम्मेलन में राजनाथ ने खुफिया व निगरानी क्षमताओं को लगातार मजबूत करने, प्रणालियों के बीच तालमेल बढ़ाने और संभावित खतरों के सामने आने से पहले उन्हें पहचानने की जरूरत पर जोर दिया।

उन्होंने कहा, हमारी सेनाओं को ऐसी क्षमताएं और तरीके विकसित करने चाहिए, जिससे शत्रु को प्रतिक्रिया देने या संभलने का मौका ही न मिले।

साथ ही, यह भी सुनिश्चित करना चाहिए कि दुश्मन की किसी अप्रत्याशित चाल से हम कभी हैरान न हों। चौंकाने की कार्रवाई पारंपरिक और इलेक्ट्रानिक, दोनों तरह की हो सकती है।

कुल्हाड़ी से हत्या के मामले में चार आरोपी गिरफ्तार

पिता की हत्या का बदला लेने के लिए बी टैक पास अनीश ने यह वारदात की, कैंपर बरामद

- **पुलिस जाँच के अनुसार, 2019 में जोबनेर में शराब के ठेके के विवाद में विजय बालिया व उसके साथियों ने अनीश के पिता की हत्या की थी। तभी से अनीश बदला लेने का मौका तलाश रहा था।**

जयपुर, 12 नवम्बर। राजधानी जयपुर के करधनी थाना इलाके में बुधवार रात जोबनेर के हिस्ट्रीशीटर विजय चौधरी उर्फ विजय बाजिया (25) की सरे-राह कुल्हाड़ी से हमला कर हत्या करने के मामले का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। पुलिस ने वारदात के मुख्य आरोपी अनीश गोलिया उर्फ जग्गू (21) सहित चार युवकों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों की निशानदेही पर हत्या में इस्तेमाल की गई कैंपर गाड़ी भी जब्त कर ली गई है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि मुख्य आरोपी ने वर्ष 2019 में अपने पिता कैलाश गोलिया की हत्या का बदला लेने के लिए साथियों के साथ मिलकर हत्या की साजिश रची थी। इसके लिए आरोपियों ने 7007 नाम से गैंग बनाई थी। पुलिस अब इस वारदात में अन्य लोगों की भूमिका और गैंग-वार के पहलू से भी जांच कर रही है।

पुलिस उपायुक्त पश्चिम प्रशांत किरण ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों में अनीश गोलिया उर्फ जग्गू, कमलेश गोलिया उर्फ कमल उर्फ जोरू (23), युवराज चौधरी (23) और दिनेश चौधरी उर्फ दीनू (23) निवासी जोबनेर शामिल हैं।

पुलिस जांच में सामने आया कि वर्ष 2019 में जोबनेर इलाके में शराब के ठेके के विवाद को लेकर विजय बाजिया और उसके साथियों ने अनीश के पिता कैलाश गोलिया की हत्या कर दी थी। उस समय अनीश की उम्र करीब 14 वर्ष थी। पिता की हत्या के बाद से ही वह विजय से रंजिश रखने लगा था और बदला लेने का मौका तलाश रहा था।

पुलिस के अनुसार, बुधवार रात विजय जोबनेर से जयपुर की तरफ आ रहा था। आरोपियों ने कैंपर से उसका पीछा किया। कैंपर को पीछे लगा देखकर विजय ने अपनी फॉर्च्यूनर को रावण गेट की तरफ मोड़ दिया। इसके बाद जगदंबा नगर के पास आरोपियों ने कैंपर से उसकी गाड़ी को टक्कर मारकर रोक दिया। गाड़ी खराब होने के बाद विजय बाहर निकलकर भागने लगा, तभी हमलावरों ने उस पर कुल्हाड़ी और लाठी-डंडों से ताबड़तोड़ वार किए। हत्या के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए थे।

गुरुवार सुबह करीब चार बजे पुलिस को आरोपियों के करधनी इलाके में ही छिपे होने की सूचना मिली। पुलिस टीम ने उनकी गाड़ी को ट्रेस कर पीछा किया और चारों को दबोच लिया। वारदात में इस्तेमाल कैंपर भी जब्त कर ली गई।

डीसीपी पश्चिम प्रशांत किरण ने वारदात के दौरान छत से वीडियो बनाने वाले व्यक्ति की सराहना की। उन्होंने बताया कि संबंधित व्यक्ति ने घटनाक्रम का वीडियो बनाने के साथ ही, बिना किसी परिचय के हमलावरों को रोकने और वहां से हटाने का प्रयास भी किया। इस वीडियो को जांच में महत्वपूर्ण साक्ष्य के रूप में देखा जा रहा है।

किश्तवाड़ से लापता दो विशेष पुलिस अधिकारियों के शव मिले

दोनों अधिकारी बुधवार को अपने कैंप से सेना की पोस्ट की ओर जाते समय लापता हो गये थे

- **सुरक्षा एजेंसियों के व्यापक तलाशी अभियान के दौरान दोनों अधिकारियों के गोलियों से छलनी हुए शव बरामद हुए। उनके सर्विस हथियार मौके से नहीं मिले।**

श्रीनगर, 12 नवंबर। जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ जिले में बुधवार से लापता दो विशेष पुलिस अधिकारियों (एसपीओ) के शव मिलने से सुरक्षा एजेंसियों में हड़कंप मच गया है। दोनों के शव गोलियों से छलनी हालत में बरामद किए गए हैं।

खास बात यह है कि उनके सर्विस हथियार मौके से नहीं मिले हैं। इससे घटना में आतंकियों की संलिप्तता की आशंका जताई जा रही है। हालांकि, अधिकारियों ने अभी किसी आतंकी हमले की पुष्टि नहीं की है।

समाचार एजेंसी पीटीआई के मुताबिक, मृतकों की पहचान 57 वर्षीय बाबी चंद और 45 वर्षीय रशपाल कुमार के रूप में हुई है। दोनों स्थानीय पुलिस के स्पेशल ऑपरेशंस ग्रुप (एसओजी) में तैनात थे। उनके लापता होने के बाद से ही पुलिस और सेना ने बड़े स्तर पर तलाशी अभियान चलाया था।

अधिकारियों के मुताबिक, बाबी चंद और रशपाल कुमार किश्तवाड़ के दच्छन क्षेत्र के कियार गांव में स्थानीय पुलिस के एसओजी के साथ तैनात थे। बुधवार को दोनों अपने कैंप से धरना-मरवाह स्थित सेना की एक पोस्ट की ओर जा रहे थे। इसी दौरान वे लापता हो गए।

शुरुआत में दोनों के मोबाइल फोन पर संपर्क हो रहा था, लेकिन कुछ समय बाद उनके फोन बंद हो गए। इससे सुरक्षा एजेंसियों की चिंता बढ़ गई और उनकी तलाश के लिए व्यापक अभियान शुरू किया गया। तलाशी के दौरान, अतिरिक्त पुलिस और सेना के जवानों को भी तैनात किया गया। कई टीमों को जंगलों और दुर्गम पहाड़ी इलाकों में भेजा गया।

दोनों एसपीओ के शव मिलने के बाद, उनके सर्विस हथियार गायब होने का मामला जांच का अहम हिस्सा बन गया है। अधिकारियों ने बताया कि हथियार नहीं मिलने से आतंकियों की संलिप्तता की आशंका पैदा हुई है। हालांकि, उन्होंने फिलहाल इस घटना को आतंकी गतिविधि से जोड़ने में सावधानी बरतने को कहा है। उनका कहना है कि जांच पूरी होने और सभी तथ्य सामने आने से पहले किसी नतीजे पर पहुंचना जल्दबाजी होगी।

केजरीवाल को जान से मारने की धमकी देकर सात करोड़ रु. मांगे

केजरीवाल को जान से मारने की धमकी देकर सात करोड़ रु. मांगे 24-खुद को लॉरेंस बिश्नोई गिरोह का सदस्य बताते हुए आप विधायक को फोन पर यह धमकी दी गई

मोहाली, 12 नवंबर। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल और उनकी बेटी हर्षिता को जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है। धमकी देने वाले व्यक्ति ने खुद को लॉरेंस बिश्नोई गिरोह का सदस्य बताते हुए सात करोड़ रुपये की रंगदारी मांगी है। इस संबंध में दिल्ली के तिलक नगर से आम आदमी पार्टी के विधायक जरनैल सिंह की शिकायत पर मोहाली पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

विधायक जरनैल सिंह ने मोहाली के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक को दी शिकायत में बताया कि छह नवंबर को उन्हें एक अज्ञात व्यक्ति का फोन आया था। इसके अलावा, उन्हें व्हाट्सएप के माध्यम से भी धमकी भरा संदेश भेजा गया। धमकी देने वाले व्यक्ति ने खुद को लॉरेंस बिश्नोई गिरोह से जुड़ा बताया। विधायक की शिकायत के अनुसार, फोन करने वाले व्यक्ति ने अरविंद केजरीवाल से सात करोड़ रुपये देने की मांग की। उसने धमकी दी

- **आम आदमी पार्टी के दिल्ली के विधायक जरनैल सिंह की शिकायत पर मोहाली पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरु की।**

कि यदि उसकी मांग पूरी नहीं की गई, तो वह अरविंद केजरीवाल और उनकी बेटी हर्षिता की हत्या कर देगा।

विधायक जरनैल सिंह ने शिकायत में कहा कि अरविंद केजरीवाल देश के प्रमुख राजनीतिक नेताओं में शामिल हैं। ऐसे में उन्हें और उनके परिवार को मिली धमकी गंभीर सुरक्षा चिंता का विषय है। उन्होंने पुलिस से मामले की व्यापक जाँच करने और धमकी देने वाले व्यक्ति की पहचान कर उसे गिरफ्तार करने की मांग की है।

विधायक जरनैल सिंह की शिकायत के आधार पर मोहाली पुलिस ने साइबर अपराध थाने में भारतीय न्याय संहिता और सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी है। धमकी देने वाले व्यक्ति की पहचान और उसके लॉरेंस बिश्नोई गिरोह से वास्तविक संबंधों का पता लगाने के लिए जांच की जा रही है।

पीएसएलवी के तीसरे चरण का ग्राउंड टैस्ट सफल

नई दिल्ली, 12 नवंबर। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने अपने ध्रुवीय उपग्रह प्रक्षेपण यान (पीएसएलवी) के तीसरे चरण का ग्राउंड टेस्ट सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है। यह परीक्षण 12 नवंबर 2026 को श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केन्द्र में किया गया।

- **पीएसएलवी के पिछले दो मिशनों में तीसरे चरण से जुड़ी गड़बड़ियां सामने आई थीं। जिसके बाद इसरो ने इसमें जरूरी बदलाव किए।**

पीएसएलवी के पिछले दो मिशनों में तीसरे चरण से जुड़ी गड़बड़ियां सामने आई थीं। इसके बाद इसरो ने इस चरण के डिजाइन, कच्चे माल की जांच, असेंबली और गुणवत्ता परीक्षण की पूरी प्रक्रिया की दोबारा समीक्षा की। अब इसमें जरूरी बदलाव किए गए हैं। यह सफलता पीएसएलवी की विश्वसनीयता बढ़ाने की दिशा में अहम कदम है।

इसरो ने 12 नवंबर को श्रीहरिकोटा के सतीश धवन अंतरिक्ष केन्द्र स्थित स्टैटिक टेस्ट फैसिलिटी में पीएसएलवी के तीसरे चरण, यानी पीएस3 का ग्राउंड स्टैटिक टेस्ट किया। इस परीक्षण में तीसरे चरण के सॉलिड मोटर सिस्टम की जांच की गई।

'अभिषेक बनर्जी की सुरक्षा के मामले में समीक्षा क्यों नहीं हुई'

- **कलकत्ता हाईकोर्ट ने राज्य सरकार को धमकियां मिलने के बाद भी समीक्षा नहीं करने पर फटकार लगाई**

कोलकाता, 12 नवंबर। तृणमूल सांसद अभिषेक बनर्जी की जेड प्लस सुरक्षा से जुड़े मामले में गुरुवार को कलकत्ता उच्च न्यायालय ने राज्य सरकार को कड़ी फटकार लगाई। अदालत ने सवाल किया कि अभिषेक की सुरक्षा से जुड़े मामले की अब तक समीक्षा क्यों नहीं की गई? इसके जवाब में राज्य सरकार की ओर से बताया गया कि इसी नवंबर महीने में सुरक्षा मामले की समीक्षा की जाएगी।

गुरुवार को कलकत्ता उच्च न्यायालय में सुनवाई के दौरान अभिषेक बनर्जी के वकील ने दलील दी कि जिस तरह से हमले हो रहे हैं, उसे देखते हुए मौजूदा सुरक्षाकर्मी (पीएसओ) उन्हें बचाने में सक्षम नहीं होंगे। राज्य सरकार हमलों की बात से अनजान नहीं है, इसलिए उन्हें कड़ी सुरक्षा की जरूरत है। इस पर अदालत ने पूछा कि अभिषेक की सुरक्षा कब घटाई गई थी? राज्य सरकार ने जवाब दिया कि 12 मई को सुरक्षा घटाई गई थी।

अदालत ने फिर सवाल उठाया कि अभिषेक ने जिन पांच धमकियों का जिक्र किया है, उनकी समीक्षा संयुक्त पुलिस आयुक्त (सुरक्षा) ने क्यों नहीं की? राज्य द्वारा सौंपी गई रिपोर्ट में इसका जिक्र न होने पर न्यायमूर्ति कृष्णा राव ने राज्य के महाधिवक्ता को कड़ी फटकार लगाई।

अदालत ने राज्य सरकार को स्पष्ट करते हुए कहा कि अदालत यह तय नहीं करेगी कि किसे कितनी सुरक्षा दी जानी चाहिए। लेकिन याचिकाकर्ता का कहना है कि उन पर हमला हुआ है और उसकी समीक्षा नहीं की गई है, अदालत बस इसका कारण जानना चाहती है। इस पर राज्य सरकार ने कहा कि नवंबर के अंत में अभिषेक की सुरक्षा की समीक्षा की जाएगी, तब इस पहलू को भी देखा जाएगा।

'बेटा जन्म ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

फैसले के अनुसार, हिंदू उत्तराधिकार अधिनियम की धारा 8 के अनुसार, पोते को अपने पिता के हिस्से वाली संपत्ति में जन्म के आधार पर कोई अधिकार नहीं मिलता। इसलिए पोता उस संपत्ति में जन्म से अधिकार रखने वाला "सह-उत्तराधिकारी" भी नहीं बन सकता।

आप पार्टी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

काटी गई हैं, जबकि इस लिस्ट में किसी भी मंत्री की टिकट पर फैसला नहीं हो पाया है। इसके अलावा, दो सांसदों गुरमीत सिंह मीत हेयर और डॉ. राज कुमार चब्बेवाल को टिकट दिया गया है।

ओवैसी-आज़ाद ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

शामिल है। यह सपा की सावधानीपूर्वक बनाई गई राजनीतिक रणनीति का हिस्सा है।

इसके जरिए, पार्टी अपने पारंपरिक मुस्लिम और पिछड़े वर्ग के मतदाताओं का समर्थन बनाए रखते हुए, हिंदू मतदाताओं तक भी पहुंच बनाने का प्रयास कर रही है, ताकि भाजपा के अल्पसंख्यक तुष्टीकरण के आरोपों की धार को कम किया जा सके।

चार ट्रिलियन डॉलर ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अमेरिकी सुरक्षा एजेंसियों और वाणिज्य विभाग को धोखा देने के लिए एलिस हुआंग ने अपनी पुरानी कंपनी को बदलकर सिंगापुर में मेगास्पीड के रूप में स्थापित किया था। हालांकि यह एक छोटी और कम जानी-पहचानी कंपनी थी, लेकिन जल्द ही इसने बड़ी मात्रा में बेहद महंगे और महत्वपूर्ण चिप्स खरीदने शुरू कर दिए।

मेगास्पीड ने चार अरब डॉलर की कीमत के एनवीडिया चिप्स खरीदे और उन्हें चीन की विभिन्न संस्थाओं को सप्लाई कर दिया। इनमें एक ऐसा चीनी विश्वविद्यालय भी शामिल था, जो कृत्रिम बुद्धिमत्ता तकनीक के सैन्य इस्तेमाल में माहिर है। इन चिप्स का इस्तेमाल चीनी ए.आई. टूल्स और मॉडल विकसित करने के लिए किया गया, जिससे वो अमेरिका को उसी के क्षेत्र में मात दी जा सके।

स्वाभाविक रूप से सवाल उठे कि इतनी छोटी कंपनी को इतनी बड़ी फंडिंग कहाँ से मिल रही है। जांच में पता चला कि चीन की इंटरनेट क्षेत्र की दिग्गज कंपनी अलीबाबा ने मेगास्पीड को यह खरीददारी करने के लिए धन मुहैया कराया था। लगभग एक साल पहले अमेरिकी सुरक्षा और खुफिया एजेंसियों ने एनवीडिया और इस कम जानी-पहचानी कंपनी के बीच संबंधों के बारे में जानकारी दी थी।

यह सवाल भी उठा कि जब एनवीडिया के इन चिप्स के खरीदारों की लंबी कतारें थीं और उनकी बिक्री पर कड़े प्रतिबंध लगे हुए थे, तो इतनी छोटी कंपनी इतनी बड़ी मात्रा में इन चिप्स को कैसे हासिल कर सकी?

अमेरिकी सुरक्षा एजेंसियां और वाणिज्य विभाग के अधिकारी इन उल्लंघनों को लेकर निश्चित रूप से चिंतित हैं। साफ है कि ऐसे अत्यंत संवेदनशील उपकरणों की बिक्री पर लगाए गए सभी प्रतिबंधों का उल्लंघन किया गया और उन्हें दरकिनार करके ये चिप्स चीन के हाथों तक पहुंचा दिए गए।

कम से कम एक मामले में, जेनसन ने खुद मेगास्पीड और चीन संस्थाओं को सप्लाई के लिए पाबंदियाँ हटाने की सिफारिश की थी। अमेरिकी जांच एजेंसियां अब इस निष्कर्ष की ओर बढ़ रही हैं कि जेनसन हुआंग का यह मामला केवल निजी संबंधों का मामला नहीं, बल्कि सुरक्षा में गंभीर चूक था, जिसके राष्ट्रीय सुरक्षा पर कहीं अधिक व्यापक प्रभाव पड़ सकते हैं।

छठ के बाद संसद का विशेष सत्र बुलाने की तैयारी

सरकारी सूत्रों का दावा है कि संविधान संशोधन विधेयक के लिये दो-तिहाई बहुमत जुटा लिया गया है

- **विशेष सत्र में, संसद व विधानसभाओं में एक तिहाई महिला आरक्षण तथा परिसीमन के द्वारा पचास प्रतिशत सीटें बढ़ाने का विधेयक सरकार पास कराना चाहती है।**

नई दिल्ली, 12 नवंबर। संसद और विधानसभाओं में एक तिहाई महिला आरक्षण और परिसीमन के जरिए पचास फीसद सीटें बढ़ाने का रास्ता साफ करने के लिए सरकार जल्द ही संसद का विशेष सत्र बुला सकती है। सरकार के उच्च पदस्थ सूत्रों ने इसके स्पष्ट संकेत दिये।

दावा है कि संविधान संशोधन विधेयक को पास कराने के लिए दो-तिहाई बहुमत जुटा लिया गया है और माना जा रहा है कि छठ के बाद कभी भी विशेष सत्र आहूत करने की घोषणा हो सकती है। अप्रैल में विशेष सत्र के दौरान, सरकार दो-तिहाई बहुमत जुटाने में विफल रही थी। इस बार सरकार दो तिहाई के जरूरी बहुमत से 17-18 अधिक सांसदों के समर्थन हासिल करने का दावा कर रही है।

दरअसल, संसद के मानसून सत्र का अभी तक सत्रावसान नहीं हुआ है। विशेष सत्र मानसून सत्र का ही हिस्सा होगा। उसके बाद मानसून सत्र का समापन किया जाएगा। दो सत्रों के बीच 15 दिन के अंतर के नियम को देखते हुए शीतकालीन सत्र दिसंबर के दूसरे हफ्ते में बुलाया जा सकता है और क्रिसमसस से पहले उसका समापन हो सकता है। मानसून सत्र का सत्रावसान नहीं होने से विशेष सत्र बुलाकर महिला आरक्षण और परिसीमन का विधेयक पास कराने की अटकलें लगाई जा रही थीं। लेकिन सामान्य तौर पर नवंबर के तीसरे हफ्ते में शीतकालीन सत्र शुरू होने के कारण इन विधेयकों को शीतकालीन सत्र में पारित कराने की भी बात की जा रही थी। लेकिन गुरुवार को सरकार के वरिष्ठ नेता ने साफ कर दिया कि मानसून सत्र में ही विधेयक पास कराने की तैयारी है। 16 नवंबर को छठ पर्व पूरा हो जाने और बुधवार तक प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विदेश दौरे से लौटने को देखते हुए उसके बाद किसी भी दिन विशेष सत्र बुलाया जा सकता है।

'साठ दिन में ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

निर्णय नहीं लिया है। मामले की सुनवाई करते हुए, अदालत ने जेडीए के सक्षम अधिकारी को साठ दिन में आवेदन पर निर्णय करने को कहा है।

'रोज कॉफी पीने से ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

प्रभावित होती है। दूसरे शब्दों में, कि आंतें कैसे काम करती हैं।"

यह बात पहले से ही अच्छी तरह साबित हो चुकी है कि सीमित मात्रा में कॉफी पीने से हृदय रोग, डायबिटीज़, डिप्रैशन और कई तरह के कैंसर का खतरा कम होता है। हालांकि नियमित रूप से कॉफी पीने का आंतों की शारीरिक कार्यप्रणाली पर क्या असर पड़ता है, इस बारे में बहुत कम जानकारी उपलब्ध है।

शोधकर्ताओं ने पाया कि नियमित रूप से कॉफी पीने वालों की छोटी आंत में पीएच का स्तर उन लोगों की तुलना में काफी कम था, जो कम कॉफी पीते थे। उन्होंने यह भी पाया कि अधिक कॉफी पीने का संबंध बड़ी आंत में अधिक संकुचन (कॉन्ट्रैक्शन) होने से है। तो आंतों की कार्यप्रणाली में होने वाले ये बदलाव स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद हैं या नुकसानदायक?

बुची कहती हैं, "आंतों में होने वाले संकुचन पाचन को स्वस्थ रखने, कब्ज से बचाने और आंतों की मांसपेशियों को अच्छी स्थिति में बनाए रखने में मदद कर सकते हैं।"

शोधकर्ता अभी यह तय नहीं कर पाए हैं कि पीएच का कम स्तर स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद है या नुकसानदायक। हालांकि, छोटी आंत में पीएच का स्तर पाचक एंजाइमों की कार्यप्रणाली और भोजन के टूटने (पाचन) की प्रक्रिया में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

शोधकर्ताओं ने यह भी स्पष्ट किया है कि इस अध्ययन से यह साबित नहीं होता कि ये बदलाव केवल कॉफी पीने की वजह से ही हैं। फिर भी, इस अध्ययन के वरिष्ठ लेखक हेनरिक मुंच रोएगर का मानना है कि कॉफी की इसमें महत्वपूर्ण भूमिका होने के अच्छे कारण हैं।

वे कहते हैं, "उदाहरण के लिए, हम पहले से ही दूसरे अध्ययनों से जानते हैं कि कॉफी पाचन तंत्र की कई प्रक्रियाओं को प्रभावित कर सकती है। इनमें पेट में एसिड का बनना भी शामिल है। इसलिए यह मानने के पर्याप्त कारण हैं कि हम जो बदलाव देख रहे हैं, वे केवल संयोग नहीं हैं। कई लोग अपने अनुभव के आधार पर भी बताते हैं कि कॉफी उनके पाचन को प्रभावित करती है।"

हेनरिक मुंच रोएगर कोपनहेगन विश्वविद्यालय के पोषण, व्यायाम और खेल विभाग में एसोसिएट प्रोफेसर और शोध समूह के प्रमुख हैं।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंभाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- प्लाट नम्बर H1-4, इन्डस्ट्रीयल एरिया फैस प्रथम, जालौर, (राज.) फोन नम्बर 226422, 226423, जालौर। फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908